रांची, गुरुवार

23.07.2026

वर्ष : 11, अंक : 231, पृष्ठ : 12

मूल्य : दो रूपए

बिहान भारत

रांची से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

खबरे हमारी, विश्वास आपका

website : www.bihanbharat.org | bihanbharat@gmail.com | @bihan_bharat | Bihan Bharat | @bihanbharat | RNI NO - JHAHIN/2015/73988

मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन की उपस्थिति में झारखण्ड फिल्म डेवलपमेंट कॉपोरेशन लिमिटेड और सत्यजीत रे फिल्म एंड टेलीविजन इंस्टीट्यूट, कोलकाता के बीच हुआ एमओयू

झारखंड में फिल्म निर्माण की अपार संभावनाएं, कलाकारों को मिलेगा उड़ान:सीएम

बिभा संवाददाता

रांची : झारखंड के होनहार और क्रिएटिव युवाओं के लिए राज्य सरकार ने एक बेहतर प्लेटफार्म तैयार किया है। इस प्लेटफार्म का आज विधिवत रूप से झारखंड सरकार का एक अंग झारखंड फिल्म डेवलपमेंट कॉरपोरेशन लिमिटेड और सत्यजीत रे फिल्म एंड टेलीविजन इंस्टीट्यूट, कोलकाता के सहयोग से स्थापित किया जा रहा है। हालांकि, इस संदर्भ में आगे काम कैसे होना है, कैसे इस संस्था को और इस प्लेटफार्म को विस्तारित किया जाएगा, इसी के लिए राज्य सरकार सत्यजीत रे फिल्म एंड टेलीविजन इंस्टीट्यूट, कोलकाता का सहयोग ले रही है। निश्चित रूप से हम सभी लोग आज विभिन्न सोशल मीडिया, समाचार पत्रों और सूचना तंत्रों के माध्यम से कई कलाकारों की गतिविधियों को देख रहे हैं। कोई फिल्म बना रहा है, कोई रील बना रहा है, तो कोई अलग-अलग क्षेत्र में अपनी विशेषताओं को आमजनों तक पहुंचा रहा है। यूँ कहा जा सकता

है कि यह एक बहुत ही क्रिएटिव क्षेत्र है, जो आपको छोटे स्तर से एक बड़े व्यावसायिक क्षेत्र तक ले जाता है, जहाँ आप कैमरे के सामने भी होते हैं और एक बहुत बड़ी फौज कैमरे के पीछे भी होती है। व्यस्त कार्यक्रमों के बीच भी कभी कानों से सुनने तो कभी आंखों से देखने का मौका मिलता है। उक्त बातें मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने आज झारखंड मंत्रालय सभागार में आयोजित झारखण्ड फि ल्म डेवलपमेंट कॉपोरेशन लिमिटेड और सत्यजीत रे फिल्म एंड टेलीविजन इंस्टीट्यूट, कोलकाता के बीच एमओयू हस्ताक्षर समारोह को संबोधित करते हुए कही। मुख्यमंत्री ने कहा कि झारखण्ड फि ल्म डेवलपमेंट कॉपोरेशन लिमिटेड और सत्यजीत रे फिल्म एंड टेलीविजन इंस्टीट्यूट, कोलकाता के बीच एमओयू हस्ताक्षर होना एक नई यात्रा की शुरूआत है। एक ऐसी यात्रा जो झारखण्ड के प्रतिभावान फिल्मकारों और कलाकारों को नई तकनीक, विश्वस्तरीय सुविधाएं और एक नया राष्ट्रीय मंच प्रदान करेगी। यह एक अविस्मरणीय और ऐतिहासिक क्षण है।

मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने कहा कि झारखंड में कई ऐसी प्रतिभाएं हैं जो आज भी अनछुई हैं। अभी हाल में ही एक संथाली मूवी 'आगेन' को एक बहुत बड़ा अवार्ड मिला और वे फिल्मकार भी आज यहाँ मौजूद हैं। भविष्य में सिनेमा के क्षेत्र में ऐसे अवार्ड और भी आ सकते हैं, बशर्ते इन्हें थोड़ा तराशने की आवश्यकता होगी। तराशने का यही कार्य अब झारखंड फिल्म एंड टेलिविजन इंस्टीट्यूट के माध्यम से किया जाएगा। उन्होंने कहा कि ?सत्यजीत रे फिल्म इंस्टीट्यूट को शायद ही कोई ऐसा हो जो न जानता हो। यह फिल्म जगत की सबसे अग्रणी संस्थाओं में से एक है, जिसने दुनिया को सिनेमा से रूबरू कराया। हमारे राज्य में भी कई फिल्में बनीं, जिनमें सत्यजीत रे साहब ने भी काम किया।

शेष पेज 08 पर

डिजिटल माध्यमों के सशक्त उपयोग से शासन में पारदर्शिता बढ़ेगी: मुख्यमंत्री

बिभा संवाददाता

रांची। मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने बुधवार को झारखंड मंत्रालय में सूचना प्रौद्योगिकी और ई-गवर्नेंस विभाग के अद्यतन कार्यों एवं विभिन्न योजनाओं की प्रगति की उच्चस्तरीय समीक्षा की। बैठक में ई-गवर्नेंस परियोजनाओं, डिजिटल सेवाओं के विस्तार, साइबर सुरक्षा, डेटा प्रबंधन, सरकारी सेवाओं के डिजिटलीकरण तथा आईटी आधारित नवाचारों की विस्तृत समीक्षा की गई।

इस दौरान ह्लडिजिटल झारखंड विजन 2029ह्व पर विशेष चर्चा हुई, जिसमें अधिकारियों ने आईटी पार्क निर्माण की रूपरेखा एवं साइट प्लान प्रस्तुत किया और मुख्यमंत्री ने महत्वपूर्ण सुझाव दिए। साथ ही ह्लचीफ मिनिस्टर डेटा इंटेलिजेंस प्लेटफॉर्मह्व के विकास पर भी विचार-विमर्श हुआ, जिसके माध्यम से सभी विभागों के डेटा एवं पोर्टलों का समेकित आकलन किया जा सकेगा।

मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया कि प्रत्येक विभाग एवं प्रत्येक जिले में आईटी अधिकारियों की नियुक्ति सुनिश्चित की जाए, ताकि कार्यप्रणाली में पारदर्शिता और दक्षता बढ़े। उन्होंने सभी विभागों के डेटा को केंद्रीकृत प्रणाली में एकीकृत करने पर बल दिया, जिससे बेहतर समन्वय और निर्णय प्रक्रिया सुनिश्चित हो सके। बैठक में झारखंड स्टेट डेटा सेंटर को सुदृढ़ बनाने तथा डेटा की सुरक्षा एवं विश्वसनीयता सुनिश्चित करने पर भी चर्चा की गई।

समीक्षा बैठक के दौरान मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने कहा, ह्लडिजिटल झारखंड का सपना तभी साकार होगा, जब तकनीक का लाभ राज्य के दूरस्थ एवं ग्रामीण क्षेत्रों तक प्रभावी रूप से पहुंचे। इसके लिए यह आवश्यक है कि डिजिटल सेवाओं का विस्तार अंतिम व्यक्ति तक सुनिश्चित किया जाए, ताकि कोई भी नागरिक सूचना और सेवाओं से वंचित न रहे। सूचना प्रौद्योगिकी विभाग को नवाचार, पारदर्शिता और दक्षता के साथ कार्य करते हुए यह सुनिश्चित करना होगा कि तकनीक आम लोगों के जीवन को सरल, सुलभ और सुगम बनाए।

उन्होंने आगे कहा कि आधुनिक तकनीकों के समुचित उपयोग से न केवल प्रशासनिक कार्यप्रणाली अधिक सुदृढ़ और जवाबदेह बनेगी, बल्कि सेवा वितरण प्रणाली में भी गति आएगी। डिजिटल माध्यमों के सशक्त उपयोग से शासन में पारदर्शिता बढ़ेगी, योजनाओं के क्रियान्वयन में सुधार होगा और राज्य को डिजिटल रूप से सशक्त बनाने की दिशा में ठोस एवं स्थायी प्रगति सुनिश्चित की जा सकेगी।

जैप-आईटी की समीक्षा के दौरान मुख्यमंत्री ने संस्थान में रिक्त पदों को भरने के निर्देश दिए, ताकि विभागीय कार्यों की गति और दक्षता में वृद्धि हो सके। इसके साथ ही पुलिस स्टेशनों में सीसीटीवी नेटवर्क, लाइडर तथा सैटेलाइट आधारित परियोजनाओं की प्रगति की भी विस्तृत समीक्षा की गई और इन परियोजनाओं को समयबद्ध रूप से पूर्ण करने पर बल दिया गया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि डिजिटल तकनीक सुशासन का एक सशक्त और प्रभावी माध्यम है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि सभी विभाग अपनी सेवाओं को चरणबद्ध तरीके से ऑनलाइन प्लेटफॉर्म से जोड़ें, ताकि आम नागरिकों को सरकारी योजनाओं की जानकारी और लाभ सरल, पारदर्शी एवं समयबद्ध तरीके से प्राप्त हो सके। उन्होंने यह भी कहा कि तकनीक का उद्देश्य प्रशासन को अधिक जवाबदेह, पारदर्शी और नागरिक-केंद्रित बनाना है।

मुख्यमंत्री ने सभी विभागों में फोटोयुक्त डिजिटल सक्सेशन चार्ट तैयार कर उसे नियमित रूप से अपडेट रखने के निर्देश दिए, जिससे अधिकारियों की पहचान और प्रशासनिक स्पष्टता बनी रहे। उन्होंने राज्य के सभी विभागों के डेटा को एक समान प्रारूप में केंद्रीकृत करने तथा अत्याधुनिक साइबर सुरक्षा तंत्र विकसित करने पर जोर देते हुए नियमित सुरक्षा ऑडिट सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

राज्य में डिजिटल कनेक्टिविटी को सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से मुख्यमंत्री ने इंटरनेट शैडो क्षेत्रों (जहां नेटवर्क उपलब्ध नहीं है या अत्यंत कमजोर है) की पहचान कर चरणबद्ध तरीके से नेटवर्क विस्तार करने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों को स्पष्ट रूप से कहा कि राज्य का कोई भी गांव, कस्बा या शहर डिजिटल सेवाओं से वंचित नहीं रहना चाहिए। इसके लिए प्रत्येक क्षेत्र तक 5जी इंटरनेट कनेक्टिविटी पहुंचाने के लिए ठोस एवं समयबद्ध कार्ययोजना तैयार करने को कहा, ताकि शिक्षा, स्वास्थ्य, प्रशासनिक सेवाओं एवं डिजिटल शासन को नई गति मिल सके।

शेष पेज 08 पर

14वीं जेपीएससी में धांधली मामला

सीआईडी ने अभय तिवारी और श्वेता गुप्ता सहित पांच को किया गिरफ्तार

बिभा संवाददाता

रांची। झारखंड लोक सेवा आयोग (जेपीएससी) की 14वीं सिविल सेवा परीक्षा में कथित गड़बड़ी और धांधली से जुड़े मामले में सीआईडी ने बड़ी कार्रवाई की है।

सीआईडी ने मामले में उप परीक्षा नियंत्रक श्वेता गुप्ता, टीएसआर डाटा प्रोसेसिंग प्राइवेट लिमिटेड रामवीर सिंह, मो उस्मान, मो एबाद और अभय कुमार तिवारी को गिरफ्तार किया है।

सीआईडी से मिली जानकारी के अनुसार झारखंड सरकार से प्राप्त आदेश के आलोक में झारखंड लोक सेवा आयोग (जेपीएससी) की ओर से आयोजित विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं के संबंध में प्राप्त आवेदनों एवं आरोपों के आधार पर अपराध अनुसंधान विभाग (सीआईडी), झारखंड की ओर से जांच की गई। रांची पुलिस के सहयोग से अपराध अनुसंधान विभाग ने जेपीएससी कार्यालय एवं राज्य के विभिन्न ठिकानों पर छापेमारी कर साक्ष्य संकलन किया गया।

उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर सीआईडी थाना कांड संख्या(16/2026), बुधवार को विभिन्न धाराओं के तहत दर्ज किया गया। कांड का अनुसंधान प्रगति पर है और अनुसंधान के दौरान प्राप्त होने वाले साक्ष्यों के आधार पर विधि-सम्मत आगे की कार्रवाई की जायेगी।

गिरफ्तार किए गए आरोपितों से सीआईडी की टीम पूछताछ कर रही है। सीआईडी यह पता लगाने में जुटी है कि परीक्षा में कथित गड़बड़ी किस स्तर पर हुई और इसमें कौन-कौन लोग शामिल थे। मामले में आने वाले दिनों में और भी गिरफ्तारियां हो सकती हैं।

जेपीएससी संयुक्त असैनिक सेवा मुख्य परीक्षा 2025 सहित अन्य परीक्षाएं अगले आदेश तक स्थगित जेपीएससी ने संयुक्त असैनिक सेवा मुख्य परीक्षा 2025 को स्थगित कर दिया है. साथ ही निकट भविष्य में होने वाली सभी प्रस्तावित परीक्षाओं को भी अगले आदेश तक टाल दिया है। इससे संबंधित जारी आदेश में कहा गया है कि विज्ञापन संख्या 01/2026 के तहत आयोजित होने वाली इस मुख्य परीक्षा को अपरिहार्य कारणों से स्थगित करने का निर्णय लिया है।

जेपीएससी ने यह भी स्पष्ट किया है कि आयोग की वेबसाइट पर एग्जामिनेशन कैलेंडर-2026 के अंतर्गत 9 जुलाई 2026 को जारी तय परीक्षा कार्यक्रम में शामिल शेष सभी परीक्षाओं का कार्यक्रम भी अगले आदेश तक स्थगित कर दिया गया है।

संक्षिप्त खबरें

राज्यपाल ने जेपीएससी अध्यक्ष का इस्तीफा मंजूर किया

रांची। राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने जेपीएससी अध्यक्ष एल खियांग्ते का बुधवार को इस्तीफा मंजूर कर लिया है। राज्यपाल की मंजूरी के बाद इसे मुख्य सचिव के माध्यम से कार्मिक प्रशासनिक विभाग को अधिसूचना जारी करने के लिए भेज दिया गया है। आयोग के निवर्तमान अध्यक्ष ने अपने त्याग पत्र में लिखा है कि आयोग ने उनके कार्यकाल में बहुत बेहतर काम किया है। आयोग के कर्मचारियों ने भी बेहतर काम किया। इसके बावजूद सीआईडी की ओर से आयोग के कार्यालय में छापेमारी की गयी। इससे वह मर्माहत हैं। वह आयोग के कामकाज में पारदर्शिता बनाये रखने के लिए त्याग पत्र दे रहे हैं।

जम्मू-कश्मीर के अनंतनाग में आतंकी हमला, एक पुलिसकर्मी शहीद

अनंतनाग। जम्मू-कश्मीर के अनंतनाग में बुधवार को अनंतनाग शहर में आतंकवादियों के हमले में अमरनाथ यात्रा की सुरक्षा ड्यूटी पर तैनात एक पुलिसकर्मी शहीद हो गया। लश्कर-ए-तैयबा के एक सहयोगी संगठन, 'द रेजिस्टेंस फ्रंट' ने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए हमले की ज़िम्मेदारी ली है। अधिकारियों ने बताया कि अनंतनाग के लाल चौक पर गोलीबारी दोपहर करीब 12:30 बजे हुई। उन्होंने बताया कि अमरनाथ यात्रा की सुरक्षा ड्यूटी पर तैनात हेड कॉन्स्टेबल आशिक हुसैन हमले में घायल हो गए और उन्हें अनंतनाग के सरकारी मेडिकल कॉलेज अस्पताल ले जाया गया। अस्पताल पहुंचने पर डॉक्टरों ने हुसैन को मृत घोषित कर दिया। सुरक्षाबलों ने इलाके की घेराबंदी कर ली है और हमलावरों की धरपकड़ के लिए ऑपरेशन शुरू कर दिया है।

दिल्ली मेट्रो के 16 स्टेशन अगले आदेश तक बंद

नई दिल्ली। दिल्ली मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन (डीएमआरसी) ने राजधानी के 16 मेट्रो स्टेशनों को अगले आदेश तक बंद रखने का निर्णय लिया है। इन स्टेशनों पर यात्रियों की एंट्री और एग्जिट पूरी तरह बंद रहेगी। डीएमआरसी ने बुधवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर जानकारी दी कि राजधानी के 16 मेट्रो स्टेशनों को अगले आदेश तक बंद रखा गया है।राजीव चौक, मंडी हाउस और केंद्रीय सचिवालय मेट्रो स्टेशनों पर केवल इंटरचेंज (लाइन बदलने) की सुविधा उपलब्ध रहेगी। इन स्टेशनों पर यात्रियों के प्रवेश और निकास की अनुमति नहीं होगी।

आयातित जेनेरिक दवाओं पर 2 साल तक टैरिफ शून्य, उसके बाद लगेगा 100 व 200 फीसदी: ट्रंप

एजेंसी

वॉशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने आयातित जेनेरिक दवाओं पर नई टैरिफ नीति का ऐलान किया है। ट्रंप ने कहा कि एक अगस्त से लागू होने वाली इस नीति के तहत पहले दो वर्षों तक आयातित जेनेरिक दवाओं पर शून्य प्रतिशत टैरिफ रहेगा। इसके बाद अगले एक वर्ष के लिए 100 प्रतिशत टैरिफ और उसके बाद इसे बढ़ाकर 200 प्रतिशत कर दिया जाएगा।

फ्रांस के टेलीविजन नेटवर्क फ्रांस24 के मुताबिक ट्रंप ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर कहा कि इस नीति का उद्देश्य जेनेरिक दवाओं के उत्पादन को अमेरिका में वापस लाना है। उन्होंने स्पष्ट किया कि जो कंपनियां निर्धारित समय-सीमा के भीतर अमेरिका में अपने उत्पादन संयंत्र और आवश्यक बुनियादी ढांचे की स्थापना नहीं करेंगी, उनके खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी।

ट्रंप अपनी 'मोस्ट-फेवर्ड-नेशन' ड्रग प्राइसिंग पॉलिसी के जरिए दवा कंपनियों पर कीमतें कम करने का दबाव भी बना रहे हैं। इस नीति के तहत कंपनियों से अपेक्षा की जा रही है कि वे अमेरिका में दवाओं की कीमतें उन विकसित देशों के समान रखें, जहां ये दवाएं अपेक्षाकृत कम कीमत पर उपलब्ध हैं।

अमेरिकी खाद्य एवं औषधि प्रशासन (एफडीए) के अनुसार अमेरिका में बिकने वाली 90 प्रतिशत से अधिक दवाएं जेनेरिक श्रेणी की हैं। हालांकि ट्रंप ने स्पष्ट किया कि पेटेंट, ब्रांडेड और नवाचार आधारित दवाओं से संबंधित मौजूदा नीति में कोई बदलाव नहीं किया जाएगा।

गौरतलब है कि पिछले वर्ष दुनिया की कई बड़ी दवा कंपनियों ने अमेरिकी सरकार के साथ समझौते किए थे, जिनके तहत अरबों डॉलर मूल्य की दवाओं को टैरिफ से छूट दी गई थी।

इससे पहले अप्रैल में ट्रंप ने एक कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर किए थे, जिसमें आयातित ब्रांडेड दवाओं पर 100 प्रतिशत टैरिफ लगाने का प्रस्ताव रखा गया था। हालांकि, यह प्रावधान उन कंपनियों पर लागू नहीं होगा जो अमेरिकी सरकार के दवा मूल्य निर्धारण समझौतों को स्वीकार करेंगी या अपने उत्पादों का निर्माण अमेरिका में करने का वादा करेंगी।

समय की बदलती जरूरतों के अनुरूप विकसित हो सरकार की कार्यप्रणाली: मोदी

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार कहा कि सभी सुधारों के केंद्र में नागरिकों का कल्याण होना चाहिए और सरकार की कार्यप्रणाली समय की बदलती जरूरतों के अनुरूप विकसित होनी चाहिए।

प्रधानमंत्री ने लोक कल्याण मार्ग स्थित अपने आवास पर सचिवों के साथ एक उच्चस्तरीय बैठक की। बैठक में ह्लविकसित भारतह्व के लक्ष्यों को पाने की दिशा में ग्रामीण विकास, कृषि, सामाजिक कल्याण और संबंधित क्षेत्रों में हुई प्रगति की समीक्षा की गई।

प्रधानमंत्री ने कहा कि सुधारों का उद्देश्य केवल सरकारी व्यवस्था को बेहतर बनाना नहीं, बल्कि भारत को विकसित राष्ट्र बनाने की यात्रा को गति देना है। उन्होंने मंत्रालयों और विभागों की उभरती आवश्यकताओं का व्यापक आकलन करने तथा शासन प्रणाली को अधिक प्रभावी बनाने पर जोर दिया।

प्रधानमंत्री ने विकसित भारत के लक्ष्य को जन आंदोलन बनाने की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा कि इस अभियान की सबसे मजबूत नींव देश का युवा वर्ग होना चाहिए। उन्होंने विभिन्न मंत्रालयों के बीच समन्वय बढ़ाने और विभागीय सीमाओं को समाप्त कर ह्लहोल-ऑफ-गवर्नमेंटह्व दृष्टिकोण अपनाने की आवश्यकता बताई।

बैठक में प्रधानमंत्री मोदी ने युवाओं में बढ़ते नशे की समस्या पर चिंता जताते हुए इससे निपटने के लिए संस्थागत तंत्र विकसित करने और विभिन्न विभागों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने का सुझाव दिया। उन्होंने खेल क्षेत्र के विकास के लिए एकीकृत दृष्टिकोण अपनाने पर भी जोर दिया और कहा कि खेल पर्यटन को बढ़ावा देकर भारत को प्रमुख अंतरराष्ट्रीय खेल आयोजनों की मेजबानी के लिए तैयार करना चाहिए, ताकि देश वैश्विक खेल केंद्र के रूप में उभर सके। उन्होंने खेल क्षेत्र में प्रौद्योगिकी और स्टार्टअप आधारित नवाचार को भी प्रोत्साहित करने की आवश्यकता बताई।

प्रधानमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री कुसुम योजना जैसी पहलों को किसानों के बीच व्यापक स्तर पर अपनाने से कृषि क्षेत्र में बड़ा बदलाव लाया जा सकता है। उन्होंने वैश्विक स्तर पर कौशल की मांग का आकलन करने की जरूरत भी बताई, ताकि भारतीय युवाओं को अंतरराष्ट्रीय रोजगार अवसरों के अनुरूप तैयार किया जा सके। बैठक में विभिन्न मंत्रालयों के सचिवों ने अपने-अपने क्षेत्रों में चल रही पहलों, उपलब्धियों और चुनौतियों से प्रधानमंत्री को अवगत कराया। बैठक में कैबिनेट सचिव, प्रमुख मंत्रालयों के सचिव तथा प्रधानमंत्री कार्यालय के वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद थे।

झारखंड में जल्द शुरू होगा पूर्वी भारत का पहला सरकारी एयरक्राफ्ट मेंटेनेंस इंजीनियरिंग संस्थान

झारखंड फ्लाइंग इंस्टीट्यूट और वेन्योर के बीच एमओयू, एयर होस्टेस प्रशिक्षण के लिए एआईएसईसीटी से भी करार

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन नवंबर में राज्य स्थापना दिवस पर करेंगे पाठ्यक्रमों का शुभारंभ

झारखंड समेत पड़ोसी राज्यों के युवाओं को मिलेगा स्थानीय स्तर पर आधुनिक विमानन प्रशिक्षण

बिभा संवाददाता

रांची। झारखंड जल्द ही पूर्वी भारत का पहला ऐसा राज्य बनने जा रहा है, जहां सरकारी स्तर पर एयरक्राफ्ट मेंटेनेंस इंजीनियरिंग (एएमई) और एयर होस्टेस प्रशिक्षण पाठ्यक्रम संचालित होंगे। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की पहल और मार्गदर्शन में झारखंड फ्लाइंग इंस्टीट्यूट ने इन पाठ्यक्रमों की शुरूआत की तैयारी पूरी कर ली है। दोनों कोर्सों का औपचारिक शुभारंभ नवंबर में राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर मुख्यमंत्री करेंगे।

एयरक्राफ्ट मेंटेनेंस इंजीनियरिंग (एएमई) पाठ्यक्रम के संचालन के लिए झारखंड फ्लाइंग इंस्टीट्यूट ने दिल्ली की संस्था मेसर्स वेन्योर के साथ एमओयू किया है। वहीं, एयर होस्टेस प्रशिक्षण के लिए एआईएसईसीटी लिमिटेड, भोपाल के साथ करार किया गया है। इन पाठ्यक्रमों का संचालन धनबाद स्थित झारखंड फ्लाइंग इंस्टीट्यूट के आधारभूत ढांचे पर पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप (पीपीपी) मॉडल के तहत किया जाएगा।

राज्य सरकार के अनुसार, इन पाठ्यक्रमों के शुरू होने से झारखंड के साथ-साथ बिहार, पश्चिम बंगाल, ओडिशा और छत्तीसगढ़ सहित पड़ोसी राज्यों के युवाओं को विमानन क्षेत्र में प्रशिक्षण के लिए दूर-दराज के राज्यों में नहीं जाना पड़ेगा। इससे समय और खर्च दोनों की बचत होगी।

एएमई पाठ्यक्रम में 60 सीटें निर्धारित की गई हैं। यह तीन वर्षीय कोर्स होगा, जिसकी कुल फीस 6 लाख रुपये होगी। शुल्क का भुगतान तीन वार्षिक किस्तों में 2-2 लाख रुपये के रूप में किया जाएगा।

एयर होस्टेस प्रशिक्षण के तहत छह माह और 12 माह अवधि के दो पाठ्यक्रम संचालित होंगे। दोनों में 60-60 सीटें उपलब्ध रहेंगी। छह माह के कोर्स की फीस 1,00,500 रुपये तथा 12 माह के डिप्लोमा कोर्स की फीस 1,55,500 रुपये निर्धारित की गई है। इस शुल्क में ड्रेस, ग्रूमिंग किट और स्विमिंग प्रशिक्षण भी शामिल रहेगा।

पाठ्यक्रमों का संचालन नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) की अनुमति मिलने के बाद शुरू किया जाएगा। एयर होस्टेस प्रशिक्षण के लिए आवेदन की अंतिम तिथि 30 जुलाई निर्धारित की गई है। इच्छुक अभ्यर्थी झारखंड फ्लाइंग इंस्टीट्यूट की वेबसाइट के माध्यम से आवेदन कर सकते हैं।

झारखंड फ्लाइंग इंस्टीट्यूट के प्रबंध निदेशक कैप्टन एस.पी. सिन्हा ने कहा कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के निर्देश पर विमानन क्षेत्र में राज्य के युवाओं को नए अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। उन्होंने कहा कि एयरक्राफ्ट मेंटेनेंस इंजीनियरिंग और एयर होस्टेस प्रशिक्षण पाठ्यक्रम झारखंड के लिए मील का पत्थर साबित होंगे तथा देश में विमानन क्षेत्र के लिए कुशल मानव संसाधन तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

पनडुब्बी रोधी स्वदेशी युद्धपोत मालवन भारतीय नौसेना के बेड़े में शामिल

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय नौसेना ने कर्नाटक के कारवार नौसैनिक अड्डे पर 'आईएनएस मालवन' को अपने बेड़े में शामिल कर लिया है। माहे श्रेणी का यह दूसरा पनडुब्बी रोधी युद्धपोत कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड में 80 फीसदी से अधिक स्वदेशी सामग्री के साथ 'आत्मनिर्भर भारत' के तहत निर्मित किया गया है। इससे नौसेना की समुद्री सुरक्षा और पनडुब्बी रोधी क्षमता और मजबूत होगी। यह आत्मनिर्भर भारत अभियान के अंतर्गत युद्धपोत निर्माण में देश की बढ़ती क्षमता का परिचायक है।

यह खास तौर पर उथले तटीय क्षेत्रों में दुश्मन की पनडुब्बियों, अंडरवाटर ड्रोन और समुद्री घुसपैठियों का पता लगाने और उन्हें नष्ट करने के लिए डिजाइन किया गया है। इस युद्धपोत में उन्नत सोनार प्रणाली, लाइटवेट टारपीडो और पनडुब्बी-रोधी रॉकेट लॉन्चर लगाए गए हैं। लगभग 80 मीटर लंबा और 1100 टन विस्थापन क्षमता वाला यह पोत वाटर-जेट प्रोपल्शन से लैस है, जो उथले पानी में भी इसे उच्च गतिशीलता और लगभग 25 नॉट्स (46 किमी/घंटा) की अधिकतम गति प्रदान करता है। इसका नाम महाराष्ट्र के ऐतिहासिक तटीय शहर 'मालवन' पर रखा गया है और इसके प्रतीक चिन्ह में छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रेरणा से 'वाघ नख' (बाघ के पंजे) को शामिल किया गया है।

शेष पेज 08 पर

केंद्रीय मंत्री जी. किशन रेड्डी ने सीसीएल के 'कोल नीर' प्लांट का किया वर्चुअल उद्घाटन

बिभा संवाददाता

रांची: सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड के पिपरवार क्षेत्र में स्थापित कोल नीर प्लांट का दिनांक 22 जुलाई, 2026 को केंद्रीय कोयला एवं खान मंत्री जी. किशन रेड्डी द्वारा दिल्ली से वर्चुअल उद्घाटन किया गया। इस दौरान केंद्रीय राज्य मंत्री विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी (स्वतंत्र प्रभार) जितेंद्र सिंह, कोयला खान राज्य मंत्री सतीश चंद्र दुबे,सचिव, कोयला मंत्रालय विक्रम देव दत्त एवं अपर सचिव रूपिंदर बरार की गरिमामयी उपस्थिति रही।

दिल्ली में आयोजित इस भव्य कार्यक्रम में कोल इंडिया लिमिटेड के चेयरमैन बी साई राम, सीसीएल सीएमडी निलेंदु कुमार सिंह समेत कोल इंडिया लिमिटेड के अन्य अनुषंगी कंपनियों के सीएमडी एवं वरीय पदाधिकारी भी उपस्थित रहे।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए केंद्रीय कोयला एवं खान मंत्री जी. किशन रेड्डी ने कहा कि 'कोल नीर' नवाचार, वेस्ट टू वेल्थ की तथा एवं माननीय प्रधानमंत्री जी की अवधारणा 'हर घर जल' के संकल्प का सशक्त उदाहरण है। उन्होंने कहा कि खदानों के जल का प्रभावी उपयोग कर उसे जनकल्याण ,विकास का माध्यम एवं आजीविका का साधन बनाया जा रहा है।

साथ ही, खदान बंदी (द्गल्ली उ'ङ्क२४१) की प्रक्रिया के लिए एक समग्र इकोसिस्टम विकसित किया गया है। उन्होंने कहा कि वैज्ञानिक तरीके से की जाने वाली माइन क्लोजर गतिविधियां पर्यावरण संरक्षण और स्थानीय समुदाय की सहभागिता को मजबूत करती हैं। इसके तहत पुनर्वासित खनन क्षेत्रों का उपयोग इको पार्क सहित विभिन्न सामुदायिक एवं पर्यावरण हितैषी परियोजनाओं के विकास में किया जा रहा है।

केंद्रीय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा कि यदि

भारत को वैश्विक स्तर पर अग्रणी देशों के साथ प्रतिस्पर्धा करनी है, तो हमें उनसे एक कदम आगे बढ़कर कार्य करना होगा। उन्होंने कहा कि विकास और कार्य संस्कृति में नवाचार के साथ-साथ संसाधनों का संरक्षण भी उतना ही आवश्यक है। हमें अपने प्राकृतिक एवं उपलब्ध संसाधनों का विवेकपूर्ण और सतत उपयोग सुनिश्चित करना चाहिए, ताकि विकास की गति बनाए रखते हुए बबार्दी को रोका जा सके।

कोयला एवं खान राज्य मंत्री सतीश चंद्र दुबे ने कहा कि ह्लकोल नीरह्व पहल के माध्यम से आमजनमानस तक शुद्ध पेयजल पहुंचाने का कार्य किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार की पहल अब केवल फाइलों तक सीमित नहीं है, बल्कि लोगों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने तथा उन्हें आत्मनिर्भर बनाने का माध्यम भी बन रही है।

कोयला मंत्रालय के सचिव विक्रम देव दत्त ने कहा कि 'कोल नीर' पहल के माध्यम से कोयला मंत्रालय माइन वॉटर के सतत एवं प्रभावी उपयोग को बढ़ावा दे रहा है। उन्होंने कहा कि यह पहल स्थानीय समुदायों के लिए दीर्घकालिक लाभ सुनिश्चित करने के साथ-साथ जल संरक्षण, आजीविका संवर्धन और पर्यावरणीय संतुलन को सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

इस दौरान केंद्रीय कोयला एवं खान मंत्री, भारत सरकार द्वारा 'आरोह' माइन क्लोजर पर वार्षिक रिपोर्ट का लोकार्पण किया गया।इसके अतिरिक्त सीसीएल द्वारा माइन क्लोजर से संबंधित मॉडल भी प्रदर्शित किया गया जिसका उद्घाटन मन्त्री द्वारा किया गया ।

वहीं, पिपरवार क्षेत्र के उद्घाटन समारोह में निदेशक(वित्त) पवन कुमार मिश्रा, निदेशक(मानव संसाधन) हर्ष नाथ मिश्र, निदेशक (तकनीकी/संचालन) चंद्र शेखर तिवारी, निदेशक(योजना एवं परियोजना) अनूप हंजूरा, महाप्रबंधक पिपरवार सुजीत कुमार, विभिन्न क्षेत्र के महाप्रबंधगण एवं सीसीएल के अधिकारी एवं कर्मचारी तथा विभिन्न श्रमिक संघ के प्रतिनिधिगण, स्थानीय ग्रामीण बड़ी संख्या में मौजूद रहे।

गौरतलब है कि इस अत्याधुनिक प्लांट की जल शोधन क्षमता 25 किलोलीटर प्रतिदिन है। यहां आधुनिक तकनीक के माध्यम से 500 मिलीलीटर और 1 लीटर की बोतलों को प्रति मिनट 40 बोतल तक भरने की क्षमता विकसित की गई है। इसके साथ ही 20 लीटर के जार भरने की सुविधा भी उपलब्ध है।

सीसीएल के पिपरवार क्षेत्र में बना यह प्लांट पूर्णतः महिला द्वारा संचालित होगा, इसके लिए सीसीएल की ओर से स्वयं सहायता ग्रुप की महिला सदस्यों को प्रशिक्षण भी दिया जा चुका है। यह प्लांट न सिर्फ स्थानीय महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाएगा बल्कि आस पास के क्षेत्रों में स्वच्छ एवं शुद्ध पेयजल की भी उपलब्धता सुनिश्चित होगी।

सीसीएल निदेशालय ने लगाया शिकायत निवारण शिविर

हजारीबाग। सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड (सीसीएल) के निदेशालय (मानव संसाधन प्रबंधन) के तत्वावधान में हजारीबाग क्षेत्र में शिकायत निवारण शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में कुल 27 शिकायतों का पंजीकरण किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाप्रबंधक (मानव संसाधन/समाधान प्रकोष्ठ) सुमन रस्तोगी ने की। उन्होंने बताया कि सुबह 11 बजे से शाम चार बजे तक चले शिविर में अनुकम्पा नियुक्ति, आवास (क्वार्टर) अनुरक्षण, भविष्य निधि (पीएफ), पेंशन भुगतान, सीएमपीएफ से संबंधित ऑनलाइन डाटा अद्यतन तथा अन्य सेवा संबंधी मामलों से जुड़ी शिकायतें प्राप्त हुईं। कर्मचारियों और हितधारकों को अपनी समस्याएं सीधे अधिकारियों के समक्ष रखने का अवसर मिला। उन्होंने बताया कि कर्मचारियों एवं हितधारकों की समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित करना तथा शिकायतों के प्रभावी और पारदर्शी निस्तारण की प्रक्रिया को मजबूत बनाना था। शिविर के दौरान कई मामलों में मौके पर ही आवश्यक जानकारी और समाधान उपलब्ध कराया गया, जबकि शेष शिकायतों का नियमानुसार परीक्षण कर निर्धारित प्रक्रिया के तहत शीघ्र निस्तारण करने का आश्वासन दिया गया। सीसीएल प्रबंधन ने दोहराया कि कर्मचारियों एवं हितधारकों की समस्याओं के त्वरित समाधान, पारदर्शी व्यवस्था और उत्तरदायी प्रशासन के प्रति संस्था निरंतर प्रतिबद्ध है। कार्यक्रम में महाप्रबंधक (मानव संसाधन/समाधान प्रकोष्ठ) सुमन रस्तोगी, सीसीएल मुख्यालय के मुख्य प्रबंधक (समाधान प्रकोष्ठ) तेजविंदर सिंह, स्टाफ अधिकारी (मानव संसाधन) नीलाम्बरा मालिक, उप प्रबंधक (मानव संसाधन) निशांत कुमार परमार, मानव संसाधन विभाग के अधिकारी, सिविल विभाग के अधिकारी तथा विभिन्न यूनियनों के प्रतिनिधि मौजूद थे।

संक्षिप्त खबरें

सुनील गुप्ता की पहल पर 24 घंटे में शुरू हुई बागबेड़ा रोड नंबर 3 की लीकेज मरम्मत और पक्कीकरण कार्य

जमशेदपुर(बिभा) : पंचायत समिति सदस्य सुनील गुप्ता के प्रयास से बागबेड़ा कॉलोनी के कुंवर सिंह मैदान स्थित रोड नंबर-3 में पाइपलाइन लीकेज मरम्मत, क्षतिग्रस्त स्लैब की मरम्मत और अधूरे पक्कीकरण का कार्य 24 घंटे के भीतर शुरू करा दिया गया। पंचायत समिति सदस्य सुनील गुप्ता के द्वारा पीएचईडी के कार्यपालक अभियंता सुमित कुमार को सौंपे गए मांग पत्र में बताया गया था कि इंटर कनेक्शन के बाद 50 घरों में जलापूर्ति तो शुरू हुई, लेकिन पाइपलाइन से लगातार पानी रिसने, सड़क पर जलभराव और टूटे स्लैब के कारण लोगों को परेशानी हो रही थी। पत्र में समय पर कार्य नहीं होने पर संवेदक को ब्लैकलिस्ट करने की भी मांग की गई थी। मांग पत्र मिलते ही कार्यपालक अभियंता ने कनीय अभियंता आशुतोष को निर्देश दिए। जिसके बाद संवेदक ने तुरंत मजदूर लगाकर मरम्मत एवं पक्कीकरण कार्य प्रारंभ कर दिया।

टाटानगर स्टेशन से मोबाइल चोर गिरफ्तार, चोरी का फोन बरामद

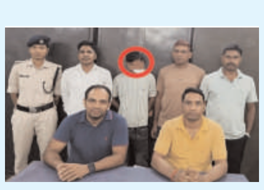

जमशेदपुर(बिभा): टाटानगर रेलवे स्टेशन पर आरपीएफ और जीआरपी की संयुक्त टीम ने एक शातिर मोबाइल चोर को गिरफ्तार किया है। आरोपी के पास से एक यात्री का चोरी हुआ मोबाइल फोन भी बरामद किया गया है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान जेम्को आजाद बस्ती निवासी रितिक कुमार उर्फ गोलू (24) के रूप में हुई है। अधिकारियों के अनुसार, चक्रधरपुर मंडल के मंडल सुरक्षा आयुक्त (आरपीएफ) तथा रेल पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर स्टेशन परिसर और ट्रेनों में लगातार संयुक्त गश्त अभियान चलाया जा रहा है। इसी अभियान के दौरान गश्ती दल को एक युवक की गतिविधियां संदिग्ध लगीं। पूछताछ के बाद उसकी तलाशी ली गई, जिसमें उसके कब्जे से चोरी का मोबाइल फोन बरामद हुआ। जांच में पता चला कि बरामद मोबाइल टाटानगर रेलवे स्टेशन पर रात के समय एक रेल यात्री से चोरी किया गया था। साक्ष्य मिलने के बाद संयुक्त टीम ने आरोपी को तत्काल हिरासत में लेकर गिरफ्तार कर लिया। यह कार्रवाई आरपीएफ पोस्ट कमांडर और जीआरपी थाना प्रभारी के निर्देशन में आरपीएफ के सहायक उपनिरीक्षक (एएसआई) बलबीर प्रसाद के नेतृत्व में की गई। गिरफ्तारी के बाद आरोपी को आगे की कानूनी प्रक्रिया के लिए टाटानगर रेल थाना के सुपुर्द कर दिया गया है। पुलिस उसके आपराधिक इतिहास और इस तरह की अन्य घटनाओं में संभावित संलिप्तता की भी जांच कर रही है। बुधवार को आरपीएफ के सहायक उपनिरीक्षक (एएसआई) बलबीर प्रसाद ने प्रेस को मामले की जानकारी देते हुए कहा कि रेलवे स्टेशन और ट्रेनों में यात्रियों की सुरक्षा को लेकर संयुक्त अभियान लगातार जारी रहेगा तथा अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

पत्नी के हमले से पति गंभीर रूप से घायल

जमशेदपुर(बिभा)। गोविंदपुर थाना क्षेत्र के पटेल नगर रोड नंबर-4 में बुधवार सुबह पति-पत्नी श्रके बीच हुआ घरेलू विवाद हिंसक रूप ले बैठा। मामूली कहासुनी के बाद स्थिति इतनी बिगड़ गई कि पत्नी ने कथित तौर पर धारदार हथियार से अपने पति पर हमला कर दिया। हमले में पति सरोज कुमार गंभीर रूप से घायल हो गए और उनके हाथ में गहरा जख्म हो गया। जानकारी के अनुसार, सरोज कुमार और उनकी पत्नी संगीता देवी के बीच किसी पारिवारिक मुद्दे को लेकर विवाद शुरू हुआ था। कुछ ही देर में दोनों के बीच तीखी नोकझोंक मारपीट में बदल गई। आरोप है कि इसी दौरान संगीता देवी ने धारदार हथियार से सरोज कुमार पर वार कर दिया। हमले से उनका हाथ बुरी तरह कट गया। उन्हें तत्काल स्थानीय लोगों की मदद से इलाज के लिए एमजीएम अस्पताल पहुंचाया गया, जहां चिकित्सकों ने उनके हाथ पर 15 टांके लगाए। फिलहाल उनका उपचार जारी है। घटना के बाद घायल सरोज कुमार ने गोविंदपुर थाना पहुंचकर अपनी पत्नी के खिलाफ लिखित शिकायत दर्ज कराई है। शिकायत में उन्होंने पुलिस से न सिर्फ कानूनी कार्रवाई की मांग की है, बल्कि अपनी जान की सुरक्षा की भी गुहार लगाई है। उनका कहना है कि उनकी पत्नी उनकी हत्या करने पर उतारू है और यदि समय रहते पुलिस ने हस्तक्षेप नहीं किया तो भविष्य में कोई बड़ी घटना हो सकती है। उन्होंने पुलिस से अनुरोध किया है कि उन्हें ऐसी पत्नी से बचाया जाए जो उनकी जान लेने पर तुली हुई है। दिनदहाड़े हुई इस घटना से इलाके में सनसनी फैल गई। सूचना मिलते ही गोविंदपुर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का जायजा लेकर मामले की जांच शुरू कर दी। पुलिस का कहना है कि दोनों पक्षों के बयान दर्ज किए जा रहे हैं और जांच के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

ड्यूटी पर निकले सीसीएल कर्मी की अचानक मौत, पुरनाडीह परियोजना में पसरा मातम

बिभा संवाददाता

खलारी। एनके एरिया अंतर्गत पुरनाडीह परियोजना में बुधवार की सुबह एक दुखद घटना ने पूरे कोयलांचल को शोक में डुबो दिया। परियोजना में कार्यरत कर्मी रामेश्वर गंझु की ड्यूटी के दौरान अचानक तबीयत बिगड़ने से मौत हो गई। घटना के बाद सहकर्मियों, परिजनों और स्थानीय लोगों में शोक की लहर दौड़ गई, जबकि डकरा अस्पताल का माहौल परिजनों की चीख-पुकार से गमगीन हो उठा।जानकारी के अनुसार, प्रथम पाली में ड्यूटी के दौरान रामेश्वर गंझु अपने कार्यस्थल पुरनाडीह से मोटरसाइकिल पर धमधमिन्या की ओर नाश्ता करने जा रहे थे। इसी दौरान केंदुवा नाला के समीप अचानक उनकी तबीयत बिगड़ गई और वे बाइक सहित सड़क पर गिर पड़े। पीछे से आ रहे सहकर्मियों ने तत्काल उन्हें उठाकर डकरा

अस्पताल पहुंचाया, लेकिन चिकित्सकों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार उनकी मौत हृदय गति रुकने से हुई।घटना की सूचना मिलते ही सीसीएल प्रबंधन, विभिन्न श्रमिक संगठनों के प्रतिनिधि और बड़ी संख्या में कर्मचारी अस्पताल पहुंच गए। मृतक के परिजनों के साथ हुई वार्ता के बाद सीसीएल प्रबंधन ने नियमानुसार उनके पुत्र रामजीत गंझु को अनुकंपा के आधार पर नौकरी देने की प्रक्रिया शुरू कर दी। देर रात तक नियुक्ति पत्र जारी करने से संबंधित कागजी औपचारिकताएं पूरी की जाती रहीं।डकरा अस्पताल में जैसे ही रामेश्वर गंझु का पार्थिव शरीर पहुंचा, परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया। अस्पताल परिसर में मौजूद हर व्यक्ति की आंखें नम थीं। बड़ी संख्या में सहकर्मी, रिश्तेदार और स्थानीय लोग अस्पताल पहुंचे तथा शोक संतप्त परिवार को सांत्वना दी। इस घटना से पुरनाडीह परियोजना के कर्मचारियों में भी गहरा शोक व्याप्त है।यूनियन नेताओं ने कहा कि दिवंगत कर्मी के परिवार को कंपनी के नियमों के तहत मिलने वाली सभी सुविधाएं

और आर्थिक सहायता शीघ्र उपलब्ध कराई जाएगी। उन्होंने कहा कि इस दुख की घड़ी में पूरा श्रमिक समाज परिवार के साथ खड़ा है।इस दौरान सीसीएल प्रबंधन की ओर से महाप्रबंधक अमिताभ तिवारी, कार्मिक अधिकारी शशि प्रभा हांसदा तथा यूनियन प्रतिनिधियों में प्रेम कुमार, गोल्टेन यादव, सुनील सिंह, देवपाल मुंडा, ध्वजा राम धोबी, रतिया गंझु, इरफान अंसारी, दिनेश भर, राघो चौबे सहित विस्थापित नेता बिगन भोगता, रामलखन गंझु, अमृत भोगता एवं अन्य लोग उपस्थित रहे।

ग्राम पंचायत विकास योजनाओं को मिलेगी नई गति, ईटकी में दो दिवसीय वीएलई प्रशिक्षण संपन्न

बिभा संवाददाता

इटकी: पंचायती राज विभाग, झारखंड सरकार के रोस्टर के तहत ईटकी प्रखंड सभागार में आयोजित पंचायत वीएलई के दो दिवसीय ग्राम पंचायत विकास योजना जीपीडीपी प्रशिक्षण कार्यक्रम का बुधवार को सफलतापूर्वक समापन हो गया। प्रशिक्षण में बेड़ो, ईटकी, लापुंग एवं नगड़ी प्रखंड के पंचायत वीएलई ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को निर्णय पोर्टल,जीपीडीपी पोर्टल एवं ई-ग्रामस्वराज पोर्टल के संचालन, थीम आधारित ग्राम पंचायत विकास योजना तैयार करने, विशेष ग्राम सभा के आयोजन, 16वें वित्त आयोग की अनुदान योजनाओं, डेटा एंट्री तथा पंचायत स्तर पर विकास योजनाओं के प्रभावी एवं समयबद्ध क्रियान्वयन से जुड़े विषयों पर विस्तृत एवं व्यावहारिक जानकारी दी गई। मास्टर ट्रेनर मो. खालिद अंसारी ने कहा कि ग्राम पंचायत विकास योजना गांव के समग्र एवं सतत विकास की आधारशिला है। उन्होंने बताया कि निर्णय पोर्टल, जीपीडीपी पोर्टल एवं ई-ग्रामस्वराज का प्रभावी उपयोग पंचायतों में योजनाओं की पारदर्शिता, जवाबदेही तथा समयबद्ध क्रियान्वयन सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। उन्होंने कहा कि इस प्रशिक्षण का उद्देश्य पंचायत वीएलई को तकनीकी रूप से दक्ष बनाना है, ताकि वे ग्राम पंचायतों में सहभागी एवं गुणवत्तापूर्ण विकास योजनाओं के निर्माण में प्रभावी योगदान दे सकें। प्रशिक्षण में मास्टर ट्रेनर मो. खालिद अंसारी एवं अरुण मुंडा ने प्रशिक्षक की भूमिका निभाई।

खलारी के सभी 60 मतदान केंद्रों पर लगी चुनाव पाठशाला, मतदाता सूची शुद्धिकरण अभियान ने पकड़ी रफ्तार

बिभा संवाददाता

खलारी। आगामी चुनाव को देखते हुए मतदाता सूची को पूरी तरह शुद्ध एवं त्रुटिरहित बनाने के उद्देश्य से खलारी प्रखंड में बुधवार को विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान के तहत सभी 60 मतदान केंद्रों पर चुनाव पाठशाला का आयोजन किया गया। अभियान के दौरान मतदाता सूची में दर्ज प्रत्येक नाम का सत्यापन शुरू किया गया, ताकि अपात्र नामों को हटाकर केवल पात्र मतदाताओं की सूची तैयार की जा सके।चुनाव पाठशाला में मतदान केंद्र स्तरीय अधिकारी (बीएलओ), विभिन्न मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के अधिकृत प्रतिनिधि, स्वयंसेवी शिक्षक तथा चुनाव पाठशाला के मतदाता सदस्य शामिल हुए। बैठक के दौरान मतदाता सूची में अनुपस्थित, स्थानांतरित, मृत एवं डुप्लीकेट मतदाताओं की पहचान कर उनका विस्तृत सत्यापन किया गया। संबंधित मामलों की जांच पूरी होने के बाद आवश्यक अभिलेखों को निर्वाचन आयोग के पोर्टल पर

अपलोड करने की प्रक्रिया भी शुरू कर दी गई।प्रखंड प्रशासन ने बताया कि विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान का उद्देश्य मतदाता सूची को पूरी तरह अद्यतन, शुद्ध एवं पारदर्शी बनाना है, ताकि आगामी चुनाव में केवल पात्र मतदाता ही अपने मताधिकार का प्रयोग कर सकें। इसके लिए मतदान केंद्र स्तर पर लगातार निगरानी और सत्यापन का कार्य किया जा रहा है।प्रशासन का कहना है कि मतदाता सूची की शुद्धता लोकतांत्रिक व्यवस्था की मजबूती का आधार है। इसी को ध्यान में रखते हुए सभी संबंधित पक्षों की सहभागिता सुनिश्चित की गई है, जिससे किसी भी प्रकार की त्रुटि या अपात्र प्रविष्टि को समय रहते सुधारा जा सके।

प्रखंड प्रशासन ने आम नागरिकों से भी अपील की है कि यदि उन्हें मतदाता सूची में किसी प्रकार की त्रुटि, डुप्लीकेट नाम, मृत या स्थानांतरित मतदाता अथवा अन्य किसी विसंगति की जानकारी हो तो इसकी सूचना संबंधित बीएलओ या प्रखंड कार्यालय को उपलब्ध कराएं। नागरिकों के सहयोग से ही मतदाता सूची को अधिक सटीक, पारदर्शी और विश्वसनीय बनाया जा सकेगा।

श्रीनाथ विश्वविद्यालय में पांच दिवसीय रोबोटिक्स अंतर्निहित प्रणाली कार्यशाला का समापन

बिभा संवाददाता

जमशेदपुर: श्रीनाथ विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग के विद्युत एवं इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग विभाग द्वारा आयोजित पाँच दिवसीय रोबोटिक्स एवं अंतर्निहित प्रणाली (एम्बेडेड सिस्टम) कार्यशाला का समापन समारोह एवं प्रमाणपत्र वितरण के साथ सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। कार्यशाला का उद्देश्य विद्यार्थियों को आधुनिक इलेक्ट्रॉनिक्स, रोबोटिक्स तथा इंटरनेट ऑफ थिंग्स (वस्तुओं का इंटरनेट) से संबंधित व्यावहारिक ज्ञान एवं तकनीकी कौशल प्रदान करना था। पाँच दिनों तक चले इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रतिभागियों को मूलभूत इलेक्ट्रॉनिक्स, ब्रेडबोर्ड पर परिपथ निर्माण, 555 टाइमर आईसी का उपयोग, आर्डुइनो नैनो प्रोग्रामिंग, सेंसर इंटरफेसिंग, सीरियल संचार, ईएसपी-32 प्रोग्रामिंग, एलसीडी इंटरफेसिंग, अल्ट्रासोनिक सेंसर तथा इंटरनेट ऑफ थिंग्स आधारित अनुप्रयोगों का गहन व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया।

कार्यशाला के दौरान विद्यार्थियों ने डीएचटी-11 तापमान एवं आर्द्रता सेंसर आधारित इंटरनेट ऑफ थिंग्स वेदर स्टेशन, वेब आधारित डिजिटल सूचना पट्ट (डिजिटल नोटिस बोर्ड) सहित कई अंतर्निहित प्रणाली आधारित परियोजनाएँ तैयार कीं। इन परियोजनाओं के माध्यम से प्रतिभागियों ने इलेक्ट्रॉनिक्स, रियल-टाइम प्रोग्रामिंग तथा अंतर्निहित प्रणालियों के क्षेत्र में अपने व्यावहारिक कौशल को और अधिक सुदृढ़ किया।

समापन समारोह को संबोधित करते हुए कुलाधिपति सुखदेव महतो ने विद्यार्थियों से नवाचार को अपनाने, तकनीकी दक्षता विकसित करने तथा देश की तकनीकी प्रगति में योगदान देने वाले कुशल और उद्योग के लिए तैयार पेशेवर बनने का आह्वान किया। कुलपति प्रो. डॉ एस. एन. सिंह ने कहा कि इंजीनियरिंग शिक्षा में निरंतर अध्ययन, अनुसंधान तथा व्यावहारिक प्रशिक्षण का विशेष महत्व है। उन्होंने विद्यार्थियों को नई तकनीकों के साथ स्वयं को निरंतर अद्यतन रखने की सलाह दी।

कार्यक्रम के अंत में सभी प्रतिभागियों को कार्यशाला सफलतापूर्वक पूर्ण करने पर प्रमाणपत्र प्रदान किए गए। यह कार्यशाला श्रीनाथ विश्वविद्यालय की अनुभवात्मक शिक्षा को बढ़ावा देने तथा विद्यार्थियों को रोबोटिक्स, अंतर्निहित प्रणाली और इंटरनेट ऑफ थिंग्स जैसे उभरते तकनीकी क्षेत्रों में उद्योग की आवश्यकताओं के अनुरूप कौशल प्रदान करने की प्रतिबद्धता का सशक्त उदाहरण रही।

घाघरा-हाटू मार्ग की बदहाल सड़क से ग्रामीण परेशान, तीन वर्षों से नहीं हुआ सुधार

कीचड़ और जर्जर सड़क से पैदल चलना भी मुश्किल, स्कूली वाहन बंद, ग्रामीणों ने प्रशासन से शीघ्र मरम्मत की मांग की

बिभा संवाददाता

बेड़ो: प्रखंड क्षेत्र के घाघरा पंचायत अंतर्गत घाघरा और हाटू के बीच स्थित सड़क एवं पुल तक पहुंचने वाला मार्ग पिछले तीन वर्षों से जर्जर अवस्था में है। बरसात के दिनों में सड़क पर कीचड़ और फिसलन के कारण ग्रामीणों का आवागमन बेहद कठिन हो गया है।

ग्रामीणों ने बताया कि सड़क की हालत इतनी खराब है कि पैदल चलना भी मुश्किल हो गया है।

बरसात के मौसम में लोग फिसलकर गिर जाते हैं, जिससे दुर्घटना की आशंका बनी रहती है। ग्रामीणों का कहना है कि खराब सड़क के कारण स्कूली वाहन भी गांव तक नहीं पहुंच पा रहे हैं, जिससे बच्चों की पढ़ाई प्रभावित हो रही है।

ग्रामीणों ने बताया कि सड़क के एक ओर नदी और दूसरी ओर डेम होने के कारण यह मार्ग काफी संवेदनशील है। ऐसे में जर्जर सड़क और कीचड़ के बीच वाहन पार कराना भी जोखिम भरा हो गया है। दोपहिया और चारपहिया वाहन चालकों को भी भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

ग्रामीणों ने प्रशासन एवं संबंधित विभाग से मांग की है कि बरसात को देखते हुए इस सड़क की तत्काल मरम्मत कराई जाए, ताकि लोगों को सुरक्षित आवागमन की सुविधा मिल सके और बच्चों की शिक्षा भी प्रभावित न हो।

खलारी थाना में आज लगेगा जन संवाद सह शिकायत निवारण शिविर

बिभा संवाददाता

खलारी। आमजन और पुलिस के बीच बेहतर संवाद स्थापित करने तथा लोगों की समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित करने के उद्देश्य से खलारी थाना परिसर में आज जन संवाद सह शिकायत निवारण शिविर का आयोजन किया जाएगा। शिविर सुबह 11 बजे से दोपहर 2 बजे तक चलेगा, जिसमें क्षेत्र के लोग अपनी शिकायतें सीधे पुलिस अधिकारियों के समक्ष दर्ज करा सकेंगे।शिविर के दौरान भूमि विवाद, पारिवारिक कलह, घरेलू हिंसा, मारपीट, आपराधिक मामलों सहित अन्य जन शिकायतों की सुनवाई की जाएगी। जिन मामलों का मौके पर समाधान संभव होगा, उनका तत्काल निष्पादन किया जाएगा, जबकि अन्य मामलों में शीघ्र कार्रवाई की प्रक्रिया शुरू की जाएगी।खलारी इंस्पेक्टर सह थाना प्रभारी रामकुमार वर्मा ने क्षेत्रवासियों से निर्धारित समय पर थाना पहुंचकर इस सुविधा का लाभ उठाने की अपील की है। उन्होंने कहा कि पुलिस का उद्देश्य लोगों की समस्याओं का निष्पक्ष, पारदर्शी और समयबद्ध समाधान करना है। ऐसे शिविरों से आम लोगों की शिकायतों का निस्तारण आसान होगा और पुलिस-जनता के बीच विश्वास भी मजबूत होगा।

मंत्री इरफान अंसारी ने रिम्स में आधुनिक स्वास्थ्य-डिजिटल सुविधाओं का किया लोकार्पण

बिभा संवाददाता

रांची। स्वास्थ्य, चिकित्सा शिक्षा एवं परिवार कल्याण मंत्री डॉ. इरफान अंसारी ने राजेंद्र आयुर्विज्ञान संस्थान (रिम्स) में बुधवार को आधुनिक स्वास्थ्य एवं डिजिटल सुविधाओं के विस्तार की दिशा में कई महत्वपूर्ण परियोजनाओं का लोकार्पण किया। रिम्स में 15 नव-नियुक्त एसोसिएट प्रोफेसरों को नियुक्ति पत्र भी सौंपे। इसके साथ ही डिजिटल मैमोग्राफी यूनिट, सेंट्रल लैब, बीएसएनएल प्रबंधित हाई-स्पीड वाई-फाई, सीसीटीवी कमांड एंड कंट्रोल रूम, ओरल एंड मैक्सिलोफेशियल सर्जरी (ओएमएफएस) ऑपरेशन थिएटर एवं वार्ड कॉम्प्लेक्स, सी-डैक ऑनलाइन भुगतान पोर्टल तथा स्कैन एंड पे सुविधा का शुभारंभ किया।

इस अवसर पर इरफान अंसारी ने कहा कि रिम्स को देश के सर्वश्रेष्ठ चिकित्सा संस्थानों में शामिल करना उनका संकल्प है। जल्द ही 94 सहायक प्राध्यापकों की नियुक्ति के लिए विज्ञापन जारी किया जाएगा, जिससे चिकित्सा शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाएं और मजबूत होंगी। उन्होंने कहा कि तकनीक आधारित पारदर्शी व्यवस्था और आधुनिक संसाधनों से मरीजों को तेज, गुणवत्तापूर्ण और बेहतर उपचार मिलेगा।

मंत्री ने कहा कि उनकी प्राथमिकता रिम्स-2 परियोजना है। और इसे एशिया के सबसे बड़े एवं आधुनिक अस्पताल के रूप में विकसित करने की दिशा में तेजी से काम किया जा रहा है। उनका कहना था कि उद्देश्य केवल नया भवन बनाना नहीं, बल्कि झारखंडवासियों को विश्वस्तरीय स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराना है।

कांके विधायक सुरेश बैठा ने कहा कि रिम्स में लगातार सुधार से लोगों का भरोसा बढ़ा है और रिम्स-2 समय की जरूरत है। अपर मुख्य सचिव अजय कुमार सिंह ने मानव संसाधन, डिजिटल हेल्थ सिस्टम और अधोसंरचना विस्तार के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता दोहराई। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार रिम्स में मानव संसाधन, डिजिटल हेल्थ सिस्टम, अत्याधुनिक चिकित्सा उपकरणों एवं अधोसंरचना के निरंतर विस्तार के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि नई नियुक्तियां, डिजिटल स्वास्थ्य सेवाएं और रिम्स-2 परियोजना झारखंड की स्वास्थ्य व्यवस्था को राष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान दिलाएंगी। रिम्स निदेशक प्रो. (डॉ.) डी.के. सिन्हा ने कहा कि नई नियुक्तियां और आधुनिक सुविधाएं संस्थान के विकास में मील का पत्थर साबित होंगी। कार्यक्रम में कई अधिकारी पदाधिकारी सहित अन्य लोग मौजूद थे।

झारखंड के पुरस्कार विजेता फिल्मकारों ने मुख्यमंत्री से की मुलाकात

बिभा संवाददाता

रांची। झारखंड के युवा पुरस्कार विजेता फिल्मकार बीजू टोप्पो, सेराल मुर्मू, निरंजन कुजूर, रवि राज मुर्मू, अनुज कुमार और मानसिंह बास्के ने बुधवार को प्रोजेक्ट भवन में मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन से मुलाकात की।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने फिल्म क्षेत्र में उनके योगदान की सराहना की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि यह झारखंड के लिए गौरव की बात है कि राज्य के कलाकार, निर्देशक और फिल्मकार राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय मंचों पर अपनी सशक्त उपस्थिति दर्ज करा रहे हैं। उन्होंने कहा कि झारखंड से फिल्म निर्माण के क्षेत्र में लगातार उल्लेखनीय उपलब्धियां सामने आ रही हैं, जो राज्य की सांस्कृतिक पहचान को और मजबूत कर रही हैं।

मुख्यमंत्री सोरेन ने आश्वस्त किया कि आने वाले दिनों में झारखंड राज्य को फिल्म विकास (फिल्म डेवलपमेंट) के क्षेत्र में और आगे ले जाने के लिए राज्य सरकार हरसंभव सहयोग करेगी। उन्होंने कहा कि फिल्म निर्माण, शूटिंग, तकनीकी प्रशिक्षण और स्थानीय प्रतिभाओं को अवसर प्रदान करने की दिशा में सकारात्मक पहल की जाएगी। इस अवसर पर उपस्थित फिल्मकारों ने अपनी फिल्मों, निर्देशकीय उपलब्धियों और राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय पुरस्कारों के बारे में बताया। इन सभी ने झारखंड की जनजातीय, सामाजिक और सांस्कृतिक विषयवस्तु पर आधारित फिल्मों के जरिए व्यापक पहचान बनाई है। मौके पर फिल्मकारों ने मुख्यमंत्री को राज्य में फिल्म निर्माण को बढ़ावा देने, स्थानीय कलाकारों को मंच उपलब्ध कराने और झारखंड को एक उभरते फिल्म-गंतव्य के रूप में विकसित करने के संबंध में अपने सुझाव भी साझा किए। मुख्यमंत्री ने कहा कि झारखंड की कला, संस्कृति और जनजातीय विरासत अत्यंत समृद्ध है और फिल्म माध्यम के जरिए इसे देश-दुनिया तक प्रभावी ढंग से पहुंचाया जा सकता है।

संक्षिप्त खबरें

झारखंड कांग्रेस प्रभारी के राजू ने कई मतदान केंद्रों का जायजा लिया

रांची(बिभा) : झारखण्ड कांग्रेस प्रभारी के राजू ने बुधवार को रांची जिले के रांची विधानसभा के 332, 334, 329, 336, खिजरी विधानसभा के 363, हटिया विधानसभा के 172,175,176,191 और कांके विधानसभा के 463 बूथ नम्बर सहीत अन्य बूथों का भ्रमण कर बीएलओ से बात कर उनके काम काज के तरीके को बारीकी से जाना । झारखंड कांग्रेस प्रभारी के. राजू ने कई मतदान केंद्रों का जायजा लिया और बीएलओ-2 कार्यकताओं के साथ बातचीत की। इस मौके पर एएसडीडी सूची भी पढ़ कर सुनाया गया। वहीं इस मौके पर झारखण्ड कांग्रेस प्रभारी ने बीएलए 1 और बीएलए 2 के कार्यों की बारीकी से जानकारी ली। उन्होंने बीएलए से पूछा की कितना समय लगता है एक फार्म को सिस्टम में अपलोड करने में । बीएलओ ने उत्तर दिया 1से 5 मीनट । वहीं उन्होंने पूछा की एक से अधिक मतदान केंद्रों पर जो पंजीकृत हैं उनके बारे में आप लोग कैसे जानते हैं,तो बीएलओ ने बताया की मतदाता कि इपिक नम्बर ऐप में डालते हैं तो उनकी पूरी जानकारी पता चल जाती है। रांची जिले के बूथों के भ्रमण के दौरान झारखण्ड कांग्रेस प्रभारी के राजू जी, कुमार राजा, रांची जिला कांग्रेस के प्रभारी धर्म दास और सूर्य कांत शुक्ला साथ में मौजूद रहे ।

नेत्रदान जागरुकता अभियान को जन-जन तक पहुंचाए : महापौर

रांची(बिभा) : अग्रवाल सभा, रांची एवं कश्यप मेमोरियल आई बैंक के संयुक्त तत्वावधान में महाराजा अग्रसेन भवन में आयोजित 27वें तीन दिवसीय सावन महोत्सव मेले के दूसरे दिन नेत्रदान जागरूकता अभियान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि महापौर रोशनी खलखो एवं विशिष्ट अतिथि माननीय उप-महापौर नीरज कुमार विशेष रूप से उपस्थित रहे। इस अवसर पर महापौर रोशनी खलखो, उप-महापौर नीरज कुमार, अग्रवाल सभा के अध्यक्ष, मंत्री एवं उपस्थित पदाधिकारियों ने नेत्रदान का संकल्प पत्र भरकर इस पुण्य कार्य में अपनी सहभागिता दर्ज की। समारोह को संबोधित करते हुए महापौर रोशनी खलखो ने डॉ. भारती कश्यप से शहर के सभी 53 वार्डों में शिविर आयोजित कर लोगों को नेत्रदान के लिए जागरूक करने की अपील की। महापौर ने आश्वस्त किया कि इस अभियान के लिए रांची नगर निगम और वे स्वयं हर संभव सहयोग प्रदान करेंगे। उन्होंने कहा कि जागरूकता फैलाने के लिए हमें जन-जन तक पहुँचना होगा। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में अग्रवाल सभा के अध्यक्ष श्री मनोज चौधरी, मंत्री निर्मल बुधिया, उप मंत्री सुनील पोद्दार, अमर अग्रवाल, कोषाध्यक्ष प्रमोद बगड़िया, उपाध्यक्ष सज्जन पाड़िया, रमाशंकर बगड़िया, पूर्व अध्यक्ष सुरेश चंद्र अग्रवाल, चंडी प्रसाद डालमिया, राजेंद्र केडिया, अशोक नागसरिया, वरिष्ठ सदस्य कमल केडिया सहित अन्य सदस्यों एवं महिला समिति की सदस्यों का सराहनीय योगदान रहा।

राज्य में 2 करोड़ मतदाताओं ने अपना इन्यूमरेशन फॉर्म भरकर जमा किया: के रवि

रांची(बिभा)। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री के. रवि कुमार ने कहा है कि राज्य में एसआईआर के इन्यूमरेशन फेज में मतदाताओं को इन्यूमरेशन फॉर्म उपलब्ध कराने, फॉर्म भरने, जमाकरने एवं इसके डिजिटाइजेशन का कार्य किया जा रहा है। इस क्रम में मतदाताओं, निर्वाचन से संबंधित विभिन्न स्टेकहोल्डर, मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के बीएलए-2 के सहयोग एवं बीएलओ के अथक प्रयास से एसआईआर के सभी कार्य तीव्र गति से कि जा रही है। श्री के. रवि कुमार ने कहा कि वर्तमान में राज्य में 2 करोड़ मतदाताओं के इन्यूमरेशन फॉर्म भरकर अपने बीएलओ को जमा कर दिया है एवं उनके डिजिटाइजेशन का कार्य भी पूरा कर लिया गया है। इन मतदाताओं का नाम अब सीधे 5 अगस्त को प्रकाशित होने वाले मतदाता सूची के प्रारूप प्रकाशन में सुनिश्चित हो गए है। उन्होंने सबसे पहले 100% इन्यूमरेशन फॉर्म के डिजिटाइजेशन का कार्य संपन्न करने हेतु चक्रधरपुर विधानसभा क्षेत्र के सभी मतदाताओं, मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के बीएलए-2, ईआरओ, बीएलओ सुपरवाईजर बीएलओ एवं निर्वाचन से जुड़े सभी पदाधिकारियों को बधाई दी है। श्री के. रवि कुमार ने कहा कि राज्य में बचे हुए मतदाता भी जल्द से जल्द अपना भरा हुआ इन्यूमरेशन फॉर्म अपने बीएलओ को उपलब्ध करा दें जिससे उनके डिजिटाइजेशन का कार्य पूरा किया जा सके एवं यदि मतदाताओं को किसी प्रकार की सहायता एवं इन्यूमरेशन फॉर्म भरने में मदद मिल सके।

भाजयुमो ने 14वीं जेपीएससी परीक्षा के नतीजे रद्द करने और सीबीआई जांच की मांग को लेकर किया घेराव

बिभा संवाददाता

रांची। भारतीय जनता युवा मोर्चा (भाजयुमो) झारखंड प्रदेश के नेतृत्व में बुधवार को राज्य के सभी जिलों से पहुंचे युवा कार्यकताओं ने 14वीं जेपीएससी परीक्षा परिणाम में कथित धांधली, भ्रष्टाचार और अनियमितताओं के विरोध में राज्यस्तरीय प्रदर्शन करते हुए झारखंड लोक सेवा आयोग (जेपीएससी) कार्यालय का घेराव किया। प्रदर्शन के दौरान कार्यकताओं ने राज्य सरकार और आयोग के खिलाफ जमकर नारेबाजी की तथा 14वीं जेपीएससी परीक्षा परिणाम को रद्द कर पूरे मामले की केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) से जांच कराने की मांग उठाई।

प्रदर्शन को संबोधित करते हुए भाजयुमो प्रदेश अध्यक्ष शशांक राज ने आरोप लगाया कि राज्य सरकार ने जेपीएससी जैसी संवैधानिक संस्था की विश्वसनीयता को गंभीर रूप से प्रभावित किया है। उन्होंने कहा कि भर्ती प्रक्रिया को पूरी तरह पारदर्शी बनाने के बजाय युवाओं से आवेदन शुल्क लेकर उनकी मेहनत की कमाई का दुरुपयोग किया गया और रोजगार को एक व्यापार बना दिया गया।

शशांक राज ने आरोप लगाया कि राज्य के लाखों युवाओं के भविष्य और सपनों के साथ खिलवाड़ किया गया है। झारखंडी युवाओं के अधिकारों का हनन कर नौकरियों की खरीद-फरोख्त का खेल खेला गया है, जिसकी निष्पक्ष जांच आवश्यक है।

उन्होंने कहा कि भाजयुमो द्वारा निकाले गए मशाल जुलूस और राज्यव्यापी जनाक्रोश के दबाव में जेपीएससी अध्यक्ष से जल्दबाजी में इस्तीफा लिया गया। उनके अनुसार यदि पूरी भर्ती प्रक्रिया निष्पक्ष और पारदर्शी थी तो अध्यक्ष को पद छोड़ने की आवश्यकता क्यों पड़ी। उन्होंने कहा कि यह घटनाक्रम पूरे मामले को और अधिक संदेहास्पद बनाता है।

भाजयुमो प्रदेश अध्यक्ष ने राज्य सरकार द्वारा कराई जा रही सीआईडी जांच और पुलिस कार्रवाई पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि जब जांच एजेंसियां राज्य सरकार के अधीन कार्य करती हैं, तब निष्पक्ष जांच की उम्मीद करना कठिन है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार की ओर से की जा रही कार्रवाई केवल जनता का ध्यान भटकाने का प्रयास है। भाजयुमो की मांग है कि पूरे भर्ती प्रकरण की सीबीआई से जांच कराकर दोषियों के खिलाफ कठोर कानूनी कार्रवाई की जाए।

शशांक राज ने आरोप लगाया कि अभ्यर्थियों को सूचना के अधिकार (आरटीआई) के तहत उत्तर पुस्तिकाओं की प्रतियां उपलब्ध नहीं कराई जा रही हैं। उन्होंने कहा कि जेपीएससी वर्षों से नियमित वार्षिक परीक्षा कैलेंडर जारी नहीं कर रहा है, जिससे प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे युवाओं के सामने अनिश्चितता की स्थिति बनी हुई है। इसके साथ ही आयु सीमा घटने के कारण भी लाखों अभ्यर्थियों का भविष्य प्रभावित हुआ है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार रोजगार उपलब्ध कराने के बजाय युवाओं को मानसिक, आर्थिक और सामाजिक पीड़ा देने का काम कर रही है। उन्होंने चेतावनी दी कि जब तक 14वीं जेपीएससी परीक्षा परिणाम रद्द कर निष्पक्ष जांच नहीं कराई जाती और दोषियों पर कार्रवाई नहीं होती, तब तक भाजयुमो का आंदोलन और अधिक व्यापक तथा उग्र रूप में जारी रहेगा।

भाजयुमो प्रदेश प्रभारी विनय जायसवाल ने कहा कि राज्य सरकार पूरी तरह युवा विरोधी है और उसे झारखंड के मूलवासी युवाओं के भविष्य की कोई चिंता नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार रोजगार देने के बजाय युवाओं के अधिकारों से खिलवाड़ कर रही है। वहीं, भाजयुमो रांची महानगर जिलाध्यक्ष रोमित नारायण सिंह ने कहा कि सरकार युवाओं की आवाज को पुलिस बल और लाठी-डंडे के सहारे दबाने का प्रयास कर रही है, लेकिन भारतीय जनता युवा मोर्चा इससे डरने वाला नहीं है। उन्होंने कहा कि युवाओं के अधिकारों की लड़ाई अंतिम मुकाम तक जारी रहेगी और अन्याय के खिलाफ संघर्ष लगातार चलता रहेगा।

जेपीएससी 14वीं परीक्षा रद्द कर निष्पक्ष जांच कराए सरकार : देवेन्द्र नाथ

बिभा संवाददाता

रांची : झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा (जेएलकेएम) ने झारखंड लोक सेवा आयोग (जेपीएससी) की 14 वीं सिविल सेवा परीक्षा में कथित अनियमितताओं का आरोप लगाते हुए राज्य सरकार से परीक्षा को स्थगित और रद्द के साथ निष्पक्ष तरीके से जांच कर पुनः आयोजित कराने की मांग की है।

जेएलकेएम के केंद्रीय वरीय उपाध्यक्ष देवेंद्र नाथ महतो ने बुधवार को ऑक्सीजन पार्क, रांची में आयोजित प्रेस वार्ता में कहा कि परीक्षा आयोजित करने वाली एजेंसी को लेकर गंभीर सवाल उठे हैं। उनका दावा है कि संबंधित एजेंसी पहले से ब्लैकलिस्टेड रही है और जांच के दौरान कई महत्वपूर्ण तथ्य सामने आए हैं। जब परीक्षा की निष्पक्षता पर सवाल खड़े हो चुके हैं, तब केवल मुख्य परीक्षा को स्थगित करना पर्याप्त नहीं है। इससे अभ्यर्थियों के भविष्य पर अनिश्चितता बनी रहेगी।

उन्होंने मांग की कि राज्य सरकार पूरे मामले की स्वतंत्र और निष्पक्ष जांच कराए। यदि जांच में अनियमितताएं प्रमाणित होती है, तो 14वीं सिविल सेवा परीक्षा को रद्द कर पारदर्शी व्यवस्था के तहत दोबारा आयोजित किया जाए, ताकि अभ्यर्थियों और उनके अभिभावकों का विश्वास बहाल हो सके।

देवेंद्र नाथ महतो ने कहा कि झारखंड लोक सेवा आयोग में व्यापक सुधार और पूरी व्यवस्था में पारदर्शिता सुनिश्चित होने तक जेएलकेएम का लोकतांत्रिक आंदोलन जारी रहेगा।

प्रेस वार्ता में रांची जिला अध्यक्ष गुना भगत, प्रवक्ता महावीर साहू, पंचम इक्का, कालेश्वर बड़ाइक सहित संगठन के पदाधिकारी, छात्र, अभिभावक और कार्यकर्ता मौजूद थे।

भारतीय युवक संघ ने स्तंभ एवं भूमि पूजन के साथ दुर्गा पूजा पंडाल निर्माण का किया शुभारंभ, इस वर्ष बनेगी बृहदेश्वर मंदिर की प्रतिकृति

बिभा संवाददाता

रांची। भारतीय युवक संघ, बकरी बाजार परिसर की ओर से आयोजित होने वाली 68वीं दुर्गा पूजा की तैयारियां बुधवार को विधिवत स्तंभ पूजन एवं भूमि पूजन के साथ शुरू हो गईं। संघ के सचिव रवि रोहतगी ने पूजा स्थल पर वैदिक मंत्रोच्चार के बीच स्तंभ पूजन और भूमि पूजन कर पूजा पंडाल निर्माण कार्य का शुभारंभ कराया। इस दौरान आचार्यों ने विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर भगवान का आह्वान किया और आयोजन के सफल संपन्न होने की कामना की।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में रांची नगर निगम की महापौर रोशनी खलखो उपस्थित रहीं। वहीं, विशिष्ट अतिथि के रूप में उपमहापौर नीरज कुमार और वार्ड पार्षद सुनील यादव शामिल हुए। भारतीय युवक संघ की ओर से विनोद छापड़िया, राजेश बुधिया और राकेश गोयल सहित अन्य पदाधिकारियों ने अतिथियों का अंगवस्त्र एवं स्मृति-चिह्न भेंट कर स्वागत किया।

संघ के अध्यक्ष राहुल अग्रवाल ने बताया कि भारतीय युवक संघ पिछले 68 वर्षों से बकरी बाजार परिसर में भव्य दुर्गा पूजा का आयोजन करता आ रहा है। उन्होंने कहा कि इस वर्ष पूजा पंडाल का निर्माण तमिलनाडु के तंजौर स्थित विश्वप्रसिद्ध बृहदेश्वर मंदिर की तर्ज पर किया जाएगा। यह थीम श्रद्धालुओं और कला प्रेमियों के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र होगी।

राहुल अग्रवाल ने बताया कि पंडाल को इस प्रकार डिजाइन किया जा रहा है कि बड़ी संख्या में आने वाले श्रद्धालु बिना किसी असुविधा के मां दुर्गा के दर्शन कर सकें। श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए प्रवेश और निकास की समुचित व्यवस्था के साथ अन्य आवश्यक सुविधाएं भी उपलब्ध कराई जाएंगी। पंडाल निर्माण कार्य में 150 से अधिक कारीगर जुटेंगे, जो निर्धारित समय सीमा के भीतर इसे अंतिम रूप देंगे।

महापौर रोशनी खलखो ने भारतीय युवक संघ के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि संस्था वर्षों से भारतीय संस्कृति, धर्म और परंपराओं के संरक्षण एवं प्रचार-प्रसार में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। उन्होंने कहा कि हर वर्ष विभिन्न ऐतिहासिक एवं धार्मिक धरोहरों की प्रतिकृति तैयार कर संघ नई पीढ़ी को देश की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत से परिचित कराने का सराहनीय कार्य करता है। कार्यक्रम के अंत में संघ के संरक्षक शंभू अग्रवाल ने सभी अतिथियों एवं उपस्थित लोगों के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि समाज के सहयोग से हर वर्ष दुर्गा पूजा का आयोजन और अधिक भव्य स्वरूप में संपन्न होता है।

झारखंड के चार जिलों में आयोजित होगी सेपकटकरा अस्मिता लीग

बिभा संवाददाता

रांची : खेलो इंडिया कार्यक्रम के अंतर्गत अस्मिता पहल का उद्देश्य महिलाओं एवं बालिकाओं की खेलों में अधिकाधिक भागीदारी सुनिश्चित करना, उन्हें प्रतिस्पर्धात्मक मंच उपलब्ध कराना तथा खेलों के माध्यम से उनके सशक्तिकरण को बढ़ावा देना है। इसी उद्देश्य से झारखंड में सेपकटकरा अस्मिता लीग का आयोजन किया जा रहा है।

सेपकटकरा एसोसिएशन ऑफ झारखंड एवं संबंधित जिला सेपकटकरा एसोसिएशनों के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित होने वाली यह प्रतियोगिता राज्य के राँची, धनबाद, देवघर एवं गिरिडीह जिलों में संपन्न होगी। प्रतियोगिता के प्रथम चरण में 26 जुलाई 2026 को राँची के मनन विद्या स्कूल तथा धनबाद के क्रीसेंट इंटरनेशनल स्कूल में प्रतियोगिताएँ आयोजित होंगी। इसके उपरांत 2 अगस्त 2026 को देवघर इंडोर हॉल एवं गिरिडीह के इंडोर स्टेडियम में प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाएगा।

झारखंड सेपकटकरा एसोसिएशन के अध्यक्ष उदय साहू ने बताया कि सभी जिलों में प्रतियोगिता की तैयारियाँ पूरी कर ली गई हैं। खिलाड़ियों के पंजीकरण, तकनीकी अधिकारियों की नियुक्ति, खेल सामग्री तथा अन्य आवश्यक व्यवस्थाएँ सुनिश्चित कर दी गई हैं। उन्होंने बताया कि अस्मिता लीग में विभिन्न आयु वर्ग की महिला खिलाड़ी भाग लेंगी, जिससे राज्य की प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को अपनी क्षमता प्रदर्शित करने तथा राष्ट्रीय स्तर तक पहुँचने का बेहतर अवसर प्राप्त होगा। उन्होंने कहा कि इस प्रतियोगिता का उद्देश्य महिला खिलाड़ियों को खेलों के प्रति प्रोत्साहित करना, उन्हें प्रतिस्पर्धात्मक मंच प्रदान करना तथा झारखंड में सेपकटकरा के विकास को नई गति देना है।

श्री साहू ने राज्य की सभी पात्र महिला खिलाड़ियों से प्रतियोगिता में उत्साहपूर्वक भाग लेने की अपील करते हुए विश्वास व्यक्त किया कि यह आयोजन महिला खेलों के विकास एवं सशक्तिकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम सिद्ध होगा।

जनजातीय एवं क्षेत्रीय भाषा संवाद: भाषाओं के संरक्षण के लिए मोर्चा गठित, अलग अकादमी और बजट की उठी मांग

बिभा संवाददाता

रांची: डॉ. रामदयाल मुंडा जनजातीय कल्याण शोध संस्थान, रांची में आयोजित जनजातीय एवं क्षेत्रीय भाषा संवाद-2026 में झारखंड की नौ जनजातीय एवं क्षेत्रीय भाषाओं के करीब 200 शिक्षक, विद्वान, शोधार्थी, विद्यार्थी और भाषा प्रेमी जुटे। संवाद में कुड़ुँख, मुंडारी, हो, संथाली, नागपुरी, खड़िया, खोरठा, पंचपरगनिया और कुड़मालि भाषा की वर्तमान स्थिति, समस्याओं और भविष्य की चुनौतियों पर मंथन हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि पूर्व शिक्षा मंत्री बंधु तिर्की और विभिन्न भाषाओं के विद्वानों ने दीप प्रज्वलित कर किया। इस दौरान दिवंगत भाषा विद्वानों को श्रद्धांजलि दी गई। मुंडारी विभाग के शोधार्थियों ने स्वागत गीत प्रस्तुत किया। डॉ. हेमंत कुमार टोप्पो ने अतिथियों का स्वागत किया और कार्यक्रम का संचालन डॉ. शैलजा बाला ने किया।

बंधु तिर्की ने कहा कि झारखंड की जनजातीय एवं क्षेत्रीय भाषाएं राज्य की सांस्कृतिक अस्मिता और पहचान की आधारशिला हैं। इनके संरक्षण और संवर्धन के साथ शिक्षा एवं शोध के क्षेत्र में ठोस पहल की जरूरत है।

इसमें विद्वानों, शिक्षकों और शोधार्थियों ने अपनी-अपनी भाषा की वर्तमान स्थिति और समस्याओं को सामने रखा। साथ ही भाषाओं को नई पीढ़ी से जोड़ने और शिक्षा एवं रोजगार में उनकी भागीदारी बढ़ाने के सुझाव दिए। इसके बाद भाषाविदों और प्रतिभागियों के बीच खुला संवाद हुआ।

दिनभर की चर्चा के बाद 11 प्रमुख मांगों पर प्रस्ताव पारित किया गया। इनमें जनजातीय एवं क्षेत्रीय भाषाओं के लिए अलग बजट, झारखंडी भाषा अकादमी का गठन, शिक्षकों की नियमित नियुक्ति और प्राथमिक से उच्च शिक्षा तक नए पद सृजित करने की मांग प्रमुख रही।

इसके अलावा बीएड कॉलेजों में इन भाषाओं के विद्यार्थियों के लिए कम से कम 25 प्रतिशत सीटें आरक्षित करने, सभी विश्वविद्यालयों में स्वतंत्र भाषा विभाग खोलने और उन्हें क्लस्टर व्यवस्था से मुक्त करने की मांग की गई। विद्यार्थियों और शोधार्थियों के लिए अलग छात्र कल्याण कोष बनाने का प्रस्ताव भी रखा गया।

कार्यक्रम के अंतिम चरण में जनजातीय एवं क्षेत्रीय भाषा बचाओ मोर्चा की कमेटी गठित की गई। प्रत्येक भाषा से एक संयोजक और दो सह-संयोजक बनाए गए। डॉ. किशोर सुरीन को कोषाध्यक्ष की जिम्मेदारी दी गई।

संवाद में 10 सितंबर 2026 को जनजातीय एवं क्षेत्रीय भाषा यात्रा निकालने का प्रस्ताव भी रखा गया। कार्यक्रम का आयोजन नौ भाषाओं के शोधार्थियों और विद्यार्थियों के सामूहिक सहयोग से हुआ। डॉ. अरुण अमित तिग्गा के धन्यवाद ज्ञापन और राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

गरीबों के इलाज के प्रति संवेदनशील रहे हैं प्रधानमंत्री : संजय सेठ

बिभा संवाददाता

रांची। रक्षा राज्य मंत्री एवं रांची के सांसद श्री संजय सेठ की अनुशंसा पर वित्तीय वर्ष 2025-26 के दौरान रांची लोकसभा क्षेत्र सहित आसपास के जिलों के 40 गंभीर रूप से बीमार मरीजों को प्रधानमंत्री राष्ट्रीय आपदा राहत कोष से 86 लाख से अधिक की आर्थिक सहायता प्रदान की गई। इस सहायता से कैंसर, हृदय रोग, किडनी रोग, रीढ़ की गंभीर बीमारी तथा थैलेसीमिया जैसी गंभीर बीमारियों से जूझ रहे गरीब एवं जरूरतमंद मरीजों के इलाज का मार्ग आसान हुआ है।

प्रधानमंत्री राष्ट्रीय आपदा राहत कोष के अंतर्गत आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के गंभीर रोगियों को स्थानीय सांसद की अनुशंसा पर उपचार हेतु सहायता राशि उपलब्ध कराई जाती है। यह राशि सीधे संबंधित अस्पताल के खाते में भेजी जाती है, जिससे मरीजों और उनके परिवारों पर इलाज का आर्थिक बोझ कम हो सके।

रक्षा राज्य मंत्री श्री संजय सेठ की अनुशंसा पर सहायता प्राप्त करने वाले 40 मरीजों में 22 कैंसर पीड़ित तथा 18 हृदय रोग, किडनी रोग, रीढ़ की बीमारी एवं थैलेसीमिया से पीड़ित मरीज शामिल हैं। इनमें 22 मरीजों को 3 लाख तक की सहायता राशि प्रदान की गई, जबकि अन्य मरीजों को 50 हजार से 2.50 लाख तक की आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई गई। इस बाबत रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सदैव देश के गरीब, वंचित और जरूरतमंद लोगों के हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है। आयुष्मान भारत योजना ने करोड़ों परिवारों को बेहतर स्वास्थ्य सुरक्षा प्रदान की है, वहीं प्रधानमंत्री राष्ट्रीय आपदा राहत कोष भी गंभीर बीमारियों से जूझ रहे आर्थिक रूप से कमजोर मरीजों के लिए जीवनदायी सहारा बन रहा है।

बोकारो स्टील प्लांट के एडियम बिल्डिंग गेट पर शव के साथ जाम, अनुकंपा नियोजन की मांग तेज

छह दिनों से शव मर्चरी में, एडियम बिल्डिंग गेट जाम

बिभा संवाददाता

बोकारो। बोकारो स्टील प्लांट के एडियम बिल्डिंग के मुख्य गेट पर बुधवार को बीएसएल कर्मी सुभाष चंद्र मोदी की मौत के विरोध में परिजन और स्थानीय लोगों ने जोरदार प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया कि पिछले छह दिनों से सुभाष चंद्र मोदी का शव मर्चरी में रखा हुआ है, लेकिन प्रबंधन की ओर से आश्रित को नियोजन (अनुकंपा नौकरी) को लेकर कोई स्पष्ट आश्वासन नहीं दिया गया। नाराज परिजनों और ग्रामीणों ने अउद्ध बिल्डिंग के मेन गेट को जाम कर दिया, जिससे आवागमन प्रभावित रहा और प्रशासन को मौके पर भारी संख्या में सुरक्षा बल तैनात करने पड़े।

परिजनों के अनुसार, बीएसएल कर्मी सुभाष चंद्र मोदी 30 जून को प्लांट में ड्यूटी के दौरान हादसे का शिकार हो गए, जब काम के दौरान उनके सिर में गंभीर चोट लगी। पहले उन्हें प्लांट मेडिकल में प्राथमिक उपचार के लिए ले जाया गया, इसके बाद हालत गंभीर होने पर अन्य अस्पतालों में रेफर किया गया जहां लंबा इलाज चला। इलाज के दौरान 17 जुलाई को उनकी मौत हो गई, जिसके बाद से शव मर्चरी में ही रखा हुआ है और परिजन नियोजन की मांग को लेकर आंदोलन की राह पर हैं।

परिजनों का आरोप है कि हादसा प्लांट परिसर में ड्यूटी के दौरान हुआ और वही चोट उनकी मौत का कारण बनी, इसलिए इसे औद्योगिक दुर्घटना मानते हुए आश्रित को जल्द से जल्द नौकरी दी जानी चाहिए। परिवार का कहना है कि इलाज के दौरान कई बार अस्पताल बदलना पड़ा और बेहतर उपचार के बावजूद सुभाष चंद्र मोदी को बचाया नहीं जा सका, अब कम से कम प्रबंधन को परिवार के भविष्य की जिम्मेदारी लेनी चाहिए। स्थानीय जनप्रतिनिधि भी प्रदर्शन में शामिल हुए और उन्होंने चेतावनी दी कि अगर शीघ्र निर्णय लेते हुए नियोजन नहीं दिया गया तो आंदोलन और उग्र होगा।

प्रदर्शनकारियों ने अउद्ध बिल्डिंग के मुख्य गेट पर नारेबाजी करते हुए कहा कि अनुकंपा नियुक्ति पर जल्द फैसला न होने पर वे प्लांट के सभी गेटों को जाम कर देंगे और बड़े पैमाने पर आंदोलन किया जाएगा।

स्थिति को देखते हुए प्रशासन और बीएसएल प्रबंधन ने अउद्ध बिल्डिंग के आसपास उक्ररऋऔर अन्य सुरक्षा बलों की तैनाती बढ़ा दी, ताकि किसी भी अप्रिय घटना को रोका जा सके और कर्मचारियों तथा अधिकारियों की आवाजाही नियंत्रित की जा सके। देर शाम तक परिजन शव को मर्चरी से नहीं उठाने पर अड़े रहे और नियोजन की लिखित घोषणा की मांग करते रहे।

सामाजिक प्रतिनिधियों और स्थानीय नेताओं ने बीएसएल प्रबंधन से पूरे मामले की जांच कर हादसे की जिम्मेदारी तय करने, परिवार के लिए मुआवजा और आश्रित को तत्काल नौकरी देने की मांग उठाई। उनका कहना है कि प्लांट में लगातार हो रहे हादसों पर सख्त सुरक्षा मानक लागू किए जाएं, ताकि भविष्य में किसी कर्मचारी की जान इस तरह जोखिम में न पड़े। प्रदर्शनकारियों ने स्पष्ट किया कि जब तक प्रबंधन ठोस कदम नहीं उठाता, तब तक आंदोलन अलग-अलग रूपों में जारी रहेगा।

जियाडा बोकारो प्रक्षेत्र की बैठक में औद्योगिक विकास एवं आधारभूत संरचना के सुदृढ़ीकरण पर हुई चर्चा

बिभा संवाददाता

बोकारो। जियाडा औद्योगिक क्षेत्र विकास प्राधिकरण, बोकारो प्रक्षेत्र की एक महत्वपूर्ण बैठक उपायुक्त, बोकारो सह क्षेत्रीय निदेशक, जियाडा बोकारो प्रक्षेत्र श्री अजय नाथ झा की अध्यक्षता में उनके कार्यालय कक्ष में आयोजित की गई। बैठक में बोकारो के विभिन्न औद्योगिक एवं व्यावसायिक संगठनों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया तथा अपने-अपने संगठनों की ओर से एजेंडा एवं सुझाव प्रस्तुत किए।

बैठक के दौरान सभी संगठनों के प्रतिनिधियों ने औद्योगिक क्षेत्र से संबंधित विभिन्न समस्याओं एवं उनके समाधान पर विस्तार से चर्चा की। प्रतिनिधियों ने औद्योगिक क्षेत्र की दूरसंचार संबंधी समस्याओं के समाधान के लिए बीएसएनएल के अधिकारियों के साथ एक अलग बैठक आयोजित कराने का अनुरोध किया।

बोकारो चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के महामंत्री राजकुमार जायसवाल ने औद्योगिक क्षेत्र की जर्जर आधारभूत संरचना पर विशेष ध्यान आकर्षित करते हुए सड़कों, नालियों, स्ट्रीट लाइट, जलापूर्ति व्यवस्था सहित अन्य मूलभूत सुविधाओं के पुनर्निर्माण एवं सुदृढ़ीकरण की मांग की। उन्होंने कहा कि उद्योगों के सुचारु संचालन एवं नए निवेश को आकर्षित करने के लिए आधारभूत सुविधाओं का बेहतर होना अत्यंत आवश्यक है।

बैठक में उपायुक्त सह क्षेत्रीय निदेशक श्री अजय नाथ झा ने सभी औद्योगिक संगठनों के प्रतिनिधियों को निर्देश दिया कि वे बीएसएल के साथ प्रस्तावित पीएलसी बैठक के लिए अपने-अपने संगठनों का विस्तृत एजेंडा शीघ्र उपलब्ध कराएं। साथ ही उन्होंने औद्योगिक क्षेत्र में प्रदूषण, रोजगार सृजन, यातायात प्रबंधन तथा अन्य प्रमुख समस्याओं एवं उनके समाधान संबंधी विस्तृत प्रतिवेदन 15 दिनों के भीतर प्रस्तुत करने का भी निर्देश दिया।

बैठक में जियाडा बोकारो के उपनिदेशक मनोज कुमार, सहायक विकास पदाधिकारी सनी कुमार, बोकारो चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज, उद्योग संकल्प, बोकारो लघु उद्योग भारती तथा एससी-एसटी उद्यमी विकास संघ के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

संक्षिप्त खबरें

खमारबेंदी: तालाब में डुबने से पिता-पुत्र की मौत

चास (बोकारो) (बिभा) : ग्राम पंचायत खमारबेंदी के निवासी रघु रजवार (आयु लगभग 34 वर्ष) तथा उनका पुत्र शिबू रजवार (आयु लगभग 7 वर्ष) की सोमवार को तालाब में डुबने से मौत हो गई। घटना से संबंधित सूचना मिलते ही स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे और आपदा से परिवार को ढाढ़स बंधाया, लेकिन तब तक दोनों की दम तोड़ चुकी थी। पुलिस तथा स्थानीय सूत्रों के अनुसार, मृतक पिता-पुत्र के साथ किन परिस्थितियों में तालाब में गए और कैसे डुब गए, इस बात का विस्तृत कारण अभी स्पष्ट नहीं हो पाया है। घटना के तुरंत बाद परिजनों की चीख-पुकार और गांववालों की आवाजाही शुरू हो गई। पूर्व प्रत्याशी और जेएलकेएम के स्थानीय नेता अर्जुन रजवार सहित उनके परिवारजन मौके पर पहुंचकर मृतक परिवार को सांत्वना दी और परिजनों का सहारा बने। परिजनों व आसपास के लोगों का रो-रोकर बुरा हाल बताया जा रहा है। घटना से पूरे गाँव में शोक की लहर दौड़ गई है। ग्रामीणों ने नियमों व सावधानियों का पालन करने के लिए एक-दूसरे से अपील की है और बच्चों को पानी के किनारे अकेला न छोड़ने की चेतावनी दी है। स्थानीय पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर आवश्यक कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है और आगे की जांच जारी है। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट के बाद ही मौत के कारणों का अधिक स्पष्ट निष्कर्ष सामने आएगा।

गुरु गोविंद सिंह पब्लिक स्कूल में युवा प्रबोधन कार्यक्रम का आयोजन

बोकारो (बिभा)। बोकारो महानगर में गुरु गोविंद सिंह पब्लिक स्कूल, चारा के बाबा दीप सिंह सभागार में बुधवार को युवा प्रबोधन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का मुख्य विषय था - विकसित भारत के निर्माण में नागरिक कर्तव्य और व के मंत्र की भूमिका। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में श्रीमान अभिजीत कुमार जी उपस्थित रहे, जिन्होंने युवाओं को संबोधित करते हुए राष्ट्र-निर्माण में नागरिक कर्तव्यों के महत्व पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि विकसित भारत के संकल्प को साकार करने के लिए प्रत्येक नागरिक को ◌स्व अर्थात आत्म-जागृति के भाव को आत्मसात करना होगा, तभी समाज और राष्ट्र राशक्त बन सकेंगे। कार्यक्रम में पाँच प्रमुख विषयों कुटुम्ब प्रबोधन, पर्यावरण, समरसता, 'ख' का भाव तथा नागरिक कर्तव्य - पर केंद्रित सामग्री प्रस्तुत की गई, जो व्यक्ति से लेकर समाज तक के दायित्वों को दशार्ती है। मंच पर एक संस्कृत श्लोक भी प्रदर्शित किया गया, जिसमें स्वदेशी व्रत, समाज के प्रति सम्भाव तथा कुटुम्ब एवं प्रकृति के प्रति कर्तव्य का संदेश निहित बैनर पर स्वामी विवेकानंद के चित्र भी अंकित थे, जो युवाओं में राष्ट्रीय चेतना और सेवा-भाव जागृत करने की प्रेरणा के प्रतीक रहे। कार्यक्रम में विद्यालय के शिक्षकों, छात्रों तथा गणमान्य नागरिकों की उपस्थिति रही।

सेंट मेरीज नर्सरी स्कूल, बोकारो में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया नेशनल मैंगो डे

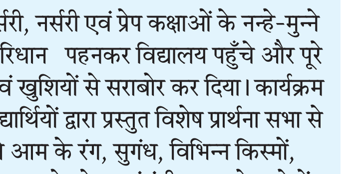

बोकारो(बिभा)। बुधवार को सेंट मेरीज नर्सरी स्कूल, बोकारो में नेशनल मैंगो डे बड़े उत्साह एवं आनंद के साथ मनाया गया। इस अवसर पर प्री-नर्सरी, नर्सरी एवं प्रेप कक्षाओं के नन्हे-मुन्ने बच्चे आकर्षक मैंगो थीम परिधान पहनकर विद्यालय पहुँचे और पूरे परिसर को आम की रंगत एवं खुशियों से सराबोर कर दिया। कार्यक्रम की शुरूआत प्रेप वर्ग के विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत विशेष प्रार्थना सभा से हुई। सभा के दौरान बच्चों ने आम के रंग, सुगंध, विभिन्न किस्मों, उससे बनने वाले उत्पादों तथा उसके पोषण संबंधी महत्व के बारे में रोचक जानकारी प्राप्त की। साथ ही बच्चों को पेड़ों के संरक्षण तथा पर्यावरण के प्रति अपनी जिम्मेदारियों का भी संदेश दिया गया। विद्यालय के प्रधानाचार्य रेवरेंड फादर डीनू एम. डैनियल ने बच्चों को संबोधित करते हुए आम के पौष्टिक गुणों, स्वास्थ्य के लिए उसकी उपयोगिता तथा फलों के महत्व के बारे में सरल एवं प्रेरणादायक शब्दों में जानकारी दी। उन्होंने बच्चों को प्रकृति से प्रेम करने और अधिक से अधिक वृक्ष लगाने के लिए प्रेरित किया। दिनभर कक्षाओं में बच्चों ने अपने-अपने टिफिन में विभिन्न प्रकार के स्वादिष्ट आम लाकर उनका आनंद लिया। शिक्षकों ने आम से जुड़ी अनेक मनोरंजक एवं ज्ञानवर्धक गतिविधियों के माध्यम से बच्चों की सीखने की प्रक्रिया को और भी रोचक एवं यादगार बनाया। रंग-बिरंगे परिधानों, उत्साहपूर्ण सहभागिता और रचनात्मक गतिविधियों से भरपूर नेशनल मैंगो डे का यह आयोजन बच्चों के लिए ज्ञान, आनंद और नई सीख का एक अविस्मरणीय अनुभव बन गया।

डीएवी सेक्टर-4 में राष्ट्रीय झंडा दिवस के अवसर पर देशभक्ति का संदेश--तिरंगे की शान देश की पहचान

बिभा संवाददाता

बोकारो। बुधवार को डीएवी सेक्टर-4, बोकारो स्टील सिटी में राष्ट्रीय झंडा दिवस के सुअवसर पर राष्ट्रभक्ति एवं राष्ट्रप्रेम की भावना से ओत-प्रोत विशेष प्रार्थना सभा का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विद्यालय के विद्यार्थियों एवं शिक्षकों ने राष्ट्रीय ध्वज के प्रति सम्मान, गौरव और समर्पण की भावना व्यक्त की।

कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों को राष्ट्रीय ध्वज के गौरवपूर्ण इतिहास, उसके महत्व तथा देश की एकता, अखंडता और संप्रभुता के प्रतीक के रूप में उसकी भूमिका से अवगत कराया गया। विद्यार्थियों ने तिरंगे के सम्मान और देश के प्रति अपने कर्तव्यों को समझते हुए राष्ट्रहित में सदैव योगदान देने का संकल्प लिया।

इस अवसर पर विद्यालय के प्राचार्य श्री एस. के. मिश्रा ने अपने उद्बोधन में कहा, हमारा राष्ट्रीय ध्वज केवल तीन रंगों से बना एक ध्वज नहीं, बल्कि यह भारत की गौरवशाली विरासत, विविधता में एकता, साहस, शांति और प्रगति का प्रतीक है। तिरंगा हमें सदैव यह प्रेरणा देता है कि हम अपने राष्ट्र के प्रति निष्ठावान रहें और अपने कार्यों से देश की प्रतिष्ठा को ऊँचा उठाएँ। प्रत्येक नागरिक का यह दायित्व है कि वह राष्ट्रीय ध्वज का सम्मान करे और देश की एकता एवं अखंडता को मजबूत बनाने में अपना योगदान दे।

उन्होंने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि देशभक्ति केवल नारों और उत्सवों तक सीमित नहीं होनी चाहिए, बल्कि हमारे आचरण, अनुशासन, ईमानदारी और जिम्मेदार नागरिक बनने के संकल्प में भी दिखाई देनी चाहिए। उन्होंने सभी विद्यार्थियों से राष्ट्र के प्रति प्रेम, संविधान के मूल्यों के प्रति सम्मान तथा समाज और देश के प्रति अपने कर्तव्यों का ईमानदारी से निर्वहन करने का आह्वान किया।

कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने राष्ट्रीय ध्वज को फहराने से संबंधित जरूरी बातें एवं उसके सम्मान से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियां भी हासिल की। सभी विद्यार्थियों ने राष्ट्रीय ध्वज के प्रति सम्मान एवं राष्ट्र के गौरव को बनाए रखने के संकल्प लिया।

तुपकाडीह नहर रोड पर चलना हुआ मुशिकल

बिभा संवाददाता

बोकारो। तुपकाडीह से तेनू बोकारो नहर रोड होकर सेक्टर नाइन तक जाने वाली सड़क पर इनदिनों चलना मुश्किल हो गया है। लगभग पांच किमी पर स्तिथ बीएसएल के कूलिंग पोंड एक तक रोज छोटी बड़ी दुर्घटना होती रहती है। रोड के जर्जरावस्था का कारण इस पर चलने वाले भारी वाहन हैं जो रोज प्लांट के केनाल गेट से छाई और लोहे का कचरा लेकर निकलते हैं। लगभग दो दर्जन हाइवा डम्फर के चलने और कभी मरम्मती नहीं होने के कारण रोड में बन आए बड़े बड़े गडढों के कारण रोजाना प्लांट में काम करने वाले मजदूर व गमनागमन करने वाले परेशान हो रहे हैं। इनदिनों रह रह कर हो रही बारिश के कारण रोड जानलेवा साबित हो रहा है। विस्थापितों के हितैषी बिक्रम कुमार ने बोकारो विधायक और धनबाद सांसद ढुलू महतो से इस रोड को बनाने की मांग की है।

संयुक्त किसान मोर्चा ने निकाला आक्रोश रैली, सौंपा मांग पत्र

बिभा संवाददाता

बोकारो। बुधवार को संयुक्त किसान मोर्चा के बैनर तले चासझधर्मशाला मोड़ से बोकारो उपायुक्त कार्यालय तक सैकड़ों किसानों और मजदूरों ने आक्रोश रैली निकाली, जो उपायुक्त कार्यालय के पास सभा में बदल गई। सभा की अध्यक्षता झारखंड क्रांतिकारी मजदूर यूनियन के महासचिव डी.सी. गोहाई ने की। आयोजकों ने कहा कि भारतझअमेरिका मुक्त व्यापार समझौता किसानों और मजदूरों के हित में नहीं है और इससे कृषि भूमि व स्थानीय उत्पादन को भारी नुकसान होगा। सभा में चासझचन्दनकियारी इलाके में त्रुटिपूर्ण नए सर्वे-सेटलमेंट रद्द करने की भी मांग उठी।

ऑल इंडिया किसान खेत मजदूर संगठन के राज्य सचिव कुमुद महतो ने बताया कि समझौते की आधिकारिक घोषणा अमेरिका के तत्कालीन राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने 6 फरवरी 2026 को की थी और इस जुलाई में उस पर हस्ताक्षर संभव है; इसके तहत कई अमेरिकी कृषि व औद्योगिक उत्पादों पर आयात शुल्क समाप्त या घटा दिए जाएंगे, जिससे स्थानीय किसान प्रभावित होंगे। किसान सभा के जिला अध्यक्ष विश्वनाथ बनर्जी ने कहा कि बिजली संशोधन विधेयक व निजीकरण व स्मार्ट मीटर लागू होने से ग्रामीण व घरेलू उपभोक्ताओं पर बिजली का बोझ बढ़ेगा।

सभासदों ने महिलाओं की स्थिति, बढ़ती महिला हिंसा और शराबबंदी की भी आवाज उठाई। रेखा महतो, नुनी वाला उरांव व अन्य वक्ताओं ने महिलाओं की सुरक्षा, समानता और शराब निषेध की मांग रखी। संयुक्त किसान मोर्चा चन्दनकियारी के संयोजक जगन्नाथ रजवार ने कहा कि सर्वे-सेटलमेंट में कई तकनीकी और जातिगत त्रुटियाँ हैं, जिनका निराकरण न होने से किसानों की जमीन व पहुंच प्रभावित हो रही है। सभा के अंत में प्रमुख वक्ताओं में डी.सी. गोहाई, हरिपद महतो, विश्वनाथ बनर्जी, नुनी वाला उरांव, रेखा महतो, गीता कुमारी,डॉ. गोपाल महतो, खगेन हॉसदा, बीरबल राय, बासुदेव गोप, महादेव शर्मा, झारु रजवार, राम लाल महतो, धिरेन महतो, शान्ति राम रजवार, अशोक महतो, बासुदेव महतो, राकेश कुमार महतो, अंकित कुम्भकार, राजु टुडू, ज्योति लाल महतो, राजु रजवार, हाबू लाल महतो, कमल प्रसाद महतो, विन्देश्वर महतो सहित पाँच सदस्यीय प्रतिनिधि मंडल ने उपायुक्त को 20 सूत्रीय मांगपत्र सौंपा। रैली सभा में कई स्थानीय नेता और कार्यकर्ता मौजूद थे।

राष्ट्रीय समूह गान प्रतियोगिता एवं भारत को जानो कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर आम बैठक संपन्न

बिभा संवाददाता

बोकारो। भारत विकास परिषद, बोकारो दक्षिण शाखा की आम बैठक को-ऑपरेटिव कॉलोनी स्थित आरडब्ल्यूए हॉल में शाखा अध्यक्ष अनीता सिन्हा की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक का मुख्य उद्देश्य परिषद के आगामी कार्यक्रमों, विशेषकर राष्ट्रीय समूह गान प्रतियोगिता एवं भारत को जानो प्रतियोगिता के सफल आयोजन की रूपरेखा तैयार करना तथा उनके लिए संयोजकों का चयन करना था।

कार्यक्रम का शुभारंभ भारत माता एवं स्वामी विवेकानंद के छायाचित्र पर दीप प्रज्वलन एवं पुष्पांजलि अर्पित कर किया गया। इस अवसर पर अध्यक्ष अनीता सिन्हा, पूर्व अध्यक्ष ललित वर्मा एवं अन्य वरिष्ठ सदस्यों ने सहभागिता निभाई। तत्पश्चात सभी सदस्यों ने सामूहिक रूप से 'वंदे मातरम' का गायन कर राष्ट्रभक्ति का संदेश दिया। अपने उद्घाटन संबोधन में शाखा अध्यक्ष अनीता सिन्हा ने परिषद के उद्देश्य, शाखा की अब तक की गतिविधियों तथा सेवा, संस्कार एवं समर्पण की भावना से किए जा रहे कार्यों की जानकारी दी। उन्होंने विशेष रूप से भारत विकास परिषद के स्थापना दिवस 10 जुलाई 2026 के अवसर पर आयोजित वृक्षारोपण कार्यक्रम का उल्लेख करते हुए इसे पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल बताया। स्थापना दिवस के अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए शाखा के पूर्व अध्यक्ष ललित वर्मा ने परिषद की गौरवशाली परंपरा पर प्रकाश डाला तथा परिषद के संस्थापक व्यक्तित्व डॉ. सूरज प्रकाश के बहुआयामी योगदान एवं परिषद के विभिन्न सेवा, संस्कार, स्वास्थ्य, शिक्षा एवं सामाजिक प्रकल्पों के महत्व पर विस्तार से चर्चा की।

बैठक के दौरान आगामी कार्यक्रमों के सफल संचालन हेतु सर्वसम्मति से राष्ट्रीय समूह गान प्रतियोगिता के संयोजक के रूप में अगस्त कुमार तथा भारत को जानो प्रतियोगिता के संयोजक के रूप में श्री आर. के. कर्ण का चयन किया गया। दोनों संयोजकों का उपस्थित सदस्यों ने तालियों की गड़गड़ाहट के साथ स्वागत एवं अभिनंदन करते हुए सर्वसम्मति से अनुमोदन किया। शाखा के संस्कार प्रमुख श्री अनुप कुमार ने विगत वर्षों में आयोजित राष्ट्रीय समूह गान प्रतियोगिता एवं ह्यभारत को जानोह्न प्रतियोगिता की तैयारियों, आयोजन प्रक्रिया तथा क्रमिक कार्यों की विस्तृत जानकारी प्रस्तुत की। वहीं प्रांतीय संस्कार प्रमुख बी. वी. दास ने इन दोनों कार्यक्रमों के सफल आयोजन हेतु प्रांतीय स्तर की अपेक्षाओं, मानकों एवं आवश्यक तैयारियों से सदस्यों को अवगत कराया।

बीएसएल में महिला अधिकारियों के लिए विशेष नेतृत्व विकास कार्यक्रम 'तन्मात्रा' का शुभारंभ

बिभा संवाददाता

बोकारो। बोकारो इस्पात संयंत्र में महिला अधिकारियों के नेतृत्व कौशल के समग्र विकास हेतु विशेष रूप से तैयार किए गए नेतृत्व विकास कार्यक्रम 'तन्मात्रा' का शुभारंभ किया गया। संस्कृत शब्द 'तन्मात्रा' से प्रेरित इस कार्यक्रम का उद्देश्य महिला अधिकारियों को भविष्य की चुनौतियों के अनुरूप सक्षम, प्रभावी एवं दूरदर्शी नेतृत्व के लिए तैयार करना है। बोकारो इस्पात संयंत्र के लर्निंग एंड डेवलपमेंट विभाग द्वारा परिकल्पित इस पहल का लक्ष्य महिला अधिकारियों का एक सशक्त, प्रेरक एवं दीर्घकालिक नेतृत्व नेटवर्क विकसित करना है, जिससे भविष्य के नेतृत्व को नई दिशा मिले तथा संयंत्र में समावेशी, नवोन्मेषी एवं भविष्योन्मुख नेतृत्व संस्कृति को और अधिक सुदृढ़ बनाया जा सके। कार्यक्रम के प्रथम बैच में ई-4 से ई-7 ग्रेड की 30 महिला अधिकारियों का चयन उनके संबंधित विभागाध्यक्षों द्वारा नामांकन के माध्यम से किया गया है। लगभग 90 दिनों की अवधि में संचालित होने वाले इस कार्यक्रम को आठ विषयगत मॉड्यूलों में विभाजित किया गया है। इन मॉड्यूलों में संयंत्र संचालन, वित्तीय एवं वाणिज्यिक प्रबंधन, सामग्री प्रबंधन, कार्य-जीवन संतुलन, विभिन्न संयंत्रों का अध्ययन, गवर्नेंस, डिजिटल परिवर्तन तथा परियोजना प्रबंधन जैसे महत्वपूर्ण विषयों को शामिल किया गया है। कार्यक्रम के सफल संचालन हेतु ऑल इंडिया मैनेजमेंट एसोसिएशन (एआईएमए), मैनेजमेंट ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट (एमटीआई), रांची, आईआईएम रांची तथा बीएसएल के अनुभवी विषय विशेषज्ञ प्रशिक्षण सहयोगी के रूप में अपनी विशेषज्ञता प्रदान करेंगे। कार्यक्रम के अंतर्गत प्रतिभागियों का मूल्यांकन दो चरणों में किया जाएगा। प्रथम चरण में प्रत्येक मॉड्यूल के आधार पर सतत मूल्यांकन किया जाएगा, जबकि अंतिम चरण में प्रतिभागियों द्वारा प्रस्तुत केस स्टडी का आकलन अधिशासी निदेशक (मानव संसाधन) की अध्यक्षता में गठित वरिष्ठ मूल्यांकन समिति द्वारा किया जाएगा। कार्यक्रम का समापन 'स्नातक एवं सम्मान समारोह' के साथ होगा, जिसमें उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली प्रतिभागियों को सम्मानित किया जाएगा।

प्रखंड कार्यालय के बीडीओ के आवास के किचन में रसेल वाइपर मिलने से हड़कंप

बिभा संवाददाता

बेरमो (बोकारो) : प्रखंड विकास पदाधिकारी (बीडीओ) मुकेश कुमार के सरकारी आवास के रसोईघर में बुधवार को जहरीला रसेल वाइपर सांप मिलने से कुछ देर के लिए हड़कंप मच गया। घटना के समय बीडीओ कुछ ही देर पहले उसी किचन से बाहर निकले थे, जिससे किसी प्रकार की अप्रिय घटना होने से बच गई।

पुलिस और ग्रामीण सूत्रों ने बताया कि बीडीओ के ड्राइवर ने किचन में सांप देखा और तुरंत इसकी जानकारी मुकेश कुमार को दी। सूचना मिलने पर आसपास के लोगों को हटाकर, प्रशिक्षित कर्मियों की मदद से सांप को सुरक्षित तरीके से पकड़ा गया और आबादी से दूर किसी सुरक्षित स्थान पर छोड़ दिया गया। इस दौरान किसी भी व्यक्ति को चोट नहीं आई।

स्थानीय लोगों ने बताया कि बीडीओ के आवास परिसर में पहले भी करैत (क्रेट) जैसे जहरीले सांप निकलने की घटनाएं सामने आ चुकी हैं। लगातार ऐसे जहरीले सांपों का आवास में मिलना वहां की साफ-सफाई और सुरक्षा व्यवस्था पर प्रश्नचिन्ह उठाने लगा है। कई लोगों ने आवास परिसर और आसपास के खेतों में साफ-सफाई व नियमित निगरानी कराने की मांग की है, ताकि भविष्य में किसी बड़ी दुर्घटना को टाला जा सके प्रखंड प्रशासन ने कहा है कि आवास परिसर की निगरानी और साफ-सफाई को और सख्त किया जाएगा तथा आवश्यकता पड़ने पर पेशेवर वन विभाग एवं सांप पकड़ने वाली टीमों की सहायता ली जाएगी। स्थानीय लोगों ने भी आवास के आसपास अनावश्यक कचरा व झाड़ियों को हटाने का आग्रह किया है ताकि सांपों का आवास घटाया जा सके।

हजारीबाग की सड़क परियोजनाओं को लेकर नितिन गडकरी से मिले सांसद मनीष जायसवाल

केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी से मुलाकात कर ब्लैक स्पॉट, चरही फ्लाईओवर, रिंग रोड और नए राष्ट्रीय राजमार्ग सहित पांच अहम प्रस्तावों पर की चर्चा

बिभा संवाददाता

हजारीबाग : हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र में सड़क अवसंरचना को सुदृढ़ बनाने और बेहतर कनेक्टिविटी सुनिश्चित करने की दिशा में सांसद मनीष जायसवाल ने बुधवार को नई दिल्ली में केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी से मुलाकात की। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी से मुलाकात कर ब्लैक स्पॉट, चरही फ्लाईओवर, रिंग रोड और नए राष्ट्रीय राजमार्ग सहित पांच अहम प्रस्तावों पर की चर्चा राष्ट्रीय राजमार्गों से जुड़ी कई महत्वपूर्ण परियोजनाओं पर विस्तृत चर्चा हुई। सांसद ने सड़क सुरक्षा, यातायात सुविधा और क्षेत्र के समग्र विकास से जुड़े पांच प्रमुख प्रस्ताव मंत्री के समक्ष रखे, जिन पर सकारात्मक पहल हुई। मुलाकात में एनएच-33 स्थित चुटुपालु घाटी, चौपारण-बाराचट्टी मार्ग के दनुवा-बनुवा तथा चरही घाटी के ब्लैक स्पॉट्स के स्थायी समाधान पर विस्तार से चर्चा हुई। वर्तमान में इन स्थानों पर अस्थायी सुरक्षा उपाय किए जा रहे हैं। मंत्री ने बताया कि स्थायी समाधान की स्वीकृति मिलने के बाद शीघ्र टेंडर प्रक्रिया शुरू की जाएगी। सांसद ने चरही के घाटो मोड़ पर लगातार हो रही दुर्घटनाओं का मुद्दा उठाते हुए फ्लाईओवर निर्माण की मांग की। इस पर केंद्रीय मंत्री ने संबंधित विभाग को विस्तृत परियोजना प्रतिवेदन (डीपीआर) तैयार करने का निर्देश दिया। मुलाकात में कारगिल पेट्रोल पंप से बड़कागांव, केरेडारी, टंडवा, कल्याणपुर, पिपरवार, डकरा, खलारी होते हुए बिजूपाड़ा तक जाने वाले राज्य मार्ग-7 को राष्ट्रीय राजमार्ग घोषित करने का प्रस्ताव भी प्रमुखता से रखा गया। सांसद ने कहा कि इससे कोयला एवं औद्योगिक क्षेत्र को बेहतर सड़क संपर्क मिलेगा, परिवहन सुगम होगा तथा दुर्घटनाओं में कमी आएगी। करीब 26 किलोमीटर लंबी प्रस्तावित हजारीबाग रिंग रोड परियोजना पर भी विस्तार से चर्चा हुई। यह रिंग रोड सिलवार से सलगा तक शहर को बाईपास करते हुए गुजरेगी, जिससे शहर के भीतर भारी वाहनों का दबाव कम होगा और यातायात व्यवस्था में सुधार आएगा। फिलहाल यह प्रस्ताव राज्य सरकार के स्तर पर लंबित है। इसके अलावा एनएच-522 पर सलगा से चतरा तक प्रस्तावित सड़क निर्माण की समीक्षा भी की गई। इस परियोजना के लिए भी केंद्रीय मंत्री ने संबंधित विभाग को डीपीआर तैयार करने का निर्देश दिया। सांसद मनीष जायसवाल ने कहा कि हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के विकास के लिए मजबूत सड़क नेटवर्क अत्यंत आवश्यक है। बेहतर सड़क संपर्क से व्यापार, उद्योग, शिक्षा, स्वास्थ्य और पर्यटन को नई गति मिलेगी। क्षेत्र की हर महत्वपूर्ण सड़क परियोजना को जल्द धरातल पर उतारने के लिए मैं लगातार केंद्र सरकार के समक्ष प्रयास कर रहा हूं। मेरा उद्देश्य है कि हजारीबाग को सुरक्षित, आधुनिक और बेहतर सड़क सुविधाओं से जोड़कर विकास की नई दिशा दी जाए।

जमशेदपुर के केनरा बैंक में 1.10 करोड़ का गबन, केस

जमशेदपुरः जमशेदपुर के आजादनगर के बामनगोड़ा स्थित केनरा बैंक के कबीर मेमोरियल ब्रांच में 1.10 करोड़ के गबन का मामला सामने आया है। मामला सामने आने के बाद बैंक के बिष्टुपुर स्थित रीजनल कार्यालय के एम रामानाथन के बयान पर आजादनगर थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई गई है। प्राथमिकी में बैंक के पूर्व सीनियर मैनेजर मो. शारिब, गोल्ड लोन ऑफिसर इमरान खान, प्रोब ऑफिसर रिया घोष, सूरज टुडू और तत्कालीन ब्रांच मैनेजर अनुज टोप्पो को आरोपी बनाया गया है। शिकायत में बताया गया कि बैंक से गोल्ड लोन के नाम पर 12 जून 2024 से 18 जून 2024 के बीच कुल एक करोड़ 10 लाख 48 हजार रुपये का गबन किया गया है। बैंक की ऑडिट में यह गबन सामने आया, जिसके बाद मामला थाना पहुंचा। इधर, मामले को लेकर आजादनगर थाना प्रभारी चंदन कुमार ने बताया कि बैंक की ओर से शिकायत मिली है। मामले में बैंककर्मियों से पूछताछ भी की गई है। पुलिस आगे की कार्रवाई कर रही है।

विशेष गहन पुनरीक्षण के कार्यों का अपर मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने किया निरीक्षण

बिभा संवाददाता

हजारीबाग : विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर)-2026 के तहत संचालित कार्यों की प्रगति का जायजा लेने के उद्देश्य से अपर मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी सुबोध कुमार ने नगर निगम क्षेत्र के विभिन्न मतदान केंद्रों का निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान उन्होंने मत्स्य विभाग परिसर, इंदिरा गांधी बालिका विद्यालय, केबी हाई स्कूल,कोर्रा एवं दीपगढ़ा स्थित मतदान केंद्रों का भ्रमण कर एसआईआर-2026 के अंतर्गत संचालित कार्यों की समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने बूथ लेवल ऑफिसर एवं सुपरवाइजरों द्वारा प्रपत्रों के वितरण, प्रपत्रों की प्राप्ति, डिजिटाइजेशन की प्रगति तथा एएसडीडी सूची की अद्यतन स्थिति का विस्तृत अवलोकन किया। अपर मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने सभी बीएलओ, सुपरवाइजर एवं संलग्न कर्मियों को निर्देश दिया कि वे बीएलए-2 के साथ बैठक सुनिश्चित करें तथा विशेष गहन पुनरीक्षण के कार्यों को निर्धारित समयसीमा के भीतर गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूर्ण करें। उन्होंने सभी बीएलओ को निर्देशित किया कि प्रपत्रों के वितरण एवं प्राप्ति की अद्यतन जानकारी, डिजिटाइजेशन की प्रगति, मृत्यु, डुप्लीकेट एवं स्थानांतरण से संबंधित मामलों का पृथक एवं विस्तृत प्रतिवेदन तैयार करें। साथ ही एएसडीडी सूची का शीघ्र संकलन एवं अद्यतन करने के निर्देश भी दिए। निरीक्षण के दौरान सदर अनुमंडल पदाधिकारी श्री आदित्य पांडेय, उप निर्वाचन पदाधिकारी श्रीमती वेदवंती कुमारी, सहायक नगर आयुक्त सहित निर्वाचन कार्य से जुड़े संबंधित अधिकारी एवं कर्मी उपस्थित रहे।

संक्षिप्त खबरें

21 दिन बाद खुला भाई की हत्या का राज, खेत से मिला कंकाल; जमीन विवाद में सगे भाई ने उतारा था मौत के घाट

लातेहार/चंदवा(बिभा): लातेहार जिले के चंदवा थाना क्षेत्र के बोदा पंचायत स्थित चिरो गांव में 21 दिनों से लापता व्यक्ति की हत्या का सनसनीखेज खुलासा हुआ है। खेत से बरामद कंकाल की पहचान 40 वर्षीय दयाल टोपनो के रूप में हुई है। पुलिस ने मामले में मृतक के सगे भाई पास्कल टोपनो को गिरफ्तार कर लिया है, जिसने पूछताछ में हत्या की बात स्वीकार कर ली।जानकारी के अनुसार ग्रामीणों ने खेत के पास कुत्तों के झुंड को मिट्टी खोदते देखा। पास जाकर देखने पर मानव हड्डियां दिखाई दीं, जिसके बाद चंदवा थाना पुलिस को सूचना दी गई। थाना प्रभारी अशोक कुमार सिंह के नेतृत्व में पुलिस मौके पर पहुंची और खुदाई कराई, जिसमें जमीन में दफन कंकाल बरामद हुआ। कंकाल निकालने के दौरान मौके पर मौजूद मृतक का भाई पास्कल टोपनो अचानक भागने लगा। उसके इस व्यवहार से पुलिस को संदेह हुआ। पीछा कर उसे पकड़ लिया गया। पूछताछ में उसने बताया कि जमीन विवाद और घरेलू झगड़े के कारण एक जुलाई को शराब पीने के दौरान दोनों भाइयों में विवाद हुआ था। गुस्से में उसने लोहे के संभल से वार कर दयाल की हत्या कर दी और शव को घर से करीब आधा किलोमीटर दूर खेत में दफना दिया।दयाल टोपनो अविवाहित था। परिजनों को लगा कि वह कहीं बाहर चला गया है, इसलिए उसकी गुमशुदगी को गंभीरता से नहीं लिया गया। करीब 21 दिन बाद कुत्तों द्वारा मिट्टी खोदने से हड्डियां बाहर आने पर हत्या का राज खुल गया।थाना प्रभारी अशोक कुमार सिंह ने बताया कि आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। मामले की जांच जारी है और आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

अनियंत्रित स्कॉर्पियो घर में घुसी, महिला व चालक की दर्दनाक मौत, कई गंभीर घायल

लातेहार/चंदवा(बिभा)। थाना क्षेत्र के दामोदर गांव के समीप बुधवार की देर शाम एक भीषण सड़क दुर्घटना में तेज रफ्तार स्कॉर्पियो अनियंत्रित होकर सड़क किनारे स्थित एक घर में जा घुसी। हादसे में घर के बाहर मौजूद राखी देवी एवं स्कॉर्पियो चालक अरविंद कुमार की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। वहीं ललिता देवी, रेनू देवी, खुशबू, सूरज, सरिता समेत दो अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद स्थानीय लोगों की मदद से सभी घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) चंदवा पहुंचाया गया। जहां चिकित्सकों ने राखी देवी और चालक अरविंद कुमार को मृत घोषित कर दिया। अन्य गंभीर घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए रिम्स, रांची रेफर कर दिया गया। दुर्घटना के बाद सीएचसी चंदवा में एंबुलेंस की कमी भी देखने को मिली, जिससे घायलों को रेफर करने में परेशानी हुई। सूचना मिलते ही बीडीओ चंदन कुमार, अँचल अधिकारी सुमित कुमार झा,उप प्रमुख अश्विनी मिश्रा,चंदवा पुलिस सहित कई जनप्रतिनिधि एवं प्रबुद्धजन अस्पताल पहुंचे और घायलों की स्थिति की जानकारी ली।

एसआईआर अभियान की जमीनी हकीकत जानने विभिन्न मतदान केंद्रों पर पहुंचे आलोक कुमार दूबे

लोहरदगा(बिभा)। झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महासचिव सह लोहरदगा जिला प्रभारी आलोक कुमार दूबे ने बुधवार 22 जुलाई को विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान के तहत कुड़ू प्रखंड के विभिन्न मतदान केंद्रों का दौरा कर मतदाता सूची पुनरीक्षण कार्य की प्रगति का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने मतदान केंद्रों पर आयोजित मतदाता जागरूकता एवं प्रशिक्षण पाठशालाओं में भाग लेकर संबंधित बीएलओ से मतदाता सूची के अद्यतन कार्य की विस्तृत जानकारी प्राप्त की। निरीक्षण के क्रम में उन्होंने राजकीय बुनियादी विद्यालय कुड़ू के बूथ संख्या 135, 136 एवं 137, पंचायत सचिवालय कुड़ू पूर्वी क्षेत्र के बूथ संख्या 142, पंचायत सचिवालय कुड़ू पश्चिमी क्षेत्र के बूथ संख्या 141, राजकीयकृत बालिका मध्य विद्यालय टाकु के बूथ संख्या 139 एवं 140, राजकीयकृत उत्क्रमित उर्दू कन्या मध्य विद्यालय सुंदरु के बूथ संख्या 90 एवं 91, राजकीय प्राथमिक विद्यालय कड़ाक के बूथ संख्या 96 एवं 97 तथा राजकीयकृत उत्क्रमित बुनियादी उच्च विद्यालय चिरी के बूथ संख्या 94 एवं 95 का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने बीएलओ से डुप्लीकेट एवं मल्टीपल दर्ज मतदाताओं, मृत मतदाताओं, लापता एवं अनुपस्थित मतदाताओं तथा स्थानांतरित मतदाताओं की अद्यतन स्थिति की जानकारी ली और मतदाता सूची पुनरीक्षण कार्य की समीक्षा की। इस मौके पर आलोक कुमार दूबे ने कहा कि लोहरदगा जिले में एसआईआर प्रक्रिया संतोषजनक ढंग से चल रही है। बीएलओ पूरी गंभीरता, पारदर्शिता और जिम्मेदारी के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि 29 जुलाई तक एन्यूमरेशन फॉर्म जमा कराने का महत्वपूर्ण कार्य पूरा किया जाना है और उन्हें पूरा विश्वास है कि लोहरदगा जिला इस लक्ष्य को शत-प्रतिशत सफलता के साथ पूरा कर राज्य के लिए मॉडल बनेगा।

हजारीबाग में प्रमंडल स्तरीय हजारीबाग खेल महोत्सव का भव्य आयोजन 27 से 29 अगस्त तक

बिभा संवाददाता

हजारीबागः उपायुक्त हेमन्त सती की अध्यक्षता में बुधवार को समाहरणालय सभागार में जिले के विभिन्न खेल संघों के प्रतिनिधियों के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिले में खेल संस्कृति को बढ़ावा देने, प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को बेहतर अवसर उपलब्ध कराने तथा हजारीबाग को खेल के क्षेत्र में अग्रणी बनाने के उद्देश्य से उपायुक्त ने ॅहजारीबाग खेल महोत्सवॅ आयोजित करने का प्रस्ताव रखा। उपायुक्त के इस प्रस्ताव का सभी खेल संघों के प्रतिनिधियों ने सर्वसम्मति से स्वागत करते हुए अपनी सहमति प्रदान की।

बैठक में विचार-विमर्श के उपरांत सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर आगामी 27, 28 एवं 29 अगस्त 2026 को प्रमंडल स्तरीय ॅहजारीबाग खेल महोत्सवॅ का भव्य आयोजन किया जाएगा। महोत्सव का आयोजन ओलंपिक संघ, हजारीबाग के तत्वावधान में होगा, जिसमें जिले के सभी खेल संघ सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करेंगे।

खेल महोत्सव के दौरान फुटबॉल, हॉकी, वॉलीबॉल, कराटे, शूटिंग, ताइक्वांडो, लॉन टेनिस, तीरंदाजी, एथलेटिक्स सहित विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाएगा। प्रतियोगिताओं में बच्चों सहित सभी आयु वर्ग के खिलाड़ी भाग ले सकेंगे।

बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि खेल महोत्सव में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले विजेता प्रतिभागियों को नगद पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया जाएगा।

उपायुक्त श्री हेमन्त सती ने जिला खेल पदाधिकारी को निर्देश दिया कि खेल महोत्सव में भाग लेने वाले खिलाड़ियों के ठहरने, भोजन, पेयजल तथा अन्य सभी आवश्यक व्यवस्थाएं समय पर सुनिश्चित की जाएं, ताकि प्रतिभागियों को किसी प्रकार की असुविधा न हो।

उपायुक्त ने कहा कि प्रमंडल के अंतर्गत आने वाले सभी जिलों के उपायुक्तों को हजारीबाग खेल महोत्सव का आमंत्रण भेजा जाएगा तथा उनसे अपने-अपने जिलों के खिलाड़ियों की अधिकतम सहभागिता सुनिश्चित करने का अनुरोध किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इस आयोजन से क्षेत्र के खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का उत्कृष्ट अवसर मिलेगा तथा खेलों के प्रति युवाओं का उत्साह और बढ़ेगा।

बैठक के दौरान उपायुक्त ने संबंधित पदाधिकारियों को स्केटिंग रिंक की मरम्मत एवं उसे उपयोग योग्य बनाने के निर्देश दिए। साथ ही बास्केटबॉल कोर्ट को भी शीघ्र दुरुस्त कराने के लिए आवश्यक कार्रवाई करने को कहा।

बैठक में जिला खेल पदाधिकारी, विभिन्न खेल संघों के प्रतिनिधि एवं अन्य संबंधित पदाधिकारी एवं कर्मी उपस्थित थे।

हजारीबाग में खाद्य सुरक्षा विभाग की छापेमारी, कई होटलों में मिली अनियमितताएं

बिभा संवाददाता

हजारीबागः हजारीबाग खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम ने बुधवार को लक्ष्मी सिनेमा हॉल के आसपास स्थित विभिन्न होटल एवं मिठाई दुकानों में सघन जांच अभियान चलाया। जांच के दौरान कई प्रतिष्ठानों में खाद्य सुरक्षा मानकों का उल्लंघन और कई प्रकार की अनियमितताएं सामने आईं।

निरीक्षण के दौरान टीम ने विशेष रूप से खाद्य पदार्थों में कृत्रिम फूड कलर के उपयोग को लेकर होटल संचालकों को जागरूक किया। विभागीय अधिकारियों ने बताया कि निर्धारित मानकों के अनुरूप ही फूड कलर का उपयोग किया जाना चाहिए, अन्यथा यह उपभोक्ताओं के स्वास्थ्य के लिए हानिकारक हो सकता है।जांच के दौरान कुछ मिठाई दुकानों में ऐसे खाद्य उत्पाद भी मिले, जिन पर निर्माण तिथि और एक्सपायरी डेट अंकित नहीं थी। अधिकारियों ने इसे खाद्य सुरक्षा नियमों का उल्लंघन बताते हुए संबंधित दुकानदारों को फटकार लगाई और आवश्यक निर्देश दिए।खाद्य सुरक्षा विभाग ने होटल एवं दुकान संचालकों को स्वच्छता बनाए रखने, गुणवत्तापूर्ण खाद्य सामग्री का उपयोग करने तथा सभी खाद्य उत्पादों पर निर्धारित लेबल और एक्सपायरी डेट अंकित करने का निर्देश दिया। विभाग ने स्पष्ट किया कि भविष्य में भी ऐसे अभियान लगातार जारी रहेंगे और नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

उपायुक्त ने सदर अस्पताल गुमला का किया औचक निरीक्षण

गुमलाः उपायुक्त दिलेश्वर महत्तो ने बुधवार को सदर अस्पताल, गुमला का औचक निरीक्षण कर अस्पताल परिसर में उपलब्ध स्वास्थ्य सुविधाओं, उपचार व्यवस्था एवं साफ-सफाई की स्थिति का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने विभिन्न वार्डों एवं विभागों का भ्रमण करते हुए संबंधित अधिकारियों एवं स्वास्थ्य कर्मियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। निरीक्षण के क्रम में उपायुक्त ने सर्वप्रथम डिलीवरी रूम का निरीक्षण कर वहां उपलब्ध सुविधाओं एवं प्रसव सेवाओं की जानकारी प्राप्त की। इसके पश्चात उन्होंने महिला वार्ड का निरीक्षण किया तथा पीलिया से पीड़ित एक वहां एडमिट मरीज से भी मुलाकात कर उनके स्वास्थ्य की जानकारी ली। उपायुक्त ने चिकित्सकों को इमरजेंसी मरीजों के समुचित उपचार सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उपायुक्त ने महिला वार्ड का भी निरीक्षण किया। इसके अलावा शिशु रोग विभाग पहुंचकर उन्होंने विशेषज्ञ चिकित्सकों से बच्चों के स्वास्थ्य एवं उपचार व्यवस्था के संबंध में विस्तृत जानकारी प्राप्त की। निरीक्षण के दौरान शिशु वार्ड में मरीजों की संख्या अधिक पाई गई, जिस पर उपायुक्त ने आवश्यक व्यवस्थाएं सुदृढ़ करने के निर्देश दिए।

कांग्रेस विधायक दल के उपनेता राजेश कच्छप और जिला प्रभारी राजीव रंजन प्रसाद का स्वागत

बिभा संवाददाता

हजारीबागः हजारीबाग परिसदन भवन में हजारीबाग जिला कांग्रेस कमेटी के प्रवक्ता मनोज नारायण भगत ने झारखंड विधान सभा के विधायक दल के उपनेता राजेश कच्छप एवं प्रदेश कांग्रेस महासचिव सह हजारीबाग जिला प्रभारी राजीव रंजन प्रसाद का पुष्पगुच्छ भेंटकर गर्मजोशी से आत्मीय स्वागत किया। इस दौरान हजारीबाग जिला संगठन की मजबूती, आगामी रणनीतियों तथा एसआईआर से जुड़े महत्वपूर्ण एवं जनहित के विषयों पर विस्तार से गंभीर चर्चा हुई। लोकसभा प्रभारी एवं जिला प्रभारी ने संगठन को और अधिक सक्रिय बनाने तथा जनता से जुड़े मुद्दों पर प्रखरता से आवाज उठाने के दिशा-निर्देश दिए। इस अवसर पर मुख्य रूप से उपस्थित गणमान्य नेता अशोक देव पूर्व प्रत्याशी, बरकट्ठा विधानसभा, सहकारिता के जिला अध्यक्ष कृष्णा किशोर प्रसाद, रॉकी सिन्हा कार्यक्रम के अंत में उपस्थित सभी नेताओं व कार्यकर्ताओं ने एक स्वर में संगठन को जमीनी स्तर पर और अधिक मजबूत करने तथा जनता के हक और अधिकारों की लड़ाई को मजबूती से लड़ने का संकल्प लिया।

आईसेक्ट विश्वविद्यालय के कैंपस प्लेसमेंट में चार विद्यार्थियों का चयन

बिभा संवाददाता

हजारीबाग। आईसेक्ट विश्वविद्यालय, हजारीबाग के परिसर में आयोजित कैंपस प्लेसमेंट ड्राइव में चार विद्यार्थियों का चयन प्रतिष्ठित कंपनी व्हाट्स टूल बिजनेस में हुआ है। विश्वविद्यालय के ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल की पहल पर आयोजित इस प्लेसमेंट अभियान में विद्यार्थियों ने उत्साह के साथ भाग लिया और अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

कंपनी के सीईओ सुजीत मेहता, एचआर हर्ष कुमार सहित अन्य प्रतिनिधियों ने लिखित मूल्यांकन, संवाद कौशल एवं तकनीकी दक्षता सहित विभिन्न चरणों के माध्यम से अभ्यर्थियों का आकलन किया। चयन प्रक्रिया पूरी होने के बाद चार विद्यार्थियों ने अंतिम सूची में स्थान बनाया। इनमें दो विद्यार्थियों रौशन गुप्ता व रवि कुमार का चयन बिजनेस डेवलपमेंट एक्जीक्यूटिव और अन्य दो विद्यार्थियों आलोक कुमार व अमित यादव का चयन अकाउंट मैनेजर टेक सपोर्ट एण्ड रिटेन्शन पद के लिए किया गया है।

विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ गौरव शुक्ला ने चयनित विद्यार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि आईसेक्ट विश्वविद्यालय का उद्देश्य केवल डिग्री प्रदान करना नहीं, बल्कि विद्यार्थियों को उद्योगों की आवश्यकताओं के अनुरूप दक्ष बनाकर उन्हें बेहतर रोजगार उपलब्ध कराना है।

कुलसचिव डॉ मुनीष गोविंद ने कहा कि विश्वविद्यालय विद्यार्थियों के समग्र विकास पर विशेष ध्यान देता है। नियमित प्रशिक्षण, व्यक्तित्व विकास कार्यक्रम और उद्योग विशेषज्ञों के साथ संवाद के कारण विद्यार्थियों में आत्मविश्वास बढ़ा है, जिसका परिणाम इस प्लेसमेंट ड्राइव में देखने को मिला।

वहीं समकुलपति डॉ एसआर रथ ने कहा कि आज के प्रतिस्पर्धी दौर में रोजगारोन्मुख शिक्षा समय की आवश्यकता है। विश्वविद्यालय विद्यार्थियों को केवल शैक्षणिक ज्ञान ही नहीं, बल्कि व्यावहारिक कौशल और कॉरपोरेट संस्कृति से भी जोड़ रहा है।

विश्वविद्यालय के ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट अधिकारी मनोज कुमार व सहायक अधिकारी रमेश अभिषेक ने बताया कि भविष्य में भी विद्यार्थियों को अधिक से अधिक रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से विभिन्न कंपनियों के सहयोग से कैंपस प्लेसमेंट ड्राइव और इंडस्ट्री-इंटरैक्शन कार्यक्रम लगातार आयोजित किए जाएंगे।

एएसडीडी सूची को अंतिम रूप देकर राजनीतिक दलों के साथ साझा करें, डिजिटाइजेशन दो दिनों में करें पूर्ण : उपायुक्त

बिभा संवाददाता

लोहरदगा। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार चल रहे विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर)-2026 के तहत बुधवार को 72-लोहरदगा विधानसभा क्षेत्र के सभी 324 मतदान केंद्रों पर बीएलओ-बीएलए-2 की तीसरी बैठक एवं चुनाव पाठशाला का आयोजन किया गया। इसी क्रम में जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-उपायुक्त संदीप कुमार मीना ने किस्को प्रखंड के मतदान केंद्र संख्या-35, 36, 37 एवं 38 में आयोजित बैठक एवं चुनाव पाठशाला में भाग लेकर कार्यों का अवलोकन किया तथा आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

उपायुक्त ने किस्को स्थित राजकीयकृत कन्या मध्य विद्यालय जनवल के मतदान केंद्र संख्या-35 (उत्तरी भाग) एवं 36 (दक्षिणी भाग) तथा राजकीयकृत मध्य विद्यालय किस्को के मतदान केंद्र संख्या-37 (उत्तरी भाग) एवं 38 (दक्षिणी भाग) में आयोजित बैठक में बीएलओ, बीएलए-2 एवं संबंधित पदाधिकारियों के साथ विशेष गहन पुनरीक्षण के विभिन्न बिंदुओं का अवलोकन किया।

बैठक का उद्देश्य बीएलओ एवं बीएलए-2 के समन्वय से एएसडीडी (अरउ्ळ) सूची को अंतिम रूप देना, प्राप्त गणना प्रपत्रों का संकलन एवं सत्यापन, एक परिवार के सभी पात्र मतदाताओं का एक ही मतदान केंद्र पर पंजीकरण सुनिश्चित करना तथा विदेश में निवासरत नागरिकों से प्राप्त गणना प्रपत्रों पर विचार-विमर्श कर संबंधित सूची निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी (ईआरओ)/सहायक निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी (एईआरओ) को उपलब्ध कराना था, ताकि कोई भी अपात्र व्यक्ति मतदाता सूची में सम्मिलित न हो।

उपायुक्त ने कहा कि आज एएसडीडी सूची को अंतिम रूप दिया जा रहा है। इसकी एक प्रति संबंधित राजनीतिक दलों के बीएलए-2 के साथ अनिवार्य रूप से साझा की जाए, ताकि पूरी प्रक्रिया पारदर्शी बनी रहे। उन्होंने कहा कि जिन मतदाताओं का नाम एएसडीडी सूची में रहेगा, उनका नाम 5 अगस्त 2026 को प्रकाशित होने वाली प्रारूप मतदाता सूची में शामिल नहीं किया जाएगा। इस संबंध में किसी प्रकार का संशय नहीं रहना चाहिए।

लोकतंत्र को सशक्त बनाने के लिए आगे आएं नागरिक : वार्ड पार्षद

बिभा संवाददाता

हजारीबागः मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान के तहत वार्ड संख्या 35 की वार्ड पार्षद अनामिका पासवान ने संबंधित बूथ पर आयोजित बैठक में भाग लेकर वार्डवासियों से अभियान में सक्रिय रूप से शामिल होने की अपील की। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र की मजबूती प्रत्येक नागरिक की भागीदारी पर निर्भर करती है और मतदाता सूची को त्रुटिरहित एवं अद्यतन बनाए रखने में सभी की महत्वपूर्ण भूमिका है।

बैठक के दौरान वार्ड पार्षद ने उपस्थित लोगों से आग्रह किया कि वे निर्धारित समय सीमा के भीतर एसआईआर प्रतिक्रिया प्रक्रिया पूरी करते हुए आवश्यक प्रपत्र अवश्य भरें। उन्होंने कहा कि यह केवल एक सरकारी प्रक्रिया नहीं, बल्कि प्रत्येक मतदाता का लोकतांत्रिक दायित्व है। समय पर प्रपत्र भरने से भविष्य में मतदान या मतदाता सूची से संबंधित किसी भी प्रकार की असुविधा से बचा जा सकता है। अनामिका पासवान ने कहा कि झारखंड में चल रहा यह विशेष अभियान मतदाता सूची को अधिक सटीक और पारदर्शी बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

युवा असंतोष : देखना है जोर कितना बाजु-ए-कातिल में है?

निर्मल रानी

छात्र युवा आंदोलन की यह चिंगारी अब शोला बन चुकी है। व्यवस्था से दुखी युवा अपने भविष्य की अनिश्चितताओं के चलते इस समय आर पार की लड़ाई लड़ने के लिये तैयार है और पूरे गुस्से में है। जंतर मंतर पर सत्ता के जुल्म के शिकार युवाओं के मुंह से अब हर तरफ यही सुनाई दे रहा है - सरफरोशी की तमन्ना अब हमारे दिल में है। देखना है जोर कितना बाजु -ए-कातिल में है?

देश का भविष्य, युवा शक्ति इन दिनों दिल्ली से लेकर देश के और भी कई नगरों महानगरों में सड़कों पर उतर चुका है। भारतीय जनता पार्टी के शासनकाल में यह पहला अवसर है जबकि सरकार को इतने व्यापक स्तर पर जन विरोध का सामना करना पड़ रहा है। युवाओं व छात्रों में उपजे इस तरह के राष्ट्रव्यापी असंतोष का मुख्य कारण यह है कि उन्हें अपना भविष्य अंधकारमय नजर आ रहा है। पिछले कुछ वर्षों में कथित रूप से 152 बार विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं के पेपर लीक होने की घटनायें हो चुकी हैं। इसके चलते लगभग 7.5 करोड़ छात्रों के भविष्य के लिये संकट खड़ा हो गया है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार वर्ष 2021 से 2026 के बीच नीट परीक्षा के दबाव,अनिश्चितताओं ,पेपर लीक मॉडल और व्यवस्था की नाकामी के चलते मानसिक तनाव में आकर देश में 90 से अधिक छात्र आत्महत्या कर चुके हैं। देश का युवा केंद्रीय शिक्षा मंत्री से इस्तीफे की मांग कर रहा है। परंतु फिलहाल तो ऐसा प्रतीत हो रहा है कि सरकार ने युवाओं की इस मांग को नकारने को ही अपनी प्रतिष्ठा का प्रश्न बना लिया है। यही वजह है कि पर्यावरणविद व सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक के लंबे अनशन के बावजूद सरकार ने उनकी मांगों पर कोई ध्यान नहीं दिया। नतीजतन जंतर मंतर से युवाओं का सैलाब गत 20 जुलाई को सत्र शुरूआत के पहले ही दिन संसद की ओर निकल पड़ा।

इस पूरे घटनाक्रम के कई अलग अलग पहलू हैं। इनमें एक महत्वपूर्ण पहलू है सरकार का इन प्रदर्शनकारी युवाओं,छात्रों व आंदोलन से निपटने का तरीका। याद कीजिये जब तीन कृषि कानूनों के विरुद्ध दिल्ली की सीमाओं पर 26 नवंबर 2020 से 9 दिसंबर 2021 तक ऐतिहासिक किसान आंदोलन 380 दिनों तक चला था उस समय भी इसी भाजपा सरकार ने आंदोलन को कुचलने के लिये तरह तरह के हथकंडे अपनाये थे। उसे भी पाकिस्तान, माओवादी,खालिस्तानी समर्थक आंदोलन बताया गया था। आंदोलन की फंडिंग पर सवाल खड़ा किया गया था,किसान दिल्ली न पहुँचने पाएं इसके लिये सड़कों पर कीलें बिछाई गयी थीं,कई जगह पक्की दीवारें बनाकर आंदोलन को कमजोर करने की कोशिश हुई थी। परन्तु अन्नदाता कहाँ दबने वाले थे। आखिरकार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 19 नवंबर 2021 को तीनों कृषि कानूनों को वापस लेने का आधिकारिक ऐलान किया। और किसानों ने तीनों काले कृषि कानूनों को वापस करवाकर ही दम लिया। इस तरह के किसान विरोधी प्रोपेगेंडा में तब भी मीडिया ने सत्ता के पक्ष में बड़ी भूमिका निभाई थी और आज भी वही सत्ता परस्त चाटुकार मीडिया छात्रों व युवा शक्ति के इस आंदोलन में ठीक वैसी ही भूमिका निभा रहा है।

दिल्ली के जंतर-मंतर पर शिक्षा मंत्री के इस्तीफे और शिक्षा प्रणाली में सुधार को लेकर 28 जून 2026 से अनशन शुरू हुआ था। सोनम वांगचुक व छात्र संगठनों के नेतृत्व में चल रहा यह आंदोलन 34 दिन पूरे कर चुका है। एक तरफ तो देश की लगभग सभी विपक्षी पार्टियों का समर्थन इस आंदोलन को हासिल है तो दूसरी तरफ किसान आंदोलन की ही तरह इस आंदोलन को भी कमजोर व बदनाम करने की साजिश बिकाऊ मीडिया,सत्ता संचालित आई टी सेल व अंधभक्त ट्रोलर्स द्वारा की जा रही है। उदाहरण के तौर पर सोनम वांगचुक जोकि भारत के एक सुप्रसिद्ध इंजीनियर, शिक्षा सुधारक, पर्यावरणविद् और सामाजिक कार्यकर्ता हैं तथा अपने अनेक अनूठे आविष्कारों और जमीनी स्तर पर शिक्षा व पर्यावरण में क्रांतिकारी बदलाव लाने के लिए जाने जाते हैं, उनको चीनी एजेंट बताने की मुहिम छेड़ी गयी। वांगचुक को उनके कार्यों के लिए अब तक लगभग 15 से अधिक राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कार मिल चुके हैं, जिनमें प्रमुख रूप से एशिया का नोबेल पुरस्कार समझा जाने वाला रेमन मैग्सेसे पुरस्कार भी 2018 में मिल चुका है। वे लद्दाख को संविधान की छठी अनुसूची के तहत विशेष सुरक्षा प्रदान करने और पूर्ण राज्य का दर्जा दिलाने के लिए भी लेह में 21 दिनों का कड़ा अनशन कर चुके हैं और जेल भी जा चुके हैं। ऐसे प्रतिष्ठित समाजसेवी व्यक्ति को चीनी एजेंट के रूप में बदनाम करने का मकसद छात्र आंदोलन को बदनाम करना है।

बहरहाल जब सत्ता के यह हथकंडे कामयाब नहीं हुये तो छल,साजिश और दमन की नीति अपनाकर इस आंदोलन को कुचलने की कोशिश की गयी। 19 /20 जुलाई की रात जंतर मंतर पर धरना स्थल के बिल्कुल करीब पत्थरों से भरा एक ट्रक चुपके से लाकर खड़ा कर दिया गया। उसी के साथ एक टूटी फूटी वैन खड़ी कर दी गयी। जिसे आंदोलनकारी समर्थक सोशल मीडिया ने देर रात चेक कर उसकी वीडिओ वायरल कर दी और युवाओं को चेतावनी दे दी कि यह साजिश का हिस्सा है इससे सचेत रहें। उसके बाद जब युवाओं का जनसैलाब 20 जुलाई को अनियंत्रित होकर संसद की तरफ कूच करने लगा उसकी आड़ में जगह जगह पुलिस की जिस बर्बरता के भयावह दृश्य देखने को मिले उसने तो सत्ता की मंशा,क्रूरता व अहंकार को पूरी तरह से बेनकाब कर दिया। 100 से अधिक युवा पुलिस बर्बरता का शिकार हुये। पुलिस के साथ ही सादे लिबास में अनेक संदिग्ध लोग छात्रों,युवाओं यहां तक मासूम बच्चियां व बुजुर्गों पर भी बेरहमी से डंडे बरसाते दिखाई दिये। सिर्फ लाठी चार्ज ही नहीं किया गया बल्कि पानी की तेज धार और आंसू गैस के गोले भी दागे गये। इतना ही नहीं बल्कि संसद भवन के भीतर आधुनिक शस्त्रों से लैस कई पुलिस वाले प्रदर्शनकारियों की ओर निशाना साधे दिखाई दिये। गोया यदि प्रदर्शनकारी संसद भवन के भीतर आने की कोशिश करते तो उनका भारी नरसंहार संभव था। इस चित्र ने भी लोगों में भारी गुस्सा पैदा कर दिया। सत्ता के अहंकार और पुलिस जुल्म का नतीजा यह हुआ कि अपनी जायज मांगों को लेकर प्रदर्शन करने व इसके चलते शासन की यातना सहने वाले युवाओं के प्रति देश भर में समर्थन और बढ़ गया। देश भर से दिल्ली पहुंचे सैकड़ों ऐसे युवा व अभिभावक जंतर मन्त्र पर नजर आये जिन्होंने विमान अथवा ट्रेन से 20 जुलाई की शाम या रात का अपना घर वापसी का टिकट बुक करा रखा था उन्होंने युवाओं के समर्थन में व पुलिस व सत्ता के जुल्म से क्रोधित होकर अपने टिकट कैंसिल करा दिये और आर पार की लड़ाई लड़ने के लिये दिल्ली में ही रुकने का फैसला किया। अब जंतर मंतर पर युवाओं का सैलाब और बढ़ता जा रहा है। इस अहंकारी सत्ता ने रही सही कसर तब पूरी कर दी जब पुलिस ने नेता विपक्ष राहुल गांधी, प्रियंका गांधी,अखिलेश यादव सहित अनेक सांसदों व योगेंद्र यादव जैसे कई वरिष्ठ नेताओं को भी कुछ समय के लिये गिरफ़्तार कर लिया। बहरहाल छात्र युवा आंदोलन की यह चिंगारी अब शोला बन चुकी है। व्यवस्था से दुखी युवा अपने भविष्य की अनिश्चितताओं के चलते इस समय आर पार की लड़ाई लड़ने के लिये तैयार है और पूरे गुस्से में है। जंतर मंतर पर सत्ता के जुल्म के शिकार युवाओं के मुंह से अब हर तरफ यही सुनाई दे रहा है - सरफरोशी की तमन्ना अब हमारे दिल में है। देखना है जोर कितना बाजु -ए-कातिल में है?

संपादकीय

कचरे का संकट

यह हमारी व्यवस्था की विडंबना ही है कि सड़कों व सार्वजनिक स्थलों में पसरा कचरा हटाना हमारी प्राथमिकता नहीं बनता। यह कचरा केवल दिखने में ही बुरा नहीं लगता बल्कि कई तरह के रोगों को जन्म देकर सार्वजनिक संकट का कारक भी बन सकता है। दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति यह है कि हमारे समाज में सबसे महत्वपूर्ण सफाई का काम करने वाला वर्ग आर्थिक व सम्मान की दृष्टि से सबस ज्यादा उपेक्षित रहता है। कमोबेश पंजाब की सड़कों पर जमा कचरा यही संकट दर्शा रहा है। सफाई कर्मचारियों की हड़ताल के बीच घातक बीमारियां फैलने के खतरे को लेकर पंजाब और हरियाणा हाईकोर्ट की चेतावनी यह बताती है कि शहरी जीवन के लिये मूलभूत नागरिक सेवाएं कितनी महत्वपूर्ण हैं। खासकर मानसून के सीजन में यदि कचरा नहीं उठाया जाता तो स्थिति बेहद गंभीर हो जाती है। बारिश में इस कचरे के बहने से नालियां जाम हो जाती हैं। वहीं पानी के स्रोत भी दूषित हो सकते हैं। साथ ही मच्छर,चूहे व कीट-पतंगे पनपने से बीमारियों का खतरा बढ़ सकता है। ऐसे में हाईकोर्ट का राज्यभर की नागरिक संस्थाओं से रिपोर्ट मांगना और सरकार की जवाबदेही तय करना वक्त की जरूरत भी है। इसमें दो राय नहीं हो सकती कि नगर निकायों के अधिकारियों को जरूरी सेवाओं, विशेषकर लोगों की सेहत से सीधे जुड़ी सेवाओं के लिये आपातकालीन योजनाएं बनानी ही चाहिए। निस्संदेह, इस संकट को महज कानून व व्यवस्था के नजरिये से ही नहीं देखा जा सकता। निर्विवाद रूप से हमारे समाज में सफाई कर्मचारियों की बेहद महत्वपूर्ण भूमिका होती है, लेकिन इस अहम कार्य को हम अपेक्षित मान्यता नहीं देते। यह विडंबना ही है कि सफाई कर्मचारी लंबे समय से नौकरी की असुरक्षा, स्थायी होने में लगने वाली देरी, मिलने वाला कम वेतन और काम करने की खराब स्थितियों की शिकायत करते रहते हैं। शोचनीय स्थिति यह है तंत्र सफाई कर्मचारियों की मांगों को तब तक नजरअंदाज करता है, जब तक वे अपनी मांगों के समर्थन में सड़कों में नहीं उतर जाते। बहरहाल, इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता कि सफाई कर्मचारियों को उनका वाजिब हक मिलना चाहिए। लेकिन हड़ताल व स्वास्थ्य सेवाओं का ठप होना न तो लोगों के हित में है और न ही सफाईकर्मियों के हक में। भारत में हर रोज 1.7 लाख टन से ज्यादा ठोस कचरा विभिन्न नगरपालिकाओं के अंतर्गत पैदा होता है। लेकिन तीव्र गति से बढ़ते शहरीकरण के चलते नागरिक सेवाओं पर लगातार दबाव बढ़ रहा है। ऐसे में इस चुनौती के मुकाबले के लिये आधुनिक तकनीक के साथ प्रोफेशनल तरीके से ठोस कचरे का निस्तारण होना चाहिए। साथ ही जरूरी है कि पर्याप्त स्टाफ मिले, सफाई के आधुनिक उपकरण उपलब्ध कराये जाएं। इसके अलावा इस क्षेत्र में निरंतर निवेश बढ़ाया जाए। हमारे नीति-नियंताओं को सोचना चाहिए कि आपातकाल के समय की गई कोई भी कार्रवाई लंबी अवधि की योजना का विकल्प नहीं बन सकती।

चिंतन-मनन

अंतर्दृष्टि से अनुबंधित है ज्ञान

बुद्धि अच्छी चीज है, पर कोरी बौद्धिकता ही सब कुछ नहीं है। इससे व्यक्ति के जीवन में नीरसता और शुष्कता आती है। ज्ञान अंतर्दृष्टि से अनुबंधित है, इसलिए यह अपने साथ सरसता लाता है। ज्ञानी व्यक्तियों के लिए पुस्तकीय अध्ययन की विशेष अपेक्षा नहीं रहती। भगवान महावीर ने कब पढ़ी थीं पुस्तकेंट आचार्य भिक्षु, संत तुलसी, संत कबीर अदि जितने ज्ञानवान पुरुष हुए हैं, उनमें कोई भी पंडित नहीं थे। अंतर्दर्शन उनकी ज्ञानमयी चेतना की स्फुरणा करता था। इसके आधार पर ही उन्होंने गंभीर तत्वों का विश्लेषण किया। वे यदि पुस्तकों के आधार पर प्रतिबोध देते तो संसार को कोई नया दृष्टिकोण नहीं दे सकते थे।

एक बात और ज्ञातव्य है। विद्वान बहुत पढ़े-लिखे होते हैं, पर वे आज तक भी किसी ज्ञानी को पराजित नहीं कर सके। इंद्रभूति महापंडित थे। उनका पांडित्य विश्रुत था। पर वे भगवान महावीर की ज्ञान चेतना का अनुभव करते ही पराभूत हो गए। इतिहास ऐसे उदाहरणों से भरा पड़ा है। ज्ञान और बुद्धि की परस्पर कोई तुलना नहीं है। बुद्धि कुंड का पानी है और ज्ञान कुएं का पानी है। कुंड का पानी जितना है उतना ही रहता है। वर्षा होती है तो पानी थोड़ा बढ़ जाता है। इसी प्रकार अनुकूल सामग्री और पुरुषार्थ का योग होता है तो बुद्धि बढ़ जाती है। अन्यथा उसके विकास की कोई संभावना नहीं रहती। कुएं से जितना पानी निकाला जाता है, नीचे से और आता रहता है। वह कभी चुकता नहीं है, उसमें नए अनुभव जुड़ते जाते हैं। बुद्धि आवश्यक है किंतु उसके आधार पर कभी आत्म-दर्शन नहीं हो पाता। आत्म-दर्शन का पथ है ज्ञान। ज्ञान तब तक उपलब्ध नहीं होता जब तक ध्यान का अभ्यास न हो। जिस व्यक्ति को अंतर्दृष्टि का उद्घाटन करना है, ज्ञानी बनना है, उसे प्रेक्षाध्यान साधना का आलंबन स्वीकार करना होगा। ऐसा करके वह ज्ञान की श्रेष्ठता को प्रमाणित कर सकता है।

लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक: स्वराज, स्वाभिमान और राष्ट्रजागरण के महानायक

सुनील कुमार महला

स्वराज मेरा जन्मसिद्ध अधिकार है और मैं इसे लेकर रहूँगा। यह प्रसिद्ध उद्घोष महान स्वतंत्रता सेनानी, समाज सुधारक, राष्ट्रवादी नेता, प्रभावशाली वक्ता, लेखक, जन-जागरण के अग्रदूत, भारतीय संस्कृति और परंपराओं के समर्थक, युवाओं के प्रेरणास्रोत तथा पत्रकार लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक का है। प्रतिवर्ष 23 जुलाई को उनकी जयंती मनाई जाती है। यहाँ पाठकों को बताता चलूँ कि तिलक को भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन का जनक तथा लोकमान्य की उपाधि प्रदान की गई है। लोकमान्य का अर्थ है- जिसे जनता द्वारा मान्यता प्राप्त हो। तिलक की गिनती उन नेताओं में की जाती है जिन्होंने अंग्रेजों के विरुद्ध जनमत तैयार किया और लोगों को स्वतंत्रता के लिए संगठित किया।

पाठकों को बताता चलूं कि लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक का जन्म 23 जुलाई 1856 को महाराष्ट्र के रत्नागिरी में हुआ था। उनका पूरा नाम केशव गंगाधर तिलक था। उनके पिता गंगाधर रामचंद्र तिलक संस्कृत के विद्वान तथा शिक्षक थे तथा उनकी माता पार्वतीबाई धार्मिक प्रवृत्ति की महिला थीं। उन्होंने तिलक के व्यक्तित्व में नैतिकता, संस्कार तथा देशप्रेम के बीज बोए। जानकारी मिलती है कि जब तिलक लगभग 9 वर्ष के थे, तब उनकी माता का निधन हो गया था, जिसका उनके जीवन पर गहरा प्रभाव पड़ा। स्वतंत्रता सेनानी होने के साथ-साथ तिलक गणित और संस्कृत के अत्यंत मेधावी छात्र थे। उन्होंने अंग्रेजी शिक्षा के साथ-साथ भारतीय संस्कृति और राष्ट्रीय चेतना पर आधारित शिक्षा का समर्थन किया। वास्तव में सच तो यह है कि उन्होंने शिक्षा को राष्ट्र-जागरण का साधन माना और 1880 में पुणे में न्यू इंग्लिश स्कूल की स्थापना में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। खगोलशास्त्र और वेदों में भी उनकी गहरी रुचि थी। उन्होंने द आर्कटिक होम इन द वेदाज नामक पुस्तक लिखी, जिसमें वैदिक सभ्यता पर अपने विचार प्रस्तुत किए। केसरी (मराठी भाषा) तथा द मराठा (अंग्रेजी भाषा) जैसे प्रसिद्ध समाचार पत्रों की स्थापना भी उनके द्वारा की गई। वास्तव में इन समाचार पत्रों के माध्यम से तिलक ने भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन को वैचारिक शक्ति और जनसमर्थन प्रदान किया। केसरी के माध्यम से उन्होंने ब्रिटिश शासन की दमनकारी नीतियों की खुलकर आलोचना की तथा किसानों, मजदूरों और सामान्य जनता की समस्याओं को प्रमुखता से उठाया। इसके माध्यम से उन्होंने स्वदेशी, स्वराज और राष्ट्रीय एकता का संदेश जन-जन तक पहुँचाया। मराठी भाषा में होने के कारण यह सीधे आम लोगों की आवाज बन गया। वहीं द मराठा समाचार पत्र के माध्यम से उन्होंने शिक्षित भारतीयों तथा ब्रिटिश शासकों तक भारतीयों की भावनाएँ पहुँचाईं।इतना ही नहीं, तिलक ने सार्वजनिक गणेशोत्सव और शिवाजी महोत्सव की शुरूआत कर उन्हें सामाजिक एवं राष्ट्रीय एकता का माध्यम बनाया।

दरअसल, उन्होंने 1893 में गणेशोत्सव को सार्वजनिक रूप दिया ताकि लोग एकत्र होकर राष्ट्रीय मुद्दों पर चर्चा कर सकें और अंग्रेजों के विरुद्ध एकजुट हो सकें। इन आयोजनों ने स्वतंत्रता आंदोलन को जन-आंदोलन बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया।गौरतलब है कि 1908 में राजद्रोह के आरोप में तिलक को बर्मा (अब म्यांमार) के मांडले कारागार भेजा गया, जहाँ उन्होंने श्रीमद्भगवद्गीता रहस्य की रचना की। बहुत कम लोग जानते हैं कि ब्रिटिश लेखक वैलेंटाइन चिरोल ने उन्हें फादर ऑफ इंडियन अनरेस्ट अर्थात भारतीय अशांति का जनक कहा था।

वर्ष 1916 में तिलक ने होमरूल लीग की स्थापना की, जिसका उद्देश्य भारत को स्वशासन दिलाना था। यहाँ पाठकों को जानकारी देना चाहूँगा कि होमरूल आंदोलन का अर्थ है-अपने देश का शासन स्वयं चलाने का अधिकार। यह आंदोलन भारत को ब्रिटिश शासन के अधीन रहते हुए भी स्वशासन दिलाने के लिए शुरू किया गया था। तिलक ने महाराष्ट्र और मध्य भारत में तथा एनी बेसेंट ने मद्रास सहित अन्य क्षेत्रों में होमरूल लीग की स्थापना की। इस आंदोलन का उद्देश्य भारतीयों में राजनीतिक जागरूकता बढ़ाना और स्वराज की माँग को जन-जन तक पहुँचाना था। होमरूल आंदोलन ने देशभर में स्वतंत्रता की भावना को मजबूत किया और भारतीयों को यह विश्वास दिलाया कि वे स्वयं अपना शासन चलाने में सक्षम हैं। इस आंदोलन ने आगे चलकर महात्मा गांधी के नेतृत्व में होने वाले जन आंदोलनों के लिए मजबूत आधार तैयार किया। उल्लेखनीय है कि आप कांग्रेस के पहले जननेता माने जाते हैं और आपने विदेशी वस्तुओं के बहिष्कार का समर्थन किया। वास्तव में सच तो यह है कि लाला लाजपत राय, बाल गंगाधर तिलक और बिपिन चंद्र पाल की तिकड़ी ने स्वतंत्रता आंदोलन को नई ऊर्जा दी। बहुत कम लोग जानते हैं कि रूसी क्रांति के नेता व्लादिमीर लेनिन ने भी तिलक को भारत के महान क्रांतिकारी नेताओं में गिना था। यहां पाठकों को यह भी जानकारी देना चाहूंगा कि राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने उन्हें आधुनिक भारत का निमार्ता तथा भारत के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू ने उन्हें भारतीय क्रांति का जनक कहा था।रोचक तथ्य यह है कि तिलक ने अपने जीवनकाल में कभी कोई सरकारी पद प्राप्त करने की इच्छा नहीं जताई। उनका पूरा ध्यान राष्ट्र-जागरण, शिक्षा और स्वतंत्रता आंदोलन को मजबूत बनाने पर केंद्रित रहा।

अपने जीवन के अंतिम वर्षों में तिलक का स्वास्थ्य लगातार गिर रहा था। जुलाई 1920 में वे गंभीर रूप से बीमार पड़ गए। उन्हें मलेरिया और अन्य स्वास्थ्य संबंधी जटिलताओं ने घेर लिया था। उपचार के बावजूद उनकी स्थिति बिगड़ती गई और 1 अगस्त 1920 की मध्यरात्रि के बाद (लगभग 12:40 बजे) मुंबई (तत्कालीन बंबई), महाराष्ट्र में 64 वर्ष की आयु में उनका निधन हो गया।

अंत में यही कहूँगा कि लोकमान्य तिलक केवल एक स्वतंत्रता सेनानी नहीं थे, बल्कि पत्रकार, शिक्षाविद्, समाज सुधारक, संगठनकर्ता और राष्ट्रवादी चिंतक भी थे। उन्होंने भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन को जन-आंदोलन बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और आने वाली पीढ़ियों के लिए संघर्ष, स्वाभिमान और राष्ट्रभक्ति का आदर्श स्थापित किया।

(सुनील कुमार महला, फ्रीलांस राइटर, कॉलमिस्ट व युवा साहित्यकार।)

सींखचों में सिसक रहीं हैं अपने सुहाग का खून करने वाली विवाहिताएं

मनोज कुमार अग्रवाल

देश की बहुत सारी जेलों में अंधी वासना अवैध संबंध के चलते अपना सुहाग को उजाड़ने वाली कुलटाएं अपने कृत्यों के लिए दिनरात त्रासदी भुगत रहीं हैं। पश्चिम उत्तर प्रदेश के मेरठ जिला जेल में ही पिछले कुछ महीनों में सामने आए अवैध रिश्तों के ताने बाने में फंसकर अपने ही हाथों से अपने सुहाग को कत्ल कर जीवन को नरक में धकेलने की की कहानी दबी पड़ी हैं । हाल ही में सामने आई एक रिपोर्ट के अनुसार पश्चिम उत्तर प्रदेश के मेरठ चौधरी चरण सिंह जिला कारागार की बैरक नंबर 12ए में छह महिलाएं भी बंद हैं, जिन्होंने पराए संबंधों के मोह में अपने ही परिवार के खिलाफ घातक षड्यंत्र रच डाला। पांच जहां पति की हत्या की गुनहगार हैं, छठी ने अपनी कोख से जन्मे बेटे को ही मरवा दिया।

यूपी की सबसे पुरानी जेलों में शुमार मेरठ की जिला जेल में फिलहाल 67 महिला बंदी हैं, जिन्हें बैरक 12ए और 12बी में रखा गया है। पति को सांप से डसवाकर मरवाने वाली दामिनी को भी इसी बैरक में मुस्कान, अंजलि, रविता, कोमल और गुरप्रीत के साथ रखा गया है। जेल प्रशासन के अनुसार दामिनी फिलहाल किसी से बातचीत नहीं कर रही है। उसकी काउंसलिंग की तैयारी है। जेल अधीक्षक वीरेश राज शर्मा बताते हैं कि इन महिलाओं को एक ही बैरक में रखने का उद्देश्य यह है कि वे एक-दूसरे का सहारा बन सकें। अधिकांश को अपने किए पर पछतावा है।इन सबके भीतर जेल से बाहर आने की छटपटाहट है लेकिन भविष्य खत्म हो जाने का अहसास भी है। इन पति हंता महिलाओं से जब परिवार वाले बच्चों के साथ मिलने आते हैं तो उनका भावनात्मक संतुलन टूट जाता है। ऐसे समय में वे एक-दूसरे से कहती भी हैं कि उनकी बुद्धि भ्रष्ट हो गई थी , जो खुद ही अपनी गृहस्थी उजाड़ ली। सुबह सुंदरकांड के पाठ के बाद मुस्कान अपनी बेटी के साथ समय बिताती है, जबकि अंजलि, गुरुप्रीत, रविता और कोमल सिलाई-कढ़ाई में खुद को व्यस्त रखती हैं।

आपको बता दें मुस्कान रस्तोगी का नीला ड्रम कांड हो अथवा रविता और दामिनी..। सभी ने पति के रहते भी दूसरे युवकों से आशिकी का चक्कर चलाया प्यार के चक्कर में अपने पति का काम तमाम कर अपराध की अंधी राह पर जाकर खून से अपने हाथ रंग लिए। संगीता, अंजलि, कोमल और कविता की भी यही कहानी है।पति से भावनात्मक और जिस्मानी पूर्ति के बावजूद ये दूसरे आशिकों के साथ रंगरलियां मनाने की वासना भरी चाहत में ऐसी भटकी कि कुछ महिलाओं ने अपने ही सुहाग को मौत के घाट उतार दिया तो एक ने बेटे को ही मार दिया। जिन सपनों के लिए उन्होंने यह खतरनाक रास्ता अख्तियार किया, वे टूट चुके हैं। जेल में कोई सिलाई-कढ़ाई सीख रही तो कोई बच्चों को पढ़ा रही है।हर सुबह जेल में बजने वाले सुंदरकांड को सुन कर मन की शांति पाने की कोशिश करती है। जाने-अनजाने उन्होंने यह कदम उठा तो लिया लेकिन सलाखों के पीछे अब सिर्फ दर्द है, पछतावा है और बेबस सिसकियां भी। आपको पता होगा तीन मार्च 2025 की रात को ब्रह्मपुरी की रहने वाली मुस्कान रस्तागी ने प्रेमी साहिल शुक्ला के साथ मिलकर पति सौरभ राजपूत की हत्या कर दी थी। ड्रम के अंदर सीमेंट से शव को जमा दिया था। मुस्कान और साहिल अभी भी जेल की सलाखों के पीछे है। दोनों के मुकदमे में जल्द ही निर्णय भी आने वाला है। परीक्षितगढ़ थाना क्षेत्र के गांव अगवानपुर निवासी 28 वर्षीय राहुल से अंजलि के तीन बेटे हैं। इसके बावजूद अंजलि का दिल पड़ोसी अजय पर आ गया। राहुल खेती बाड़ी व पशुपालन करता था, जबकि अजय आवारा किस्म का था और मौजमस्ती करता था। अजय ही अंजलि को रास्ते में से पिकअप कर लेकर होटल पहुंच जाता था। राहुल इसका विरोध करता था। एक नंवबर 2025 रात आठ बजे अंजलि ने काल कर राहुल को गांव के बाहर मंदिर पर बुलाया। वहां पर अजय भी आ गया। तब अजय ने राहुल की तीन गोली मारकर हत्या कर दी।

मेरठ के बहसूमा के अकबरपुर सादात ने रविता ने 17 अप्रैल 2025 को प्रेमी प्रेमी अमरदीप के साथ मिलकर पति अमित की गला दबाकर हत्या कराई। उसके बाद सांप खरीद कर अमित के बिस्तर पर छोड़ दिया। उसके बाद सांप से काटने का नाटक रच दिया। पोस्टमार्टम में गला दबाकर हत्या आने के बाद पुलिस ने रविता और अमरदीप को जेल भेज दिया। दोनों फिलहाल जेल में बंद है।

वहीं चार अप्रैल को मेरठ जिला के परीक्षितगढ़ के अगवानपुर निवासी बीएसएफ जवान नैन सिंह की हत्या का पदार्फाश करते हुए पुलिस ने पत्नी को और मौसी के बेटे गुलशन समेत पांच आरोपितों को गिरफ्तार कर जेल भेजा। कोमल ने बहन के मंगेतर गुलशन के साथ मिलकर हत्या की पूरी पटकथा रची थी। छह लाख की सुपारी के लिए अपने आभूषण गिरवी रखकर रकम जुटाई थी। मोबाइल कॉल डिटेल से ही पुलिस गुलशन तक पहुंची थी।

मेरठ की ही युवती गुरप्रीत ने तो प्रेमी के चक्कर में फंसकर अपनी कोख को ही उजाड़ दिया है। 17 जून को मेरठ जिला के बहसूमा के सैफपुर फिरोजपुर निवासी गुरुप्रीत कौर ने प्रेमी मुजफ्फरनगर के मीरापुर निवासी अर्पित पराशर के साथ मिलकर सात साले के बेटे अंगदवीर की हस्तिनापुर ले जाकर हत्या करा दी। महिला पौने दो साल से पति से अलग रह रही थी, बेटे की हत्या से चार दिन पहले ही ससुराल लौटी थी। गुरुप्रीत और अर्पित पराशर भी जेल में है।

23 जून 2025 को मेरठ के जानी खुर्द के किसान सुभाष की हत्या उसकी पत्नी कविता और छोटी बेटी सोनम ने अपने प्रेमियों के साथ मिलकर कराई थी। बेटी के प्रेमी विपिन ने दोस्त अजगर उर्फ शिवम के साथ गोली मारकर हत्या की थी। मां बेटी समेत पांच आरोपितों को पुलिस ने जेल भेज दिया। कविता और सोनम जमानत पर जेल से छूट चुकी है।

28 फरवरी 2025 को जानी के गांव कुसैड़ी निवासी लोडर ऑपरेटर अजय कुमार की हत्या उसकी पत्नी संगीता ने ही प्रेमी अवनीश निवासी गाजियाबाद के संग मिलकर की है। अजय कुमार उर्फ बिटटू ताऊ के बेटे की शादी समारोह में शामिल होने के बाद लौट रहा था। तब रास्ते में अवनीश ने ईंट से कुचलकर मार डाला। संगीता जमानत पर जेल से छूट चुकी है।

यह समय की गति है या कलियुग का प्रभाव कि यूपी ही नहीं देश भर में प्रेम त्रिकोण विवाहेत्तर संबंध अंधी वासना और अवैध सम्बन्धों के चलते कई सौ विवाहिता युवतियां जेल की चारदीवारी में शून्य हो चुके भविष्य को तलाश रहीं हैं। कुछ तो जेल से बाहर निकल कर कहां ठिकाना होगा यह भी नहीं जानती क्योंकि उनके अपराध के कारण सामाजिक जिल्लत झेल रहे उनके मा बाप परिवार ने भी उनसे किनारा कर लिया है। सवाल फिर वही है ऐसा क्या है जो मुस्कान रविता गुलशन संगीता अंजली को उनके साथ सात फेरे लेने वाले पति नहीं दे पाए। संस्कार की कमी अवैध सम्बन्ध और विवाहेत्तर वासना की अंधी सुरंग हजारों विवाहित कपल्स के जीवन को कलंकित कर रही है। हमारे गौरवशाली समाज और संस्कृति में यौन शुचिता का विचार रहा है यही विचार है कि हिन्दुस्तान की नारी शक्ति का विश्व भर में विश्वास और सम्मान रहा है लेकिन पिछले एक दशक में भारतीय नारी समाज को कथित प्रगतिशीलता पुरुष समानता और स्वतंत्र जीवन शैली के नाम पर यौन स्वछंदता और अमर्यादित जीवन की ओर धकेलने की कोशिश की जा रही है नेटफलिक्स होट स्टार तमाम मीडिया पर भारतीय महिलाओं को कथित आधुनिकता के नाम पर अवैध सम्बन्धों वाले स्वछंद जीवन शैली की ओर प्रेरित किया जा रहा है। इसी का परिणाम है कि हजारों जीवन अपने राह से उतर कर अंधेरी सुरंग में जीवन का स्वर्णिम समय देने के लिए मजबूर हैं।

नैनीताल के पास बसा ये हिल स्टेशन जन्नत से नहीं है कम, खूबसूरत नजारे देख बन जाएगा आपका दिन

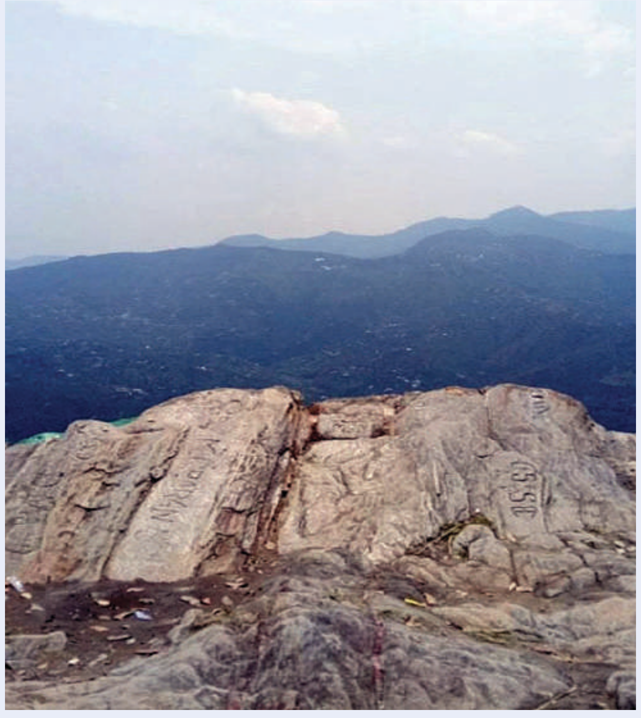

दिल्ली से करीब 300 किमी की दूरी पर नैनीताल स्थित है। जोकि उत्तराखंड का फेमस और खूबसूरत हिल स्टेशन है। गर्मी से लेकर मानसून के समय भी दिल्ली एनसीआर वाले नैनीताल में वीकेंड पर जाते हैं। नैनीताल अपनी खूबसूरती के लिए जाना जाता है। लेकिन जब पर्यटक नैनीताल मौज-मस्ती के लिए पहुंचते हैं, तो सिर्फ नैनीताल की फेमस जगहों को एक्सप्लोर करके चले जाते हैं। लेकिन यहां से काफी पास में स्थित मुक्तेश्वर जैसी अद्भुत जगह को एक्सप्लोर करना भूल जाते हैं। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको उत्तराखंड की हसीन वादियों में स्थित मुक्तेश्वर की खासियत से लेकर इसकी खूबसूरती और आसपास में स्थित कुछ बेहतरीन और शानदार जगहों के बारे में बताने जा रहे हैं।

उत्तराखंड में मुक्तेश्वर

मुक्तेश्वर नैनीताल जिले में स्थित एक खूबसूरत और मनमोहक गांव है। जोकि मुख्य शहर से करीब 48 किमी दूर है। हालांकि मुक्तेश्वर को कई लोग एक बेहद खूबसूरत हिल स्टेशन मानते हैं। यह अल्मोड़ा से करीब 42 किमी दूर स्थित है। वहीं भीमताल से यह जगह 42 किमी दूर है।

क्यों फेमस है मुक्तेश्वर

मुक्तेश्वर गांव उत्तराखंड की हसीन वादियों में स्थित है और कई खास चीजों के लिए फेमस है। मुक्तेश्वर सबसे ज्यादा मुक्तेश्वर मंदिर के लिए जाना जाता है। यह मंदिर भगवान शिव को समर्पित है। धार्मिक मान्यता के मुताबिक भगवान शंकर ने इस जगह एक राक्षस का वध किया था।

यहां की पौराणिक मान्यताओं के अलावा शांत और शुद्ध वातावरण के लिए जाना जाता है। मुक्तेश्वर, नैनीताल या फिर अल्मोड़ा की तुलना में कम भीड़-भाड़ वाली जगह है। यहां पर आप घने जंगल, बादलों से ढके ऊंचे-ऊंचे पहाड़, घास के मैदान और झील-झरने मुक्तेश्वर की खूबसूरती में चार चांद लगाने का काम करते हैं।

मुक्तेश्वर पर्यटकों के लिए है खास

पर्यटकों के लिए मुक्तेश्वर किसी जन्नत से कम नहीं है। खासकर यहां की प्राकृतिक सुंदरता पर्यटकों को सबसे ज्यादा आकर्षित करती है। यहां पर आपको नैनीताल से काफी कम भीड़ मिलेगी। इसलिए एकांत की तलाश करने वाले लोगों के लिए मुक्तेश्वर जन्नत से कम नहीं है।

आप यहां की खूबसूरती को निहारने के साथ ही एडवेंचर एक्टिविटी भी कर सकते हैं। मुक्तेश्वर की वादियों में रॉक क्लाइम्बिंग से लेकर रैपलिंग, कैंपिंग और ट्रेकिंग का लुत्फ उठा सकते हैं।

घूमने की बेस्ट जगहें

मुक्तेश्वर मंदिर

मुक्तेश्वर में पहुंचकर आप सबसे पहले मुक्तेश्वर मंदिर के दर्शन कर सकते हैं। जोकि भगवान शिव को समर्पित है। आप यहां पर ट्रेकिंग करके पहुंच सकते हैं।

चौली की जाली

चौली की जाली को नेचर लवर्स के लिए जन्नत माना जाता है। आप यहां से हिमालय की खूबसूरती को करीब से निहार सकते हैं।

भालू गढ़ वॉटरफॉल

मुक्तेश्वर से कुछ ही किमी की दूरी पर भालू गढ़ वॉटरफॉल एक फेमस पिकनिक स्पॉट है। बारिश के मौसम में इस वॉटरफॉल की खूबसूरती देखने लायक होती है।

ऐसे पहुंचे नैनीताल से मुक्तेश्वर

बता दें कि नैनीताल से मुक्तेश्वर पहुंचना बेहद आसान है। इसके लिए आप नैनीताल बस स्टैंड से टैक्सी या फिर कैब से पहुंच सकते हैं। इसके साथ ही आप रेंट पर स्कूटी लेकर भी मुक्तेश्वर पहुंच सकते हैं।

भीड़भाड़ से दूर इन ऑफबीट हिल स्टेशन पर बनाएं घूमने का प्लान, सुकून की तलाश भी होगी पूरी

शहरों की गर्मी और उमस से परेशान होकर लोग पहाड़ों का रुख कर रहे हैं। लेकिन इस समय मसूरी, ऋषिकेश और नैनीताल जैसे फेमस हिल स्टेशन के समय भारी ट्रैफिक और भीड़ से खचाखच भरे हैं। वीकेंड पर तो यहां का हाल और भी बुरा हो जाता है। क्योंकि हजारों की संख्या में लोग गर्मियों में यहां की ओर निकल पड़ते हैं। ऐसे में सवाल उठता है कि क्या आप पहाड़ों पर जाने पर भी क्या सुकून मिलेगा।

दिल्ली एनसीआर के लोगों के लिए मसूरी, नैनीताल और ऋषिकेश सस्ते और जल्दी पहुंचने वाले हिल स्टेशन हैं। लेकिन इन जगहों पर भारी ट्रैफिक और भीड़ मिलने के कारण लोगों की छुट्टियां का मजा किरकिरा हो रहा है। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको कुछ ऑफबीट डेस्टिनेशन के बारे में बताने जा रहे हैं। जोकि फेमस तो हैं, लेकिन यहां पर आपको भीड़भाड़ नहीं मिलेगी।

कौड़ियाला

अगर आप मसूरी के आसपास कोई शांत जगह ढूंढ रहे हैं, तो आप कौड़ियाला जा सकते हैं। ऋषिकेश से कौड़ियाला करीब 38 किमी दूर है। आपको यहां पर ऋषिकेश जैसा ट्रैफिक देखने को नहीं मिलेगा। आप यहां पर कैंपिंग कर सकते हैं और सुकून के कुछ पल बिता सकते हैं। पहाड़ों पर शांति का एहसास लेना एक अलग अनुभव है। इसलिए आपको ऐसी जगह पर जाने का प्लान बनाना चाहिए, जहां पर ज्यादा लोगों की भीड़ नहीं होती है।

देवप्रयाग

देवप्रयाग भी घूमने के लिहाज से एक अच्छी जगह है। मसूरी-नैनीताल और ऋषिकेश की भीड़ से बचने के लिए आप

देवप्रयाग में सुकून और शांति का एहसास ले सकते हैं। आप यहां पर सुबह-सुबह संगम स्थल पर पानी के किनारे बैठ सकते हैं। फिर यहां पर शाम की आरती में शामिल हो सकते हैं। वहीं देवप्रयाग के पास में स्थित धारी देवी के दर्शन के लिए जा सकते हैं।

भीमताल

अगर आप नैनीताल के आसपास कोई शांत जगह की तलाश कर रही हैं, तो भीमताल बेस्ट ऑप्शन हो सकता है। पहाड़ों पर घूमने का प्लान बना रहे लोगों को रास्ते में मिलने वाला ट्रैफिक परेशान कर सकता है। लेकिन भीमताल पहुंचने के बाद आपको सुकून का एहसास होगा। भले ही आपको घूमने के लिए यहां पर ज्यादा जगहें नहीं मिलेंगी। लेकिन भीड़ और ट्रैफिक से राहत मिलेगी। नैनीताल से भीमताल की दूरी करीब 24 किमी की दूरी स्थित है। यहां पर पहुंचने में करीब 1 घंटे का समय लगेगा।

मसूरी से 84 किमी दूर यह हिल स्टेशन प्रकृति प्रेमियों के लिए है स्वर्ग, आप भी प्लान करें ट्रिप

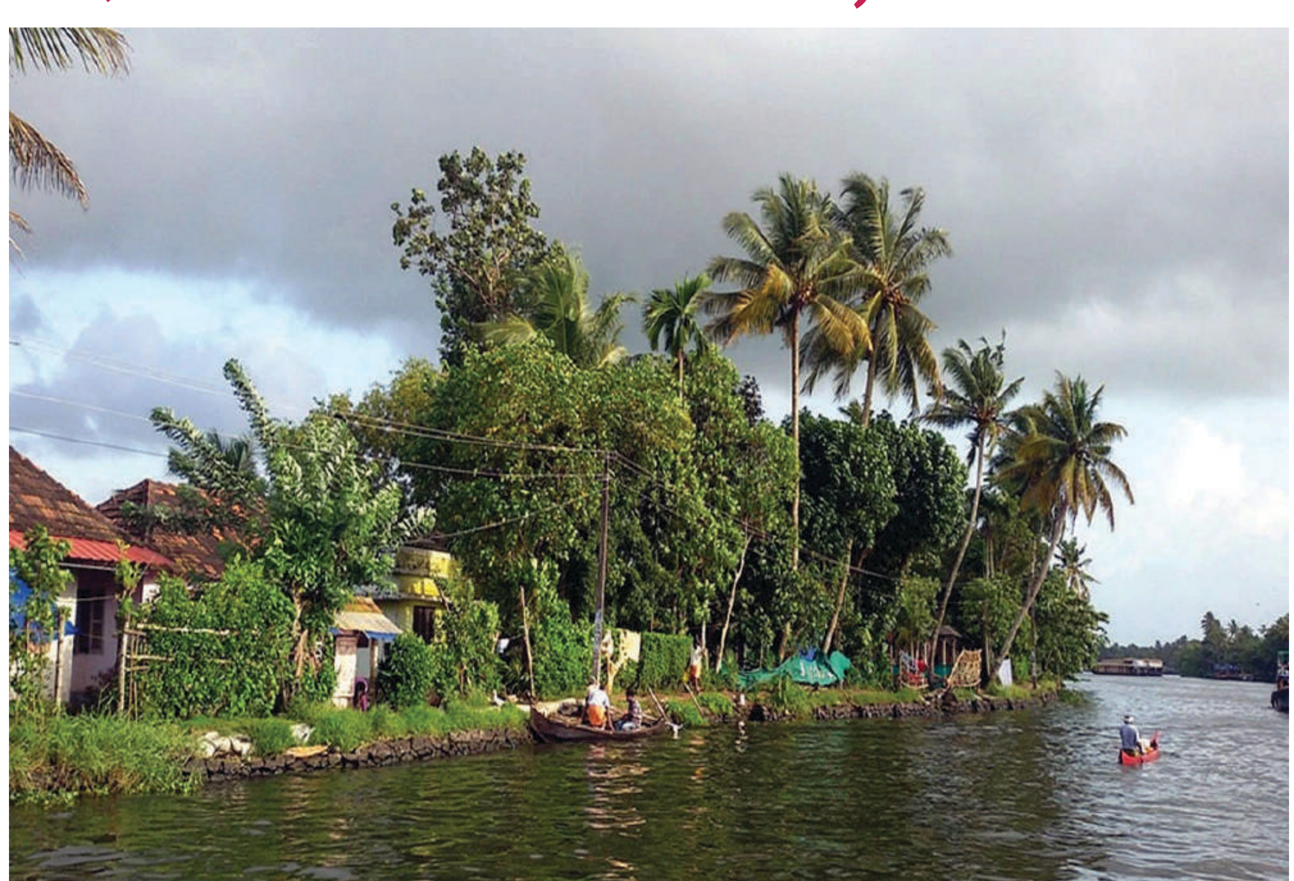

देहरादून से करीब 33 किमी दूर स्थित मसूरी उत्तराखंड का एक फेमस और खूबसूरत हिल स्टेशन है। दिल्ली एनसीआर से लेकर देश के अन्य कई राज्यों से भी पर्यटक मसूरी घूमने के लिए पहुंचते हैं। कुछ लोग मसूरी की कुछ फेमस जगहें हैप्पी वैली या धनौल्टी को एक्सप्लोर करते हैं। लेकिन 85 किमी दूर स्थित बरनीगढ़ जैसी बेहतरीन और अद्भुत जगह को भूल जाते हैं। ऐसे में अगर आप भी मसूरी जाने का प्लान कर रहे हैं, तो आपको बरनीगढ़ को जरूर एक्सप्लोर करना चाहिए। इसलिए आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बरनीगढ़ की खासियत से लेकर इसकी खूबसूरती और आसपास मौजूद कुछ खूबसूरत जगहों के बारे में बताने जा रहे हैं। आप चाहें को वीकेंड पर बरनीगढ़ को एक्सप्लोर कर सकते हैं।

कहां है बरनीगढ़

बरनीगढ़ की खासियत और इस जगह की खूबसूरती को जानने से पहले आपको बता दें कि इस जगह को कई लोग बर्नीगाड और बरनीगाड के नाम से भी जाना जाता है। यह उत्तराखंड के उत्तरकाशी जिले में पड़ता है। यह उत्तरकाशी जिले से करीब 32 किमी दूर है।

बरनीगढ़ मसूरी और चकराता हिल स्टेशन से लगभग 108 किमी, बड़कोट से 35 किमी और देहरादून से करीब 129 किमी दूरी पर स्थित है।

क्यों फेमस है बनीरगढ़

मसूरी और देहरादून की भीड़-भाड़ से दूर शांत बरनीगढ़ को शांत और मनमोहक वादियों के लिए जाना जाता है। यह उत्तरकाशी जिले का एक छिपा हुआ खजाना माना जाता है। मानसून में यहां की खूबसूरती देखने लायक होती है।

यहां पर घास के मैदान, बादलों से ढके ऊंचे-ऊंचे पहाड़, नदी और झरने आदि बरनीगढ़ की खूबसूरती को बढ़ाने का काम करते हैं। अपनी खूबसूरती के कारण यह जगह प्रकृति प्रेमियों के लिए स्वर्ग मानी जाती है। बरनीगढ़ उत्तराखंड की पारंपरिक लाइफस्टाइल के लिए जाना जाता है।

पर्यटकों के लिए खास है बरनीगढ़

यह जगह पर्यटकों के लिए कई चीजों के लिए फेमस माना जाता है। जो लोग मसूरी की भीड़ या ट्रैफिक आदि में नहीं फंसना चाहते हैं, तो उनके लिए बरनीगढ़ जन्नत की तरह माना जाता है। यह जगह अपने शांत और शुद्ध वातावरण के लिए भी जाना जाता है। बरनीगढ़ अपनी खूबसूरती के अलावा एडवेंचर प्रेमियों के लिए परफेक्ट माना जाता है। यहां पर आप हाइकिंग, ट्रेकिंग और कैम्पिंग का लुत्फ उठा सकते हैं। साथ ही आप बरनीगढ़ में यादगार फोटोग्राफी भी कर सकते हैं।

आसपास घूमने की जगहें

आप बरनीगढ़ में पांडव निर्मित प्राचीन शिव मंदिर के साथ बरनीगढ़ व्यू पॉइंट देख सकती हैं। बरनीगढ़ के आसपास आप खाबला गांव, लाखा मंडल मंदिर, नौवगांव, कलोगी गांव और देवल व्यू पॉइंट जैसी बेहतरीन और शानदार जगहों को एक्सप्लोर कर सकती हैं।

ऐसे पहुंचे मसूरी से बरनीगढ़

बता दें कि मसूरी से बरनीगढ़ पहुंचना काफी आसान है। आप मसूरी में गांधी चौक से कैब या टैक्सी लेकर जा सकती हैं। या आप चौक से स्कूटी रेंट पर लेकर बरनीगढ़ पहुंच सकती हैं। स्कूटी का प्रतिदिन का किराया 500 रुपए के आसपास होता है।

दिल्ली से 400 किमी दूर यह हिल स्टेशन स्वर्ग से नहीं है कम, वीकेंड पर बनाएं ट्रिप का प्लान

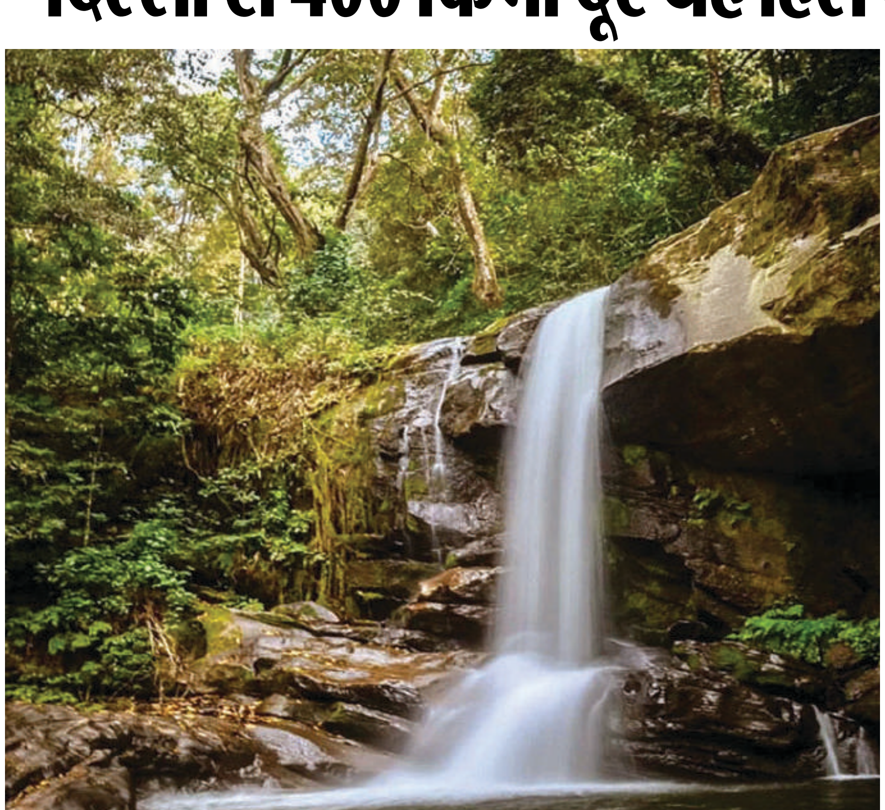

जब भी लोग हिल स्टेशन की बात करते हैं, तो शिमला, मसूरी और मनाली जैसे नाम जहन में आते हैं। लेकिन इन जगहों पर पर्यटकों की भीड़ होती है, ऐसे में अगर आप शांत और प्राकृतिक खूबसूरती की तलाश में हैं, तो हिमाचल प्रदेश की कम जानी-पहचानी लेकिन बेमिसाल जगह बरोट घाटी घूमने के लिए जा सकते हैं। दिल्ली से बरोट घाटी की दूरी करीब 400 किमी है। यह जगह इतनी शांत, हरी-भरी और सूरम्य है कि आप यहां पर पहुंचकर कहेंगे कि यह असली स्वर्ग है।

बरोट घाटी में बहुत शांति है और यहां का नजारा बेहद सुंदर, प्रकृति के करीब और झरनों की आवाज से भरी है। यहां पर इंटरनेट और मोबाइल नेटवर्क सीमित है। जिससे आप रिलैक्स कर सकते हैं। यहां के सस्ते होमस्टे, सादगी भरे और हिमाचली संस्कृति से जुड़े होते हैं। आप सिर्फ दो दिन के वीकेंड ट्रिप पर हिमाचल प्रदेश के बरोट घाटी को एक्सप्लोर कर सकते हैं।

कहां है बरोट घाटी

बता दें कि हिमाचल प्रदेश के मंडी जिले में बरोट घाटी स्थित है। इसको %मिनी स्विटजरलैंड% भी कहा जाता है। हालांकि यह एक ऑफबीट डेस्टिनेशन है। जो कि घने देवदार के जंगल, झरने, उहल नदी और ट्रेकिंग ट्रेल्स के लिए जाना जाता है। यहां पर घूमने के सबसे अच्छा समय मार्च से जून और सर्दियों में अक्तूबर से नवंबर के बीच होता है।

ऐसे पहुंचे बरोट घाटी

राजधानी दिल्ली से बरोट घाटी की दूरी करीब 400-450 किमी है। हालांकि यहां पहुंचना सस्ता, आसान और एडवेंचर से भरा है। यहां आने के लिए ट्रेन या बस से पठानकोट या फिर जोगिंदरनगर तक जा सकते हैं। फिर आगे का रास्ता आपको टैक्सी से तय करना होगा।

सबसे पहले दिल्ली के कश्मीरी गेट बस अड्डे से एचआरटीसी की बस से जोगिंदर नगर पहुंचे। इसका किराया 800-900 रुपए हो सकता है। रात की बस लें, जिससे कि सुबह तक जोगिंदर नगर पहुंच जाएं। अब जोगिंदर नगर में पहुंचकर ब्रेकफास्ट करें और फिर बरोट घाटी के लिए स्थानीय बस से यात्रा करें। जोकि सुबह के समय आसानी से मिल जाती है। इसका किराया करीब 80 रुपए होगा। जोगिंदर नगर से बरोट घाटी की दूरी करीब 30 किमी है।

बरोट घाटी ट्रिप की योजना

ट्रिप के पहले दिन दोपहर तक जोगिंदर नगर पहुंचकर होम स्टे में फ्रेश होकर घूमने के लिए निकल जाएं। पहले दिन आप ब्रिटिश काल का डैम देखने के लिए जा सकते हैं। यह डैम अंग्रेजों के समय का बना है, जो आज भी अपनी सुंदरता और इंजीनियरिंग से चौंकाता है।

इसके बाद आप प्राकृतिक फव्वारा और आसपास के गांव की सैर करने जा सकते हैं। यहां पर छोटे-छोटे गांव, साफ हवा और पगडंडियों के बीच घूमना मन को शांति देता है। फिर वापस आकर होम स्टे में आराम करें।

यहां घूमें दूसरे दिन

अगले दिन सुबह जल्दी उठकर लापास जलप्रपात के लिए निकल जाएं। साथ ही यहां पर झरने के पास बैठकर चाय और मैगी का लुत्फ उठाना न भूलें। इसके अलावा पास का लापास गांव भी घूमें। जहां पर आपको अनोखा देसी हीटर देने को मिलेगा।

लापास गांव से लौटने के दौरान शॉर्टकट रास्ते से चोकड़ी बारोट वैली जाएं। यहां पर रास्ते में आपको घाटियां, घने देवदार के जंगल और एक बहती हुई जलधारा आपको मंत्रमुग्ध कर देगी। नेचुरल फ्रीजर और ट्राउट फिश फार्म जैसे कई अनूठे नजारे आपकी इस ट्रिप को यादगार बना देंगे।

इस ट्रिप के दौरान बरोट की अनोखी विरासत के दीदार करना न भूलें। यहां पर एक ऐसी पुरानी कोठी डॉटर्स हाउस है, जिसको ब्रिटिश दौर में एक बेटी को उपहार दिया गया था। वर्तमान समय में यह कोठी टूरिस्ट होमस्टे में बदल चुकी है। आप चाहें तो यहां रुक भी सकते हैं।

मुंबई में आतंकी साजिश का हुआ खुलासा

-यूपी एटीएस की जांच में आईएसआई कनेक्शन के संकेत

बलरामपुर (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश एंटी टेररिस्ट स्क्वॉड (एटीएस) ने मुंबई में संभावित आतंकी साजिश का खुलासा करते हुए दावा किया है कि बलरामपुर निवासी शहरोज पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई और पाकिस्तानी गैंगस्टरों के संपर्क में था। एटीएस के अनुसार, आरोपी मुंबई में अपना नेटवर्क तैयार कर हिंदूवादी नेताओं और संगठनों को निशाना बनाने की योजना पर काम कर रहा था, जिससे सांप्रदायिक तनाव फैलाया जा सके। जांच एजेंसी का दावा है कि शहरोज को पाकिस्तान के गैंगस्टर शहजाद भट्टी और कथित आईएसआई एजेंट जसवीर चौधरी से निर्देश मिल रहे थे। उसे राजस्थान के श्रीगंगानगर जाकर ड्रोन के जरिए पाकिस्तान से भेजे जाने वाले हथियार और विस्फोटक प्राप्त करने को कहा गया था। हथियार हासिल करने के बाद उसे मुंबई लौटकर आगे के निर्देश मिलने थे। एटीएस के मुताबिक, आरोपी अभी नेटवर्क के शुरुआती परीक्षण चरण में था, जहां उसकी गोपनीयता और निर्देशों के पालन की क्षमता परखी जा रही थी। जांच एजेंसी अब उसके मोबाइल, सोशल मीडिया अकाउंट, कॉल डिटेल, बैंकिंग रिकॉर्ड, डिजिटल लेनदेन और विदेशी संपर्कों की फोरेंसिक जांच कर रही है। साथ ही यह भी पता लगाया जा रहा है कि उसे विदेश से आर्थिक सहायता मिल रही थी या नहीं। पूरे मामले की जांच जारी है।

राहुल गांधी से जुड़े आय से अधिक संपत्ति मामले में हाईकोर्ट सख्त

-सीबीआई के हलफनामे पर जताई नाराजगी, विस्तृत प्रगति रिपोर्ट तलब

लखनऊ (एजेंसी)। ,(ईएमएस)। इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ पीठ ने कांग्रेस सांसद और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति के आरोपों की जांच से जुड़े मामले में केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) के हलफनामे पर नाराजगी जताई है। अदालत ने कहा कि हलफनामा पूर्व आदेश के अनुरूप नहीं है और इससे जांच की वास्तविक स्थिति स्पष्ट नहीं होती। इलाहाबाद हाईकोर्ट के न्यायमूर्ति आर.एस. चौहान और न्यायमूर्ति बी.आर. सिंह की पीठ कर्नाटक निवासी एस. विग्नेश शिशिर की याचिका पर सुनवाई कर रही है, जिसमें सीबीआई और प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) से जांच कराने की मांग की गई है। अदालत ने सीबीआई मुख्यालय के संयुक्त निदेशक अथवा संबंधित जोन प्रमुख को स्वयं शपथपत्र दाखिल कर अगली सुनवाई तक विस्तृत प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश दिया है। वहीं, ईडी के हलफनामे पर अदालत ने संतोष व्यक्त करते हुए कहा कि एजेंसी ने आवश्यक प्रारंभिक कार्रवाई की है। अदालत ने कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग, वित्त मंत्रालय, कॉरपोरेट कार्य मंत्रालय और एसएफआईओ को भी चार सप्ताह में जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया है। मामले की अगली सुनवाई 20 अगस्त को होगी।

भारी बारिश से उत्तराखंड में 142 सड़कें प्रभावित, कई जिलों के लिए येलो अलर्ट जारी

देहरादून (एजेंसी)। भारत मौसम विज्ञान विभाग ने उत्तराखंड के कई जिलों में बारिश का येलो अलर्ट जारी किया है। विभाग ने राज्य के कई अन्य हिस्सों में आंधी-तूफान, बिजली गिरने और भारी बारिश का भी अनुमान लगाया है। आईएमडी के मुताबिक मौजूदा मौसम की स्थिति 25 जुलाई तक बनी रहने की उम्मीद है। बुधवार को राज्य के उत्तरकाशी, रुद्रप्रयाग, चमोली, नैनीताल, बागेश्वर और पिथौरागढ़ जिलों में कहीं-कहीं भारी बारिश हो सकती है। वहीं, राज्य के सभी जिलों में कहीं-कहीं गर्जन के साथ बिजली चमकने और तीव्र से अति तीव्र बारिश का अनुमान है। विभाग ने आशंका जताई है कि संवेदनशील इलाकों में हल्के से मध्यम भूस्खलन और चट्टान गिरने की घटनाएं हो सकती है। इसके अलावा, पहाड़ी क्षेत्रों में कहीं-कहीं सड़कों और राजमार्गों में अवरोध हो सकता है। कहीं-कहीं नालों और नदियों का अतिप्रवाह भी हो सकता है। पिछले कुछ दिनों से लगातार हो रही बारिश से देहरादून में तापमान में काफी गिरावट आई है। तेज बारिश के कारण नाले उफान पर आ गए, जिससे कई सड़कों पर जलभराव हो गया, जबकि कई इलाकों में घरों में पानी घुस गया। सड़कों पर पानी भरने और खराब ड्राइविंग स्थितियों के कारण वाहन चालकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। बारिश का असर उत्तराखंड के अन्य इलाकों में भी देखा गया, जहां मौसम संबंधी दिक्कतों के कारण मंगलवार को 142 सड़कें बंद कर दी गई थीं। शाम तक अधिकारी इनमें से 54 सड़कों पर यातायात बहाल करने में सफल रहे।

यमुना में 5 किलोमीटर तक हजारों मृत मछलियां, कानपुर देहात में दहशत

कानपुर (एजेंसी)। कानपुर देहात में यमुना नदी के करीब पाँच किलोमीटर लंबे हिस्से में हजारों मृत मछलियां मिलने से हड़कंप मच गया। नयापुरवा से मनकी पक्के घाट और क्योटरा तक नदी किनारे बिछी मछलियों को देखकर ग्रामीणों में दहशत फैल गई। यह घटना पानी की गुणवत्ता पर गंभीर सवाल खड़े कर रही है। ग्रामीणों ने बताया कि उन्होंने पहले इतनी बड़ी संख्या में मछलियों को मरते नहीं देखा। कुछ मछलियां पानी में तड़पती भी दिखाई दीं। हालांकि, कुछ ग्रामीण मृत मछलियों को अपने घरों में भी ले गए, जिस पर विशेषज्ञों ने स्वास्थ्य जोखिम की चेतावनी दी है। प्रदूषित या रसायनयुक्त पानी से मरी मछलियों का सेवन गंभीर विषाक्तता का कारण बन सकता है। प्रारंभिक जांच में आशंका है कि ऊपरी क्षेत्रों से आए प्रदूषित या रसायनयुक्त पानी और नदी में बीओडी (बायोकेमिकल ऑक्सीजन डिमांड) के स्तर में वृद्धि इसकी मुख्य वजह है। जिला कार्यकारी अधिकारी (मत्स्य) रमाकांत निरंजन ने बताया कि बीओडी बढ़ने से घुलित ऑक्सीजन की मात्रा कम हो जाती है, जिससे मछलियों को पर्याप्त ऑक्सीजन नहीं मिल पाती और उनकी मौत हो जाती है। क्षेत्रीय प्रदूषण नियंत्रण अधिकारी मनोज चौरसिया ने इसकी पुष्टि की कि बारिश के दौरान नदी में सिल्ट और अपशिष्ट पदार्थ बहकर आते हैं, जो जलीय जीवों को प्रभावित करते हैं। उन्होंने बताया कि घटनास्थल के आसपास कोई औद्योगिक इकाई नहीं है, इसलिए प्रदूषित पानी ऊपरी क्षेत्रों से ही आया होगा। नदी के किनारों पर कम जलस्तर और पानी के ठहराव से हानिकारक तत्वों का प्रभाव बढ़ गया हो सकता है। पानी के नमूनों को जांच के लिए भेजा गया है और रिपोर्ट आने के बाद ही मछलियों की मौत का वास्तविक कारण स्पष्ट हो पाएगा।

नमाज के लिए जगह भोजशाला से 2 किमी दूर क्यों? सुप्रीम कोर्ट ने मांगा जवाब

–मामले को लेकर मुस्लिम पक्ष की याचिका पर शुक्रवार को होगी सुनवाई

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने मुस्लिम पक्ष की उस याचिका पर शुक्रवार को सुनवाई करने पर सहमति जताई, जिसमें कहा गया था कि मध्य प्रदेश सरकार द्वारा नमाज़ पढ़ने के लिए चुनी गई वैकल्पिक जगह, धार में विवादित भोजशाला परिसर से बहुत दूर है। चीफ जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्य बागची और वी मोहना की बेंच ने सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता से कहा कि वे राज्य सरकार से इस बारे में निर्देश लें कि क्या विवादित परिसर के पास नमाज पढ़ने के लिए कोई वैकल्पिक जगह दी जा सकती है। मुस्लिम पक्ष की ओर से पेश हुए सीनियर वकील हुज़ैफा अहमदी ने कोर्ट को बताया कि कोर्ट ने पहले राज्य सरकार को निर्देश दिया था कि वह भोजशाला के पास नमाज के लिए खुली जगह उपलब्ध कराए। हालांकि उन्होंने आरोप लगाया कि अधिकारियों ने जो जमीन चुनी है, वह लगभग 2 किलोमीटर दूर है। वकील अहमदी ने कहा कि आदेश यह था कि जमीन भोजशाला साइट के पास होनी चाहिए। शुक्रवार की नमाज के लिए जो जमीन दी गई है, वह 2 किलोमीटर दूर है। हम पहले ही शुक्रवार की नमाज नहीं पढ़ पाए हैं। मध्य प्रदेश सरकार की ओर से पेश होते हुए वकील ने कहा कि वैकल्पिक जगह विवादित परिसर से करीब 900 मीटर दूर थी। हालांकि, उन्होंने बेंच को भरोसा दिलाया कि वह खुद इस मामले की जांच करेंगे और जरूरत पड़ने पर उचित कदम उठाएंगे। जस्टिस बागची ने कहा कि कोर्ट के पिछले आदेश का अक्षरशः और उसकी भावना के अनुरूप पालन किया जाना चाहिए। इसके बाद पीठ ने मामले की सुनवाई शुक्रवार को तय की और सॉलिसिटर जनरल को नमाज अदा करने के लिए निकटवर्ती स्थल उपलब्ध कराने के संबंध में राज्य सरकार से निर्देश लेने को कहा। बता दें 14 जुलाई को मध्य प्रदेश हाईकोर्ट के उस फैसले के विरुद्ध मुस्लिम पक्ष की अपीलों की सुनवाई करते हुए, जिसमें विवादित भोजशाला परिसर को देवी सरस्वती का मंदिर घोषित किया गया था, पीठ ने राज्य सरकार को मामले के अंतिम निर्णय तक विवादित स्थल के निकट शुक्रवार की नमाज दोपहर 1 बजे से 3 बजे के बीच अदा करने के लिए एक अलग खुला स्थान उपलब्ध कराने का निर्देश दिया था। अब इस मामले की सुनवाई शुक्रवार को वैकल्पिक प्रार्थना स्थल के मुद्दे पर होगी।

विपक्ष की आवाज दवा सरकार संसद में चर्चा से बच रही : रामगोपाल यादव

-सपा सांसद ने सदन के गतिरोध और राम मंदिर चढ़ावा विवाद पर उठाए सवाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। समाजवादी पार्टी (सपा) के वरिष्ठ नेता और राज्यसभा सांसद रामगोपाल यादव ने संसद में जारी गतिरोध को लेकर केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि सरकार किसी भी महत्वपूर्ण मुद्दे पर चर्चा कराने की इच्छुक नहीं है। उन्होंने कहा कि जैसे ही कोई विपक्षी सांसद अपनी बात रखने के लिए खड़ा होता है, कुछ ही मिनटों में सदन की कार्यवाही स्थगित कर दी जाती है, जिससे लोकतांत्रिक संवाद प्रभावित हो रहा है। पत्रकारों से बातचीत के दौरान सपा सांसद रामगोपाल यादव ने कहा कि यदि सरकार चर्चा के लिए तैयार होती तो संसद में बार-बार हंगामे की नौबत नहीं आती। उनका आरोप था कि सुबह से शाम तक सदन की कार्यवाही बार-बार स्थगित किए जाने से यह स्पष्ट हो जाता है कि सरकार विपक्ष की बात सुनने से बच रही है। उन्होंने कहा कि पूरा विपक्ष इस मुद्दे पर एकजुट है और लोकतांत्रिक परंपराओं की रक्षा के लिए अपनी आवाज उठाता रहेगा।

रामगोपाल यादव ने राम मंदिर चढ़ावा विवाद पर भी सवाल उठाते हुए दान राशि के प्रबंधन में पूरी पारदर्शिता की मांग की। उन्होंने कहा कि राम मंदिर आंदोलन के दौरान देशभर के लोगों ने श्रद्धापूर्वक योगदान दिया था। उनके अनुसार, महिलाओं ने अपने गहने तक दान किए और विभिन्न समुदायों के लोगों ने मंदिर निर्माण के लिए आर्थिक सहयोग दिया। उन्होंने कहा कि यह स्पष्ट होना चाहिए कि चंदे में मिली राशि कब और किस प्रकार बैंकों में जमा हुई तथा उसका पूरा लेखा-जोखा सार्वजनिक किया जाए।

मंदिरों की दान प्रक्रिया पारदर्शी हो

उन्होंने तिरुपति मंदिर की व्यवस्था का उदाहरण देते हुए कहा कि वहां दान प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी है और रसीदें जारी की जाती हैं। उनका मानना है कि राम मंदिर से जुड़े चंदे के मामले में भी ऐसी ही व्यवस्था अपनाई जानी चाहिए।

दादा, भले ही आज आप मेरे साथ नहीं हैं, मेरी जिंदगी के साथी को सलाम

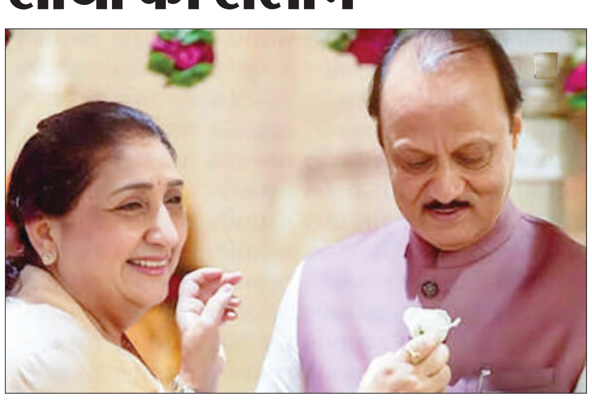

-अजित पवार की जयंती पर पत्नी सुनेत्रा पवार ने किया भावुक पोस्ट

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र के पूर्व उपमुख्यमंत्री अजित पवार की जयंती पर उनकी पत्नी और उपमुख्यमंत्री सुनेत्रा पवार ने सोशल मीडिया पर भावुक पोस्ट किया। सुनेत्रा पवार ने एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा- दादा, कई सालों से मैंने आपका जन्मदिन इतनी खुशी, जोश और गर्व के साथ मनाया। घर और परिवार खुशियों से भर जाता, चारों ओर दुआओं की बारिश होती लेकिन आज आपकी जयंती मनाते हुए मेरा दिल पूरी तरह टूट रहा है। आज भी मेरा दिल इस कड़वी सच्चाई को मानने से इनकार करता है।

सुनेत्रा ने आगे लिखा- दादा, मेरी जिंदगी के हर मोड़ पर आप मेरी सबसे बड़ी ताकत बनकर मेरे साथ खड़े रहे। आपका वह मजबूत सहारा, मुश्किल समय में पीठ थपथपाना और आपका साथ, आज यह सब अचानक गायब हो गया है। सब कुछ एकदम खाली सा लग रहा है, मुझे यकीन ही नहीं हो रहा। मैंने कभी सपने में भी नहीं सोचा था कि समय मेरी जिंदगी का सबसे बड़ा सहारा इतनी जल्दी छीन लेगा। उन्होंने लिखा- आज, जब मैं आपका यह जन्मदिन मना रही हूं, तो मेरा दिल दर्द से भर गया है; मेरी आंखों के आंसू रुकने का नाम नहीं ले रहे। दादा, भले ही आज आप मेरे साथ नहीं हैं लेकिन आपकी सोच, आपकी यादें, लोगों के प्रति आपकी सेवा की भावना, आपका अनुशासन और आपका दिया हुआ प्यार हमेशा मेरी हर सांस में, मेरे होने के हर रेशे में जिंदा रहेगा। मेरी जिंदगी के साथी को, आपकी पवित्र यादों को, दिल से और इज्जत से सलाम!

बता दें महाराष्ट्र की उपमुख्यमंत्री सुनेत्रा अजीत पवार और जय अजीत दादा पवार ने दिवंगत नेता अजीत पवार की जयंती के मौके पर आधी रात को बारामती के विद्या प्रतिष्ठान कैंपस में उनके मेमोरियल पर फूल चढ़ाए। उन्होंने महाराष्ट्र के विकास में उनके योगदान, उनकी समाजसेवा और लोगों की भलाई के लिए उनके समर्पण को याद किया। उन्होंने कहा कि अजीतदादा पवार की दृष्टि, विकास पर फोकस करने वाला नेतृत्व और समाजसेवा की विरासत आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करती रहेगी।

काले कपड़े पहन संसद पहुंचे सांसदों ने किया जोरदार प्रदर्शन

–पेपर लीक और शिक्षा की बदहाली को लेकर केंद्रीय शिक्षा मंत्री के इस्तीफे पर अड़े

नई दिल्ली (एजेंसी)। शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग को लेकर निकाले गए संसद तक मार्च में छात्रों के साथ की गई बर्बरता के विरोध में बुधवार सुबह प्रमुख विपक्ष के सांसद काले लिवास पहन संसद पहुंचे। संसद परिसर में विपक्षी सांसदों ने काले कपड़े में जोरदार प्रदर्शन किया। इस प्रदर्शन के दौरान राहुल गांधी और प्रियंका गांधी समेत अखिलेश यादव व अन्य विपक्षी सांसद नारे लगाते नजर आए।

संसद के मानसून सत्र के पहले दिन से ही पेपर लीक और शिक्षा मंत्री का इस्तीफा वाला मुद्दा गूंज रहा है। विपक्ष ने संसद तक मार्च के दौरान युवाओं पर की गई पुलिस कार्रवाई को लेकर सरकार को घेरा है। मंगलवार को पीएम आवास के करीब कांग्रेस के धरने के दौरान राहुल गांधी समेत अन्य नेताओं को हिरासत में लिया गया और कुछ समय बाद उन्हें छोड़ दिया गया। इसके बाद यह प्रदर्शन दिल्ली के साथ-साथ अन्य राज्यों तक पहुंच गया है। जगह-जगह लोग प्रदर्शन कर गिरफ्तारियां दे रहे हैं। इसे देखते हुए बुधवार सुबह सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन के तौर पर अनेक सांसद काले लिवास में संसद पहुंचे हैं और प्रदर्शन किया है।

संसद के मानसून सत्र में यह मुद्दा लगातार गूंजा है। विपक्ष पेपर लीक के साथ ही देश की बिगड़ी शिक्षा व्यवस्था को लेकर शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग पर अड़ा है। इसके अलावा अब प्रदर्शन कर रहे छात्रों पर पुलिस की बर्बर कार्रवाई को लेकर सरकार को घेर रहा है। बताया जा रहा है कि इस कारण दिल्ली के बाहर भी प्रदर्शन तेज हो गए हैं। अनेक प्रमुख शहरों से प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लिए आने की सुचनाएं आ रही हैं।

अच्छी बारिश के लिए कराई गधों की शादी, बैंड-बाजों से निकाली बारात

-आंध्र प्रदेश के कई इलाकों में मानसून की धीमी रफ्तार से किसान चिंतित

अनंतपुर (एजेंसी)। आंध्र प्रदेश के कई इलाकों में मानसून की धीमी रफ्तार ने किसानों की चिंता बढ़ा दी है। खेतों में नमी की कमी और समय पर बारिश न होने से फसलों पर संकट गहराने लगा है। ऐसे हालात में अनंतपुर जिले के कुर्लापल्ली गांव के लोगों ने अच्छी बारिश की कामना के लिए एक अनोखी परंपरा निभाई, जिसने सोशल मीडिया पर भी लोगों का ध्यान खींचा। गांव वालों ने पूरे रीति-रिवाज और पारंपरिक रस्मों के साथ दो गधों का विवाह कराया। गांव वालों का मानना है कि सालों से चली आ रही इस लोक परंपरा को निभाने से प्रकृति मेहरबान होती है और अच्छी बारिश का आशीर्वाद मिलता है। उनके लिए यह केवल एक रस्म नहीं, बल्कि कठिन समय में उम्मीद और आस्था का प्रतीक है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक वायरल वीडियो में दोनों गधों को दूल्हा-दुल्हन की तरह रंग-बिरंगे कपड़ों, फूलों की मालाओं से सजाया। इसके बाद ढोल-नगाड़ों की गूंज के बीच पूरे गांव में उनकी बारात निकाली। रास्ते में लोग बारात का स्वागत करते नजर आए। कई घरों के सामने महिलाओं ने पानी अर्पित कर अच्छी बारिश और भरपूर फसल की कामना की है। गांव के मंदिरों में भी विशेष पूजा-अर्चना की गई ताकि जल्द बारिश हो और सूखे की स्थिति से राहत मिल सके। स्थानीय लोगों का कहना है कि पीढ़ियों से किसान सूखे जैसे हालात में इस तरह के धार्मिक और सांस्कृतिक अनुष्ठान करते आए हैं।

इस साल दक्षिण-पश्चिम मानसून की कमजोर प्रगति ने आंध्र प्रदेश के कई जिलों में खेती को प्रभावित किया है। मौसम विभाग के मुताबिक अनंतपुर सहित कुछ क्षेत्रों में सामान्य से कम बारिश दर्ज की गई है। इसका असर खरीफ की बुवाई और फसलों की बढ़वार पर भी देखने को मिल रहा है। पर्याप्त बारिश न होने के कारण किसानों को उत्पादन घटने और आर्थिक नुकसान की चिंता सता रही है। यह खबर वायरल वीडियो पर आधारित है। ऐसे समय में यह अनोखा आयोजन सिर्फ एक परंपरा नहीं, बल्कि उन किसानों की भावनाओं और उम्मीदों की झलक भी है, जिनकी आजीविका पूरी तरह बारिश पर निर्भर करती है।

पेज एक का शेष

झारखंड में फिल्म निर्माण की अपार संभावनाएं...

आज के कार्यक्रम के सिलसिले में जब मैं गूगल पर सर्च कर रहा था, तो पता चला कि कई प्रसिद्ध फिल्में हमारे राज्य में बनी हैं जैसे दिल बेचारा, एम.एस. धोनीः द अनटोल्ड स्टोरी और गैंग्स ऑफ वासेपुर, इसके अलावा, देश के दिग्गज बॉलीवुड अभिनेता अमिताभ बच्चन जी की फिल्म भी धनबाद में बनी थी। राज्य में फिल्म निर्माण की अपार संभावनाएं मौजूद हैं। प्रकाश झा जैसे फिल्म डायरेक्टर की शिक्षा-दीक्षा भी झारखंड से ही हुई है, जो आज किसी परिचय के मोहताज नहीं हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस खत्र्छ्कप्लेटफार्म के माध्यम से हमारे नौजवानों के लिए एक नया आयाम शुरू होने जा रहा है। एक समय था जब डॉक्टर या इंजीनियर बनाना ही हर किसी का सपना होता था, लेकिन आज विविधता इतनी अधिक है कि आप किसी भी क्षेत्र में अपने हुनर को आकार देकर अपनी पहचान बना सकते हैं। ?आज उसी का एक छोटा सा प्रयास हमारी सरकार ने किया है। मुझे उम्मीद है कि आने वाले समय में इस प्लेटफार्म का एक बेहतर उपयोग हमारे नौजवानों के लिए होगा।

राज्य सरकार की पहल का सकारात्मक परिणाम मिले यही उद्देश्य

मुख्यमंत्री श्री हेमन्त सोरेन ने रफ्त्र्छ्क कोलकाता का जिक्र करते हुए कहा कि एक अनुभवी संस्था, जिसकी पहचान सिर्फ देश में ही नहीं बल्कि पूरी दुनिया में है, उसकी उपयोगिता और दायरा इतना बड़ा है कि आप अपने हुनर से अपने आसपास की चीजों में बदलाव लाने की क्षमता रखते हैं। ?उन्होंने कहा कि आज यह एक शुरूआत है और हम चाहेंगे कि आने वाले दिनों में इसका सकारात्मक परिणाम भी हम सब देखें। जिस प्रकार खेल के जगत में हमारे राज्य के नौजवान और छात्र-छात्राएं बड़े पैमाने पर देश-दुनिया में नाम कमा रहे हैं, उसी प्रकार कला के क्षेत्र में भी संभावनाएँ हैं। मुख्यमंत्री ने ?झारखंड के परिपेक्ष में कहा कि आज डॉ० रामदयाल मुंडा जी की वह पंक्ति याद आती है, ₹जे नाची से बाचीं₹। इसका मतलब है कि इस राज्य के आम लोगों के अंदर कोई न कोई कलाकार छुपा हुआ है। कई कारणों से शायद वह छुपा कलाकार बाहर नहीं आ पाता। आज इस संस्था और सत्यजीत रे फिल्म इंस्टीट्यूट के सहयोग से उन कलाकारों को ढूंढा जाएगा, बाहर निकाला जाएगा और तराशा जाएगा। उन्होंने कहा कि ?आज के इस शुभ अवसर पर आप सब लोगों को मेरी ओर से बहुत-बहुत शुभकामनाएँ और सभी कलाकारों को बेहतर भविष्य के लिए ढ़ेर सारी बधाई। मौके पर राज्य के वित्त मंत्री श्री राधाकृष्ण किशोर एवं सत्यजीत रे फिल्म एंड टेलीविजन इंस्टीट्यूट (रफ्त्र्छ्क), कोलकाता के कुलपति श्री समीरन दत्ता ने अपने संबोधन में झारखण्ड फि ल्म डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन लिमिटेड और सत्यजीत रे फिल्म एंड टेलीविजन इंस्टीट्यूट, कोलकाता के बीच हुए एमओयू हस्ताक्षर के उद्देश्य पर विस्तृत प्रकाश डाला।

मुख्यमंत्री ने इन्हें किया सम्मानित..

सम्मानित होने वाले फिल्म कारों में तीन बार राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार प्राप्त बीजू टोप्पो ,झारखंड के पूर्वी सिंहभूम जिले के संथाल समुदाय से आने वाले श्री रविराज मुर्मू, जिन्हें उनकी शॉर्ट फिल्म 'आंगेन' के लिए राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार की घोषणा की गई है , श्री अनुज कुमार जिनकी बहुचर्चित फिल्म 'बिलोंगिंग टू अनटचेबल गॉड एवं दी टर्टल स्टोरी' के लिए इन्हें 'कैनेडियन लेबर इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल अवॉर्ड' से सम्मानित किया जा चुका है इनके साथ कुडुख फिल्म 'एडपा काना' के लिए राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार से नवाजे गए श्री निरंजन कुजूर को उत्कृष्ट, ईमानदार और शानदार कला-यात्रा के लिए सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर राज्य के वित्त मंत्री श्री राधाकृष्ण किशोर, मुख्य सचिव श्री अविनाश कुमार, विशेष सचिव सूचना एवं जनसंपर्क विभाग श्री राजीव लोचन बक्शी, कुलपति, सत्यजीत रे फिल्म एंड टेलीविजन इंस्टीट्यूट (रफ्त्र्छ्क), कोलकाता श्री समीरन दत्ता, डीन रफ्त्र्छ्कश्री सुकांते मजूमदार, सरला बिरला विश्वविद्यालय के डायरेक्टर जनरल प्रोफेसर (डॉ.) गोपाल पाठक, सरला बिरला विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ० सी० जगन्नाथ, विनोबा भावे विश्वविद्यालय के प्रो० श्री सी०बी० शर्मा, सत्यजीत रे फिल्म एंड टेलीविजन इंस्टीट्यूट, कोलकाता के प्रो० इंद्रनील मुखर्जी, श्री एन० बनर्जी सहित विभिन्न विश्वविद्यालयों के प्रतिनिधिगण एवं विद्यार्थीगण बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

डिजिटल माध्यमों के सशक्त उपयोग...

बैठक के दौरान अधिकारियों ने मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना की प्रगति से भी अवगत कराया। उन्होंने बताया कि योजना के पोर्टल पर प्राप्त आवेदनों की संख्या, उनकी जांच प्रक्रिया और अब तक पात्र लाभुकों को किए जा रहे आधार-आधारित भुगतान की विस्तृत जानकारी प्रस्तुत की गई। इस संबंध में अधिकारियों ने योजना के प्रभावी क्रियान्वयन, पारदर्शिता एवं समयबद्ध भुगतान सुनिश्चित करने के

लिए अपनाई जा रही व्यवस्थाओं की रूपरेखा भी मुख्यमंत्री के समक्ष रखी गई। मुख्यमंत्री ने सभी जिला न्यायालयों में उच्च गुणवत्ता वाले साउंड सिस्टम स्थापित करने के सुझाव दिए, ताकि न्यायाधीशों, अधिवक्ताओं एवं वादकारियों के बीच संवाद अधिक स्पष्ट, सुगम और प्रभावी हो सके तथा न्यायिक कार्यों में दक्षता सुनिश्चित की जा सके। बैठक में मुख्य सचिव अविनाश कुमार, विकास आयुक्त अजय कुमार सिंह, विभागीय सचिव पूजा सिंघल, विशेष सचिव सुनील कुमार सिंह, निदेशक आईटी माधवी मिश्रा, सीईओ जैप-आईटी चंदन कुमार और संबंधित विभाग के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

पनडुब्बी रोधी स्वदेशी युद्धपोत...

भारतीय नौसेना की ताकत को नई धार देने वाला आईएनएस मालवन अपनी 80 प्रतिशत स्वदेशी तकनीक, उन्नत वाटर-जेट प्रणोदन प्रणाली और घातक टॉरपीडो क्षमता के कारण चर्चा में है। समंदर में दुश्मनों की निगरानी और सटीक हमला करने में सक्षम यह युद्धपोत भारतीय रक्षा आत्मनिर्भरता का बड़ा उदाहरण माना जा रहा है। इसकी मारक क्षमता की वजह से इसे समंदर का 'साइलेंट किलर' कहा जा रहा है। माहे श्रेणी के ये युद्धपोत तटीय और उथले समुद्री क्षेत्रों में प्रभावी परिचालन के लिए बनाए गए हैं। यह अत्याधुनिक युद्धपोत उथले समुद्री इलाकों में दुश्मन की पनडुब्बियों को खोजने, उनका पीछा करने और जरूरत पड़ने पर उन्हें नष्ट करने के लिए खासतौर पर तैयार किया गया है।

समारोह में वायु सेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल एपी सिंह बतौर मुख्य अतिथि मौजूद रहे। इस अवसर पर पश्चिमी नौसेना कमान के प्रमुख वाइस एडमिरल संजय वात्सायन, कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड के प्रतिनिधि, नौसेना के वरिष्ठ अधिकारी और अन्य अतिथि भी मौजूद रहे।

सावन मेले की तैयारियों को लेकर थाना प्रभारी ने किया मोतीझरना विकास समिति के साथ बैठक

सावन मेले में चप्पे-चप्पे पर रहेगी पुलिस तैनात, श्रद्धालुओं की सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम : थाना प्रभारी

बिभा संवाददाता

तालझारी । आगामी सावन मेले की तैयारियों को लेकर तालझारी थाना परिसर स्थित थाना प्रभारी कार्यालय में बुधवार को मोतीझरना विकास समिति के पदाधिकारियों एवं सदस्यों के साथ बैठक आयोजित की गई। वहीं बैठक कि अध्यक्षता तालझारी थाना प्रभारी नितेश कुमार पांडेय ने किया। वहीं बैठक में बाबा मोतीनाथ धाम मोतीझरना में सावन माह के दौरान आने वाले श्रद्धालुओं की सुविधा, सुरक्षा एवं अन्य व्यवस्थाओं पर विस्तार से चर्चा की गई। साथ ही बैठक में बताया गया कि 30 जुलाई से सावन माह की शुरूआत हो रही है। इस दौरान बाबा मोतीनाथ धाम में तालझारी, महाराजपुर, साहेबगंज सहित बिहार और पश्चिम पश्चिम बंगाल से हजारों श्रद्धालु जलाभिषेक के लिए पहुंचते हैं। श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को देखते हुए सुरक्षा, यातायात नियंत्रण, स्वच्छता, पेयजल एवं अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं को बेहतर बनाने पर जोर दिया गया। साथ ही थाना प्रभारी श्री पांडेय ने बताया कि सावन माह के पूरे 30 दिनों तक बाबा मोतीनाथ धाम परिसर में मेला लगता है। खास कर रविवार व सोमवारी पर भारी मात्रा में श्रद्धालुओं का आवगमन होता है। कहा श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए पुलिस प्रशासन और विकास समिति के समन्वय से सभी आवश्यक तैयारियां समय रहते पूरी की जाएंगी। साथ ही थाना प्रभारी ने कहा कि श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधा व सुरक्षा व्यवस्था के व्यापक व दुरूस्त इंतजाम किया गया है। कहां श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की कोई असुविधा नहीं होगी साथ ही उन्होंने कहा कि चप्पे-चप्पे पर पुलिस के जवान तैनात रहेंगे इसके अलावा कमेटी के सदस्यों को भी कहा गया है कि आप सभी भी पुलिस के अलावा मेले में सुरक्षा के दृष्टिकोण से निगरानी करे ताकि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो। मौके पर अध्यक्ष प्रदीप सिंह उर्फ लड्डू सिंह, सचिव मंटू राय, अर्जुन ठाकुर सहित समिति के सदस्य मौजूद थे।

बीडीओ ने किया चुनावी पाठशाला का निरीक्षण

बिभा संवाददाता

उधवा। उधवा प्रखंड क्षेत्र के विभिन्न मतदान केंद्रों में बुधवार को बीएलओ,बीएलए-2 एवं चुनाव पाठशाला की तृतीय बैठक आयोजित की गई। जानकारी के अनुसार बैठक में बीएलओ, राजनीतिक दलों द्वारा चयनित बीएलए -2 एवं मतदाता शामिल हुए। बैठक के दौरान चुनाव पाठशाला की प्रस्तावों तथा विभिन्न अनुलग्नकों को लेकर कार्यवाही की गई। बैठक के दौरान चुनाव पाठशाला के प्रस्तावों एवं विभिन्न अनुलग्नकों पर विस्तार से चर्चा कर आवश्यक कार्यवाही की गई। साथ ही मतदाता सूची के गणना प्रपत्रों के संग्रहण की वर्तमान स्थिति की समीक्षा की गई। इस क्रम में मृत,स्थानांतरित,लापता एवं डुप्लिकेट मतदाताओं को चिन्हित कर उनका सत्यापन किया गया। वहीं उधवा बीडीओ जयंत कुमार तिवारी ने पूर्वी उधवा, सरफराजगंज,बेगमगंज,राधानगर सहित अन्य पंचायतों के मतदान केंद्रों में आयोजित चुनावी पाठशाला का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने बीएलओ और बीएलए-2 को शेष कार्यों को समयबद्ध तरीके से पूरा करने का निर्देश दिया गया। उन्होंने बताया कि एसआईआर प्रपत्र को डिजिटाइजेशन में उधवा प्रखंड में कुल 86.54% के साथ जिला में अव्वल स्थान प्राप्त किया गया है। बीडीओ ने आगे बताया कि ड्राफ्ट रोल का प्रकाशन आगामी 5 अगस्त को हो जाएगा। प्रकाशन के बाद दावा-आपत्ति की प्रक्रिया शुरू होगी। कहा कि लक्ष्य है कि समय से पहले ही शत-प्रतिशत सत्यापन एवं डिजिटाइजेशन का कार्य पूर्ण कर लिया जाए। मौके पर प्रतिनियुक्त निर्वाचन सहायक बाबूधन हेंब्रम, मुखिया प्रतिनिधि शिवपति मंडल, बीएलओ सहित अन्य मौजूद थे।

संक्षिप्त खबरें

पीएम जनमन स्वास्थ्य शिविर, 28 ग्रामीणों की हुई स्वास्थ्य जांच

साहेबगंज(बिभा) । आयुष्मान आरोग्य मंदिर पोखरिया के अंतर्गत छोटा दुगार्पुर गांव में प्रधानमंत्री जनमन स्वास्थ्य शिविर का आयोजन चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. राहुल राज की अध्यक्षता में किया गया। शिविर में 28 ग्रामीणों ने स्वास्थ्य जांच कराई और चिकित्सकीय परामर्श के साथ आवश्यक दवाइयां प्राप्त कीं। वहीं शिविर का उद्देश्य केवल इलाज तक सीमित नहीं रहा, बल्कि ग्रामीणों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक भी किया गया। स्वास्थ्य टीम ने लोगों को नियमित साफ-सफाई रखने, मच्छरदानी का उपयोग करने तथा स्वच्छ पानी पीने की सलाह दी, ताकि मौसमी एवं संक्रामक बीमारियों से बचाव हो सके। इस दौरान एएनएम विद्या कुमारी, प्रियंका कुमारी, सहिया सिसिलिया हेंब्रम, सहिया साथी निर्मला मुर्मू तथा सहिया पर्यवेक्षक अवधेश कुमार ने ग्रामीणों को स्वास्थ्य संबंधी महत्वपूर्ण जानकारियां दीं और उन्हें स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया।

छापेमारी से मचा हड़कंप, कई दुकानदारों ने दुकानें बंद कर खींचे शटर

राजमहल(बिभा) । खाद्य सुरक्षा विभाग की अचानक हुई कार्रवाई ने बुधवार को राजमहल बाजार में हड़कंप मचा दिया। स्टेशन चौक, गांधी चौक, निबंधन कार्यालय और मलखा बाबा स्थान के आसपास जब विभाग की टीम जांच के लिए पहुंची तो कई दुकानदार अपनी दुकानें बंद कर वहां से निकल गए। टीम ने किराना, चाय और कोल्ड ड्रिंक्स की दर्जनों दुकानों की जांच की। वहीं फूड सेफ्टी ऑफिसर आशीष कुमार वर्मा, नवरंग देव और राजीव कुमार के नेतृत्व में चलाए गए अभियान के दौरान विमल चाय दुकान, राजू पान दुकान और रोहन चाय दुकान सहित कई प्रतिष्ठानों से एक्सपायरी कोल्ड ड्रिंक्स, बिस्किट और अन्य अमानक खाद्य सामग्री बरामद की गई। जब्त की गई सामग्री को नियमानुसार नष्ट करने की प्रक्रिया शुरू की गई। जांच में खाद्य सुरक्षा मानकों का उल्लंघन पाए जाने पर संबंधित दुकानदारों पर हजारों रुपये का जुमार्ना लगाया गया। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि उपभोक्ताओं के स्वास्थ्य से खिलवाड़ करने वालों के खिलाफ आगे भी इसी तरह की सख्त कार्रवाई जारी रहेगी। विभाग की इस कार्रवाई से बाजार में पूरे दिन अफरा-तफरी का माहौल बना रहा और कई दुकानदारों ने अपनी दुकानों की खाद्य सामग्री की जांच शुरू कर दी।

विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान में उत्कृष्ट कार्य करने वाले बीएलओ सम्मानित

पाकुड़(बिभा)। भारत निर्वाचन आयोग के निदेर्शानुसार झारखंड में संचालित विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर)-2026 अभियान के तहत उत्कृष्ट कार्य करने वाले बीएलओ को बुधवार को समाहरणालय में आयोजित कार्यक्रम में जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त मेघा भारद्वाज ने प्रशस्ति-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। सम्मानित बीएलओ ने अपने-अपने मतदान केंद्रों पर एन्यूमरेशन फॉर्म के वितरण एवं डिजिटाइजेशन का कार्य निर्धारित अवधि से पूर्व शत-प्रतिशत पूरा कर विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान के सफल क्रियान्वयन में उल्लेखनीय योगदान दिया। सम्मानित बीएलओ में पाकुड़ विधानसभा क्षेत्र के बूथ संख्या-350 की जासमिनारा बीबी, बूथ संख्या-388 की नीलिमा सरकार, लिट्टीपाड़ा विधानसभा क्षेत्र के बूथ संख्या-83 की कल्पना कुमारी तथा महेशपुर विधानसभा क्षेत्र के बूथ संख्या-92 की शालू बेगम एवं बूथ संख्या-65 की रुमी मंडल शामिल हैं। इस अवसर पर उपायुक्त मेघा भारद्वाज ने सभी सम्मानित बीएलओ को बधाई देते हुए कहा कि निर्वाचन कार्यों में समर्पण, समयबद्धता एवं उत्तरदायित्व लोकतांत्रिक व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने की आधारशिला है। उन्होंने कहा कि विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम के सफल संचालन में बीएलओ की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। निर्धारित समय-सीमा से पूर्व शत-प्रतिशत कार्य पूरा करना उनकी कार्यनिष्ठा, प्रतिबद्धता एवं दक्षता का परिचायक है। उपायुक्त ने कहा कि उत्कृष्ट कार्य करने वाले कर्मियों को सम्मानित करने का उद्देश्य अन्य बीएलओ को भी बेहतर कार्य के लिए प्रेरित करना है, ताकि प्रत्येक पात्र मतदाता का नाम मतदाता सूची में सुनिश्चित किया जा सके तथा मतदाता सूची को त्रुटिरहित, अद्यतन एवं विश्वसनीय बनाया जा सके। कार्यक्रम में उप निर्वाचन पदाधिकारी मो. मोजाहिद अंसारी, महेशपुर विधानसभा क्षेत्र के आरओ सह भूमि सुधार उप समाहर्ता अमित कुमार, एईआरओ सह अंचलाधिकारी अरविंद कुमार बेदिया तथा निर्वाचन शाखा के कर्मी उपस्थित थे।

चुनावी तैयारियां अंतिम चरण में, 142 बूथों पर बीएओ, बीएलए -2 की तीसरी बैठक

बिभा संवाददाता

राजमहल। आगामी निर्वाचन को लेकर राजमहल प्रखंड में तैयारियां अब अंतिम चरण में पहुंच गई हैं। बुधवार को प्रखंड के सभी 142 मतदान केंद्रों पर बूथ लेवल अधिकारी और बूथ लेवल एजेंट -2 की तीसरी बैठक सह चुनाव पाठशाला आयोजित की गई। बैठक में मतदान संबंधी तैयारियों की समीक्षा करते हुए एएसडीडीएफ सूची को अंतिम रूप दिया गया। वहीं बैठक की अध्यक्षता कर रहे अधिकारियों ने कार्यवाही का वाचन किया और सभी सदस्यों की सहमति से उसे पारित किया। इस दौरान मतदाता सूची के अंतिम सत्यापन, मतदान केंद्रों पर आवश्यक सुविधाएं, सुरक्षा व्यवस्था, संवेदनशील बूथों की निगरानी तथा चुनावी लॉजिस्टिक्स जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से चर्चा हुई। बैठक के बाद अनुमंडल पदाधिकारी सदानंद महतो ने मतदान केंद्र संख्या 204, 207 और 208 सहित कई बूथों का निरीक्षण किया। उन्होंने पेयजल, बिजली, रैंप, शेड, मतदान सामग्री और सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लेते हुए अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रत्येक मतदान केंद्र पर मतदाताओं को किसी प्रकार की परेशानी नहीं होनी चाहिए तथा मतदान प्रतिशत बढ़ाने के लिए जागरूकता अभियान भी प्रभावी ढंग से चलाया जाए। वही बैठक में बीएलओ सुपरवाइजर संजय सिंह, सभी बीएओ, बीएलए -2 और चुनाव कार्य से जुड़े कर्मी मौजूद रहे। अधिकारियों ने आगामी दिनों में मॉक पोल तथा ईवीएम-वीवीपैट की जांच कराने और प्रत्येक बूथ पर मतदाता सूची की अंतिम प्रति उपलब्ध रखने का निर्णय लिया। वहीं चुनाव पाठशाला में उपस्थित कर्मियों को ईवीएम और वीवीपैट के संचालन, सीलिंग प्रक्रिया, मतदान दिवस की कार्यप्रणाली, आचार संहिता के पालन और आपात स्थिति में त्वरित संचार व्यवस्था से संबंधित व्यावहारिक प्रशिक्षण भी दिया गया। वहीं निरीक्षण के दौरान एसडीओ सदानंद महतो ने कहा कि राजमहल प्रखंड के सभी मतदान केंद्रों को चुनाव के लिए पूरी तरह तैयार किया जा रहा है। उन्होंने विश्वास जताया कि सभी बीएओ और बीएलए- 2 अपनी जिम्मेदारियों का प्रभावी ढंग से निर्वहन करेंगे, जिससे मतदान प्रक्रिया निष्पक्ष, शांतिपूर्ण और सुचारू रूप से संपन्न हो सके।

साहेबगंज में मंईयां सम्मान योजना के 1.71 लाख लाभुकों को 42.79 करोड़ की राशि जारी

बिभा संवाददाता

साहेबगंज। झारखंड सरकार के महिला, बाल विकास एवं सामाजिक सुरक्षा विभाग की मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना के तहत साहिबगंज जिले के 1,71,156 पात्र लाभुकों के बैंक खातों में जुलाई 2026 की सम्मान राशि डीबीटी डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर के माध्यम से भेजी जा रही है। प्रत्येक लाभुक को 2,500 की दर से कुल 42,78,97,500 करोड़ रुपये का भुगतान किया जा रहा है। वहीं जिला प्रशासन ने बताया कि योजना का उद्देश्य पात्र महिलाओं को आर्थिक संबल प्रदान कर उन्हें आत्मनिर्भर और सशक्त बनाना है। प्रशासन योजना के पारदर्शी एवं समयबद्ध क्रियान्वयन के लिए लगातार प्रयासरत है। वहीं मुख्यमंत्री राज्य एचआईवी/एड्स पीड़ित व्यक्ति सहायतार्थ पेंशन योजना के तहत जिले के 191 लाभुकों को अप्रैल से जुलाई 2026 तक की चार माह की पेंशन राशि भी डीबीटी के माध्यम से भेजी जा रही है। प्रत्येक लाभुक को 1,000 प्रति माह की दर से 4,000 दिए जा रहे हैं। इस मद में कुल 7,96,000 का भुगतान किया गया है।

जिला प्रशासन ने लाभुकों से अपने बैंक खाते की नियमित जांच करने की अपील की है। राशि प्राप्त करने में किसी प्रकार की समस्या होने पर संबंधित प्रखंड कार्यालय से संपर्क कर आवश्यक सहायता लेने को कहा गया है।

छत तोड़कर सीएसपी में चोरी: नकदी पर ही चोरों की नजर, 1.70 लाख लेकर फरार

बिभा संवाददाता

बरहरवा । रांगा थाना क्षेत्र के तलबड़िया चौक स्थित इंडियन बैंक के अधिकृत ग्राहक सेवा केंद्र में अज्ञात चोरों ने छत तोड़कर प्रवेश किया और काउंटर में रखे करीब 1.70 लाख रुपये लेकर फरार हो गए। वही घटना के बाद इलाके में सनसनी फैल गई है। पुलिस मौके पर पहुंचकर मामले की जांच में जुटी है। वहीं सीएसपी संचालक सैफुल इस्लाम ने बताया कि बुधवार सुबह वह केंद्र खोलकर कुछ देर के लिए पास की दुकान में चले गए थे। लौटने पर देखा कि सीएसपी के भीतर सामान और फाइलें बिखरी पड़ी थीं तथा काउंटर का ताला टूटा हुआ था। जांच करने पर काउंटर में रखे 1.70 लाख रुपये गायब मिले। वहीं संचालक के अनुसार, सामान्य दिनों में वह नकदी घर ले जाते हैं, लेकिन बुधवार शाम तबीयत खराब होने और मौसम बिगड़ जाने के कारण जल्दबाजी में घर लौट गए। इसी वजह से नकदी काउंटर में ही रह गई, जिसका चोरों ने फायदा उठा लिया। वहीं प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि चोर एल्बेस्टर की छत तोड़कर सीएसपी के अंदर घुसे और दरवाजे की अंदरूनी कुंडी तोड़कर नकदी लेकर फरार हो गए। खास बात यह रही कि चोरों ने लैपटॉप, कंप्यूटर, मोबाइल और अन्य सामान को हाथ तक नहीं लगाया, जिससे आशंका है कि उनकी नजर केवल नकदी पर थी। इधर घटनास्थल से पुलिस को कुल्हाड़ी जैसा हथियार, जबकि सीएसपी के पीछे झाड़ियों से हथौड़ी, पेचकस और एक झोला बरामद हुआ है। वहीं सीसीटीवी कैमरे के चार्जर भी खुले मिले, जिससे पुलिस यह भी जांच कर रही है कि चोरी से पहले कैमरों को निष्क्रिय करने की कोशिश की गई थी या नहीं। इधर घटना की सूचना मिलते ही रांगा थाना प्रभारी अखिलेश कुमार पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और साक्ष्य जुटाकर जांच शुरू कर दी। पुलिस आसपास के लोगों से पूछताछ करने के साथ-साथ सभी पहलुओं पर जांच कर रही है।

तृतीय चुनाव पाठशाला में मतदाता सूची शुद्धिकरण पर जोर, बीएलए-2 के साथ हुआ सत्यापन

बिभा संवाददाता

तालझारी । तालझारी प्रखंड के सभी मतदान केंद्रों पर बुधवार को मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान के तहत तृतीय चुनाव पाठशाला सह आम सभा आयोजित की गई। कार्यक्रम में प्रारूप मतदाता सूची के साथ डुप्लीकेट, मृत, स्थानांतरित, अनुपस्थित एवं संदिग्ध मतदाताओं की सूची बीएलए-2 के साथ साझा कर उनका सत्यापन किया गया। बैठक में अधिकारियों ने बताया कि सत्यापन प्रक्रिया का उद्देश्य मतदाता सूची को अधिक सटीक, पारदर्शी और त्रुटिरहित बनाना है। साथ ही यह भी सुनिश्चित करने पर बल दिया गया कि एक ही परिवार के सभी पात्र मतदाताओं के नाम एक ही मतदान केंद्र से जुड़े रहें, ताकि मतदान के दौरान किसी प्रकार की असुविधा न हो। वहीं बीएलओ ने ग्राम प्रधानों, बीएलओ-2 तथा उपस्थित नागरिकों से ऐसे मतदाताओं तक पहुंचने में सहयोग मांगा, जिन्होंने अब तक गणना प्रपत्र (एन्यूमरेशन फॉर्म) जमा नहीं किया है। उनसे समय पर प्रपत्र उपलब्ध कराने के लिए जनसहयोग की अपील की गई। वहीं चुनाव पाठशाला के माध्यम से मतदाताओं, सामाजिक कार्यकताओं और विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों को विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान की पूरी प्रक्रिया, उद्देश्य और आवश्यक औपचारिकताओं की जानकारी भी दी गई, ताकि अधिक से अधिक पात्र मतदाता इस अभियान से जुड़ सकें।

99 छात्र-छात्राओं के बीच किया नि:शुल्क साइकिल वितरण

तालझारी । तालझारी प्रखंड मुख्यालय परिसर में बुधवार को सरकार की निशुल्क साइकिल योजना के तहत प्रभारी प्रखंड कल्याण पदाधिकारी नवीन कुमार ने आठवीं कक्षा में अध्ययनरत छात्र-छात्राओं के बीच साइकिल वितरण किया। उन्होंने बताया कि सरकार की निशुल्क साइकिल योजना के तहत आठवीं कक्षा में अध्ययन कर रहे 99 छात्र-छात्राओं के बीच निशुल्क साइकिल का वितरण किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि यूएचएस मसकलैया विद्यालय के 55 लडका व 49 लडकी के बिच साइकिल वितरण किया। साथ ही उन्होंने बताया कि स्कूली बच्चों को साइकिल मिलने से विद्यालय आने में सुविधा होगी। उन्होंने सभी छात्र-छात्राओं को प्रतिदिन विद्यालय आने की अपील किया।

मतदाता सूची को शत-प्रतिशत त्रुटिरहित एवं अद्यतन बनाने पर जोर, उपायुक्त ने किया बूथों का निरीक्षण

एक भी पात्र मतदाता मतदाता सूची से वंचित नहीं रहना चाहिए : उपायुक्त

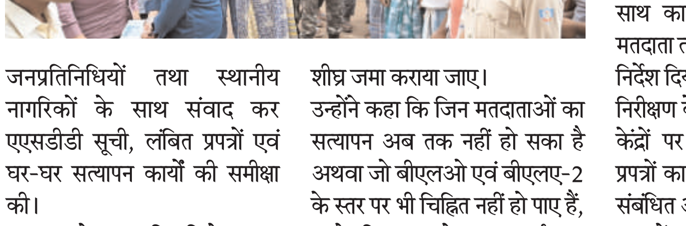

बिभा संवाददाता

पाकुड़। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार संचालित मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान के तहत जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त मेघा भारद्वाज ने बुधवार को पाकुड़ विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न मतदान केंद्रों का निरीक्षण कर पुनरीक्षण कार्यों की समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने मध्य विद्यालय नरोत्तमपुर स्थित मतदान केंद्र संख्या-214 एवं 215, मध्य विद्यालय वल्लभपुर स्थित मतदान केंद्र संख्या-434 एवं 435 तथा कीताझोर स्थित मतदान केंद्र संख्या-398, 399 एवं 400 का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने मतदान केंद्रों पर आयोजित बीएलओ-बीएलए-2 बैठक एवं चुनाव पाठशाला में भाग लिया। उन्होंने बीएलओ, बीएलए-2, जनप्रतिनिधियों तथा स्थानीय नागरिकों के साथ संवाद कर एएसडीडी सूची, लंबित प्रपत्रों एवं घर-घर सत्यापन कार्यों की समीक्षा की।

उपायुक्त ने कहा कि विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान का उद्देश्य प्रत्येक पात्र नागरिक का नाम मतदाता सूची में शामिल करना तथा अपात्र प्रविष्टियों को नियमानुसार हटाकर मतदाता सूची को शुद्ध, अद्यतन एवं विश्वसनीय बनाना है। उन्होंने निर्देश दिया कि जिन पात्र मतदाताओं का नाम किसी कारणवश मतदाता सूची में शामिल नहीं हो पाया है, उनका प्रपत्र भरवाकर शीघ्र जमा कराया जाए।

उन्होंने कहा कि जिन मतदाताओं का सत्यापन अब तक नहीं हो सका है अथवा जो बीएलओ एवं बीएलए-2 के स्तर पर भी चिह्नित नहीं हो पाए हैं, उनके लिए 23 से 25 जुलाई तक विशेष घर-घर सत्यापन अभियान चलाया जाएगा। इस दौरान ऐसे मतदाताओं का सत्यापन कर आवश्यक प्रपत्र प्राप्त किए जाएंगे।

उपायुक्त ने कहा कि एक भी पात्र मतदाता मतदाता सूची से वंचित नहीं रहना चाहिए। इसके लिए विशेष शिविर आयोजित कर छूटे हुए पात्र मतदाताओं से आवेदन प्राप्त किए जाएंगे तथा लंबित मामलों का समयबद्ध निष्पादन सुनिश्चित किया जाएगा। उन्होंने बीएलओ एवं बीएलए-2 को आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए प्रत्येक पात्र मतदाता तक पहुंच सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।

निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने मतदान केंद्रों पर उपलब्ध अभिलेखों एवं प्रपत्रों का भी अवलोकन किया तथा संबंधित अधिकारियों को सभी लंबित मामलों का निर्धारित समय-सीमा के भीतर निष्पादन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। इस अवसर पर एईआरओ सह अंचलाधिकारी अरविंद कुमार बेदिया, अतिरिक्त एईआरओ सह कार्यपालक पदाधिकारी अमरेंद्र कुमार चौधरी, बीएलओ सुपरवाइजर, बीएलओ, बीएलए-2, जनप्रतिनिधि एवं अन्य संबंधित पदाधिकारी उपस्थित थे।

लंबित मामलों के शीघ्र निष्पादन पर डीएसपी सख्त, फरार आरोपितों की गिरफ्तारी के निर्देश

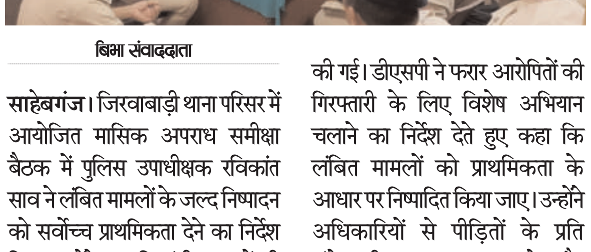

बिभा संवाददाता

साहेबगंज। जिरवाबाड़ी थाना परिसर में आयोजित मासिक अपराध समीक्षा बैठक में पुलिस उपाधीक्षक रविकांत साव ने लंबित मामलों के जल्द निष्पादन को सर्वोच्च प्राथमिकता देने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि गंभीर मामलों की जांच में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी और सभी अनुसंधान पदाधिकारी गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध अनुसंधान सुनिश्चित करें। वहीं बैठक के दौरान दर्ज कांडों की प्रगति, केस डायरी, साक्ष्य संकलन, आरोपितों की गिरफ्तारी और चार्जशीट दाखिल करने की स्थिति की विस्तार से समीक्षा की गई। डीएसपी ने फरार आरोपितों की गिरफ्तारी के लिए विशेष अभियान चलाने का निर्देश देते हुए कहा कि लंबित मामलों को प्राथमिकता के आधार पर निष्पादित किया जाए। उन्होंने अधिकारियों से पीड़ितों के प्रति संवेदनशील व्यवहार अपनाने और प्रत्येक मामले में निष्पक्ष व पारदर्शी जांच सुनिश्चित करने को कहा। डीएसपी ने कहा कि प्रभावी अनुसंधान और त्वरित कार्रवाई से ही आम लोगों का पुलिस पर विश्वास मजबूत होगा। बैठक में जिरवाबाड़ी थाना प्रभारी शशि कुमार सिंह समेत सभी अनुसंधान पदाधिकारी उपस्थित रहे।

सिक्किम की सुरंग में गैस रिसाव से विस्फोट, खूंटी के दो समेत झारखंड के तीन प्रवासी मजदूरों की मौत

रोजगार की तलाश में तीन माह पहले गए थे सिक्किम, गांव में पसरा मातम; परिजनों ने सरकार से सहायता की लगाई गुहार

बिभा संवाददाता

खूँटी। सिक्किम के नामची जिले में निमार्णाधीन जल विद्युत परियोजना की सुरंग में गैस रिसाव के बाद हुए विस्फोट में सोमवार को झारखंड के तीन प्रवासी मजदूरों की मौत हो गई। मृतकों में खूँटी जिले के रनिया प्रखंड के डाहु गांव निवासी 22 वर्षीय कृष्णा साहू, बुदडू विकास कण्डुलना तथा पश्चिमी सिंहभूम जिले के बंदगाँव प्रखंड के कुमसिंग मदुरा गांव निवासी मसीह बरजो शामिल हैं। हादसे की सूचना मिलते ही तीनों परिवारों में कोहराम मच गया और गांव में शोक की लहर दौड़ गई।

जानकारी के अनुसार, नामची जिले के समरडुंग में एनएचपीसी की तीस्ता स्टेज-6 जल विद्युत परियोजना के निमार्णाधीन हेड रेस टनल में सोमवार अपराह्न करीब तीन बजे गैस रिसाव के बाद विस्फोट हुआ। विस्फोट से सुरंग का एक हिस्सा धंस गया, जिससे कई मजदूर मलबे में दब गए। हादसे में कृष्णा साहू और बुदडू विकास कण्डुलना की मौत हो गई, जबकि कृष्णा का भाई बबलू साहू घायल हो गया। मसीह बरजो के भी हादसे में मारे जाने की सूचना है। बचाव दल द्वारा राहत एवं बचाव कार्य जारी है।

बताया गया कि तीनों मजदूर लगभग तीन माह पूर्व रोजगार की तलाश में झारखंड से करीब एक हजार किलोमीटर दूर सिक्किम गए थे और पटेल इंजीनियरिंग कंपनी के माध्यम से परियोजना में कार्यरत थे। घटना की सूचना कंपनी के कर्मियों ने परिजनों को दी, जिसके बाद परिवार के सदस्य सिक्किम के लिए रवाना हो गए। मृतक मसीह बरजो और बुदडू विकास कण्डुलना अपने-अपने परिवार के एकमात्र कमाने वाले सदस्य थे। दोनों के तीन-तीन छोटे बच्चे हैं। वहीं कृष्णा साहू भी परिवार की आर्थिक जिम्मेदारी निभा रहा था। हादसे के बाद तीनों परिवारों का रो-रोकर बुरा हाल है और ग्रामीणों ने सरकार से उचित मुआवजा, आश्रितों को नौकरी तथा हरसंभव सहायता उपलब्ध कराने की मांग की है।

मृतक मसीह बरजो के पुत्र दयाल बरजो ने बताया कि पिताजी ही परिवार के इकलौते कमाने वाले थे। सरकार से हमारी मांग है कि हमें आर्थिक सहायता और परिवार के किसी सदस्य को रोजगार दिया जाए।₹ मृतक बुदडू विकास कण्डुलना के भाई अजय कण्डुलना ने कहा कि ₹भाई रोजगार के लिए सिक्किम गए थे, लेकिन उनका शव वापस आ रहा है। परिवार पूरी तरह टूट गया है। सरकार हमारी मदद करे।

मृतक कृष्णा साहू के पिता लालू साहू एवं माता बिरसमणी देवी बतायी कि ₹बेटा परिवार का सहारा था। उसकी मौत से हमारा सब कुछ उजड़ गया। सरकार से न्याय और सहायता की उम्मीद है।₹

अर्जुन मुण्डा ने किया शोक व्यक्त

झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री पूर्व केंद्रीय मंत्री रहे अर्जुन मुंडा अपने प्रदेश के तीन लोगों की मौत पर गहरी संवेदना व्यक्त किये हैं। उन्होंने सोशल मीडिया एक्स प्लेटफार्म पर संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि मजदूरों की हादसे में दर्दनाक असामयिक निधन काफी मर्माहत करती है।

बाबा आम्रेश्वर धाम में श्रावणी मेला तैयारी को लेकर उपायुक्त और एसपी ने स्थलीय निरीक्षण

बिभा संवाददाता

खूँटी। झारखण्ड में भोलेनाथ की दूसरी बड़ी नगरी खूँटी जिले के बाबा आम्रेश्वर धाम में श्रावणी मेला तैयारी को लेकर उपायुक्त जावेद हुसैन और एसपी ऋषभ गर्ग ने बुधवार को स्थलीय निरीक्षण किया। इस दौरान प्रबंध समिति के पदाधिकारियों के साथ धाम परिसर के कार्यालय में बैठक की। बैठक में वाहन रुट, वाहन पड़ाव, सड़क, सफाई, सुरक्षा आदि के सम्बन्ध में विस्तार से विचार विमर्श किया गया।

मौके पर बाबा आम्रेश्वर धाम प्रबंध समिति के महामंत्री मनोज कुमार ने उपायुक्त व एसपी से तैयारी के विषय में जानकारी देते हुए कहा कि श्रावणी मेला की तैयारी जोरों पर किया जा रहा है। वहीं रंग-रोगन, टेंट लाईट, साफ सफाई सीसीटीवी कैमरा जल एवं स्नानागार सहित सारा व्यवस्था किया जा रहा है। इस तैयारी का निरीक्षण करने आज उपायुक्त और एसपी बाबा आम्रेश्वर धाम का दौरा किये और वस्तुस्थिति का जायजा लिये। वहीं सीसीटीवी कैमरे, साफ सफाई विधि व्यवस्था की तैयारी व कार्य गति का प्रबंधन समिति के पदाधिकारियों से जानकारी लिये।

उपायुक्त जावेद हुसैन ने कहा कि बाहर के प्रदेशों से आने वाले दर्शनार्थियों और पूजा करने वाले कांवरियों को आवागमन में कोई बाधा न हो और शांतिपूर्वक पूजा कर सकें। इसमें जिला प्रशासन बाबा आम्रेश्वर धाम प्रबंध समिति के साथ मिलकर सहयोग करेगा। एसपी ऋषभ गर्ग ने कहा कि लोग निर्भीक होकर पूजा अर्चना कर सकें, इसलिए जिनकी सुरक्षा हेतु पुलिस प्रशासन तत्पर रहेगा।

मौके पर, उन्होंने तैयारी को लेकर निर्देश दिये। इस मौके पर, एसडीओ दीपेश कुमारी, डीएसपी मंगल सिंह जामुदा, तोरपा डीएसपी विजय कुमार सिंह, प्रखंड विकास पदाधिकारी नवीन चंद्र झा, प्रबंध समिति के कोषाध्यक्ष संतोष पोद्दार, मंत्री महेन्द्र भगत, आदि उपस्थित थे।

संक्षिप्त खबरें

पलासडीह गांव में 63 केवीए ट्रांसफॉर्मर का उद्घाटन किया गया

सिल्ली(बिभा): सिल्ली प्रखंड के पंचायत गोड़ाडीह अंतर्गत गांव पलासडीह में बुधवार को 63 केवीए का नया बिजली ट्रांसफॉर्मर लगाया गया। सिल्ली प्रखंड कांग्रेस अध्यक्ष कार्तिक चन्द्र महतो ने विधिवत पूजा-अर्चना कर ट्रांसफॉर्मर का उद्घाटन किया। गांव के दिनेश कुमार महतो ने बताया कि पिछले कई दिनों से पुराना 63 केवीए ट्रांसफॉर्मर खराब पड़ा था। इसके कारण बिजली आपूर्ति बाधित थी और ग्रामीण अंधेरे में रहने को मजबूर थे। क्षेत्र के लोगों ने समस्या को लेकर कार्तिक चन्द्र महतो से संपर्क किया था। उनके प्रयास से नया ट्रांसफॉर्मर मंगवाकर लगाया गया। अब गांव में बिजली बहाल होने से ग्रामीणों को बड़ी राहत मिली है।इस अवसर पर सिल्ली प्रखंड कांग्रेस महासचिव शमशेर आलम, सहदेव मांझी, मुकेश कुमार, श्रवण महतो, मन्सू ठाकुर, फेकन महतो, धीरेन्द्र महतो, संजय महतो, गौतम महतो, लम्बोदर महतो, लखी चरण महतो, प्रेमानंद महतो, अभिनाश महतो उपस्थित थे। साथ ही बिजली मिस्त्री चन्द्र मोहन महतो, गंगाधर महतो, जयप्रकाश महतो, सुफल वेदिया सहित कई ग्रामीण मौजूद रहे।

किसान सभा का उग्र विरोध, भारत-अमेरिका व्यापार समझौते के खिलाफ मोदी-ट्रंप का पुतला दहन

सिल्ली(बिभा) : अखिल भारतीय किसान सभा के देशव्यापी आव्हान पर झारखंड राज्य किसान सभा द्वारा भारत - अमेरिका व्यापार समझौता के खिलाफ अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प एवं भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का पूतला दहन किया गया। किसान विरोधी भारत - अमेरिका व्यापार समझौता रद्द करो, भारतीय किसानों एवं देश की बरबादी नहीं चलेगा, अमेरिकी उत्पादो के लिए मुक्त भारतीय बाजार नहीं चलेगा, भारतीय किसानों पर 18 प्रतिशत टेरिफ नहीं चलेगा, देश बेचना नहीं चलेगा, दिल्ली में अनशन कारी छात्रों पर बर्बर लाठीचार्ज नहीं चलेगा आदि नारे लग रहे थे। किसान नेता सुफल महतो ने कहा भारत - अमेरिका व्यापार समझौता भारतीय किसानों के लिए मौत की घंटी है, अमेरिकी उत्पादों के लिए मुक्त भारतीय बाजार एवं भारतीय किसानों पर 18 प्रतिशत टेरिफ का व्यापार समझौता भारतीय संप्रभुता को अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प के सामने आत्म समर्पण है,आज देशव्यापी आव्हान पर भारत - अमेरिका व्यापार समझौता के खिलाफ देश भर में पूतला दहन किया गया। किसान भारत - अमेरिका व्यापार समझौता सहित किसान विरोधी कानूनों के खिलाफ 10 अगस्त को देशव्यापी जेलभरो आन्दोलन एतिहासिक होगा। दिल्ली में अनशन कारी छात्रों पर बर्बर लाठीचार्ज आजाद भारत में सबसे बर्बर और तानाशाही, असंवेदनशील कदम है मोदी सरकार का जिसका देशभर में निंदा हो रहा है।इस अवसर पर झारखंड राज्य किसान सभा के अध्यक्ष असिम सरकार, उपाध्याय - सुरजीत सिन्हा, संयुक्त सचिव स्वपन महतो, प्रफुल्ल लिंडा, रघुवीर मंडल, मदुवा कच्छप, शंकर उरांव,के. पी. सिंह, लखन मंडल, विकास ठाकुर,,शिववालक पासवान,महिला नेत्री बिणा लिंडा, शिवानी पाल, रंगोवती देवी, माया लायक,सुमना लाहरी ,अमर पाण्डेय आदि उपस्थित थे।

वर्षों से सड़क पर कब्जा जमाए अतिक्रमणकारियों पर चला बुलडोजर

पलामू(बिभा)। जिले के हुसैनाबाद नगर पंचायत क्षेत्र के मुख्य बाजार में बुधवार को नगर प्रशासन ने अतिक्रमण के खिलाफ सख्त अभियान चलाते हुए सार्वजनिक सड़क पर किए गए अवैध कब्जों को जेसीबी मशीन की मदद से हटाया। इस कार्रवाई से पूरे बाजार क्षेत्र में हड़कंप मच गया और वर्षों से सड़क की जमीन पर अतिक्रमण कर बैठे दुकानदारों में अफरा-तफरी का माहौल देखने को मिला। अभियान के दौरान दुकानों के बाहर बनी अवैध सीढ़ियों को तोड़ा गया, सड़क किनारे लगाए गए साइन बोर्ड उखाड़े गए और सार्वजनिक मार्ग पर किए गए अन्य अतिक्रमण को भी हटाया गया। वहीं अंबेडकर चौक पर लगाए जाने वाले अस्थायी ठेलों को भी हटाकर सड़क को अतिक्रमण मुक्त कराया गया। नगर प्रशासन ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि भविष्य में यदि किसी भी व्यक्ति या दुकानदार की ओर से दोबारा सार्वजनिक सड़क या सरकारी भूमि पर अतिक्रमण किया गया तो उसके खिलाफ नियमानुसार जुमार्ना लगाया जाएगा और कानूनी कार्रवाई भी की जाएगी।

खूंटी में डोडा तस्करी का भंडाफोड़, 18.400 किलो डोडा के साथ दो गिरफ्तार ट्रेलर समेत डोडा जब्त

बिभा संवाददाता

खूँटी। पुलिस को मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ बड़ी सफलता मिली है। मुरहू थाना क्षेत्र के पेलोल पुल के पास खड़ी पंजाब नंबर की 18 चक्का ट्रेलर से 18 किलो 400 ग्राम अवैध पिसा हुआ डोडा बरामद किया गया है। मामले में पुलिस ने ट्रेलर के मालिक सह चालक बूटा सिंह तथा खलासी शिबो मुण्डा को मौके से गिरफ्तार किया। जिन दोनों को बुधवार को दोनों आरोपियों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

पुलिस अधीक्षक को मिली गुप्त सूचना के आधार पर वरीय अधिकारियों के निर्देश पर विशेष छापामारी दल का गठन किया गया। मुरहू थाना क्षेत्र के पेलोल पुल के समीप खड़ी ट्रेलर संख्या पीबी-46एम-9811 की विधिवत तलाशी लेने पर उसमें से 18.400 किलोग्राम अवैध पिसा हुआ डोडा बरामद हुआ। बरामद डोडा की अनुमानित कीमत करीब 2 लाख 76 हजार रुपये बताई गई है।

इस संबंध में एनडीपीएस थाना, खूँटी में कांड संख्या 13/26 के तहत एनडीपीएस अधिनियम की धारा 15(बी)/29 के अंतर्गत मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है।

डीएसपी ने बताया कि गिरफ्तार दोनों आरोपियों को पकड़कर पूछताछ की गयी तो ट्रेलर मालिक सह चालक बूटा सिंह ने बताया कि वो बड़बील से डोडा को लिया था लेकिन अच्छा डोडा नहीं दिया जिसे उसके पास लौटाने जा रहा था। तभी दोनों आरोपियों को पकड़कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। और आगे कि कार्रवाई की जा रही है।

छापेमारी अभियान का नेतृत्व अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी मंगल सिंह जामुदा ने किया। अभियान में एनडीपीएस थाना के पुलिस पदाधिकारियों और सशस्त्र बल के जवान शामिल थे। पुलिस ने ट्रेलर, एक ओप्पो कंपनी का मोबाइल फोन तथा बरामद डोडा को जब्त कर लिया है।

दोहरे हत्याकांड का खुलासा, मुख्य आरोपी गिरफ्तार; हत्या में प्रयुक्त लोहे का टुकड़ा बरामद

बिभा संवाददाता

खूँटी। मुरहू थाना क्षेत्र अंतर्गत सीटीलोवाडीह गांव मू विगत 21 जुलाई को महिला व पुरूष की हत्या मामले में आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया। जिसे मामला दर्ज कराने के महज 24 घंटा के अंदर ही नामजद आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने आरोपी की निशानदेही पर हत्या में प्रयुक्त लोहे का नुकीला टुकड़ा भी बरामद किया है।

पुलिस के अनुसार, 21 जुलाई 2026 को मुरहू थाना क्षेत्र के सिटीलोवाडीह गांव निवासी लांगो बोदरा और उनकी पत्नी आलिसा बोदरा की हत्या सलाय बोदरा (25) ने ही बसूला से मार की थी। सूचना के आधार पर मुरहू थाना में कांड संख्या 55/26 दर्ज कर भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 103(1) के तहत मामला दर्ज किया गया।

पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी मंगल सिंह जामुदा के नेतृत्व में गठित विशेष छापेमारी दल ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी सुगोष बोदरा को गिरफ्तार कर न्यायालय में प्रस्तुत किया, जहां से उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। पूछताछ के दौरान आरोपी की निशानदेही पर हत्या में प्रयुक्त लोहे का नुकीला टुकड़ा बरामद कर जब्त कर लिया गया। छापेमारी अभियान में पुलिस निरीक्षक अशोक कुमार सिंह, थाना प्रभारी नायल गोडविन केरकेट्टा सहित मुरहू थाना के पुलिस पदाधिकारी एवं सशस्त्र बल के जवान शामिल थे। पुलिस मामले की आगे की जाँच में जुटी है।

झारखंड आंदोलनकारियों का समूह बीमा कराए सरकार : पुष्कर

रांची(बिभा)। झारखंड आंदोलनकारी संघर्ष मोर्चा के संस्थापक प्रधान सचिव पुष्कर महतो ने कहा कि राज्य सरकार झारखंड आंदोलनकारियों के लिए समूह बीमा योजना लागू करे। ताकि आंदोलनकारियों के आकस्मिक निधन की लगातार बढ़ती घटनाओं को देखते हुए सरकार को उनके परिवारों की आर्थिक सुरक्षा के लिए शीघ्र ठोस पहल करनी चाहिए। पुष्कर महतो ने बुधवार को जारी प्रेस विज्ञप्ति में कहा कि बोकारो जिले के चास प्रखंड स्थित उकरीद गांव निवासी झारखंड आंदोलनकारी अब्दुल कलाम और चतरा निवासी जियाउद्दीन खान के आकस्मिक निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि अलग झारखंड राज्य के निर्माण के लिए संघर्ष करने वाले आंदोलनकारियों ने अपने जीवन का महत्वपूर्ण समय राज्य के हित में समर्पित किया, लेकिन आज अनेक आंदोलनकारी आर्थिक, सामाजिक और पारिवारिक कठिनाइयों का सामना कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार स्वतंत्रता सेनानियों के सम्मान और कल्याण के लिए विशेष योजनाएं संचालित हैं, उसी तरह झारखंड आंदोलनकारियों के लिए भी प्रभावी सामाजिक सुरक्षा व्यवस्था बनाई जानी चाहिए। उनका कहना था कि समय के साथ आंदोलनकारियों की संख्या लगातार कम होती जा रही है, इसलिए सरकार को उनके सम्मान और परिवारों के भविष्य को सुरक्षित करने के लिए समूह बीमा सहित अन्य कल्याणकारी योजनाओं पर शीघ्र निर्णय लेना चाहिए।

उप विकास आयुक्त प्रवीण कुमार प्रकाश ने बनई नदी में प्रस्तावित छलटा डैम निर्माण स्थल का किया निरीक्षण

बिभा संवाददाता

खूँटी। जिले के प्रसिद्ध श्रावणी मेला के शुरू होने से पहले जिला प्रशासन जनता के सहयोगात्मक भावना के साथ तैयारी में अपनी भूमिका अदा कर रही है। वहीं बुधवार को उपायुक्त के निर्देश पर उप विकास आयुक्त प्रवीण कुमार प्रकाश ने पैलोल स्थित बनई नदी में प्रस्तावित एवं स्वीकृत छलटा डैम निर्माण स्थल का निरीक्षण किया। यह योजना न्यास परिषद् एवं प्रबंधकीय समिति, जिला खनिज फाउण्डेशन ट्रस्ट, खूँटी द्वारा प्रमुख धार्मिक स्थल पर आने वाले श्रद्धालुओं की सुविधा, सुरक्षित स्नान एवं आवागमन को ध्यान में रखते हुए स्वीकृत की गई है।

निरीक्षण के दौरान उप विकास आयुक्त ने संबंधित पदाधिकारियों एवं कार्यकारी एजेंसी के साथ स्थल का विस्तृत जायजा लिया तथा योजना के क्रियान्वयन हेतु आवश्यक तकनीकी एवं प्रशासनिक पहलुओं की समीक्षा की। उन्होंने निर्माण कार्य से पूर्व सभी आवश्यक प्रक्रियाओं को समयबद्ध रूप से पूर्ण करते हुए गुणवत्तापूर्ण कार्य सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि यह योजना श्रद्धालुओं की सुविधा के साथ-साथ धार्मिक स्थल पर आधारभूत संरचना को सुदृढ़ करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है। निर्माण कार्य पूर्ण होने के बाद श्रद्धालुओं को स्नान एवं आवागमन में बेहतर सुविधा उपलब्ध होगी।

निरीक्षण के दौरान कार्यपालक अभियंता, एनआरईपी, परियोजना पदाधिकारी, जिला परिषद्, कनीय अभियंता, एनआरईपी एवं अन्य संबंधित पदाधिकारी उपस्थित रहे।

खाद्य सुरक्षा विभाग की बड़ी कार्रवाई, 300 से अधिक एक्सपायरी खाद्य सामग्री जब्त

बिभा संवाददाता

खूँटी। खाद्य सुरक्षा विभाग ने जिले में उपभोक्ताओं के स्वास्थ्य से खिलवाड़ करने वालों के खिलाफ अभियान चलाते हुए बड़ी कार्रवाई की है। विभागीय आदेश के आलोक में बुधवार को जिला खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी प्रगति सिंह के नेतृत्व में खूंटी शहर के विभिन्न दुकान एवं प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया गया।

निरीक्षण के दौरान तमाड़ रोड स्थित मेसर्स खुशी जनरल स्टोर सहित झारक्राफ्ट क्षेत्र के आसपास के प्रतिष्ठानों में बड़ी मात्रा में एक्सपायरी खाद्य सामग्री पाई गई। जांच में कई ऐसे खाद्य उत्पाद मिले जिनकी वैधता अवधि समाप्त हो चुकी थी। विभागीय टीम ने सभी एक्सपायरी खाद्य सामग्री को जब्त कर लिया।

जब्त की गई सामग्री में बेस्ट चॉइस रिफाइंड तेल, टोस्ट, भारत ब्रांड पापड़, लिज्जत ब्रांड पापड़, टीएमडी ब्रांड गरम मसाला एवं मिक्स मसाला, सेवई, बाबा ब्रांड गोलकी पाउडर तथा गौतम ब्रांड नमकीन सहित विभिन्न खाद्य उत्पाद शामिल हैं। कुल मिलाकर 300 से अधिक एक्सपायरी खाद्य सामग्री बरामद की गई।

जिला खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी प्रगति सिंह ने बताया कि उपभोक्ताओं के स्वास्थ्य की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है। खाद्य सुरक्षा मानकों का उल्लंघन करने वाले प्रतिष्ठानों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने दुकानदारों को एक्सपायरी खाद्य सामग्री की बिक्री नहीं करने तथा नियमित रूप से अपने स्टॉक की जांच करने की हिदायत दी। यह जानकारी विभाग के सूरज नायक दी।

सफलता की कहानी: गोबर गैस, धुएँ से मुक्ति और हरियाली की नई राह सिमडेगा जिला प्रशासन की पहल से बोलबा एवं ठेठईटांगर प्रखंड में सामुदायिक गोबर गैस संयंत्र बना ग्रामीण विकास का नया मॉडल

बिभा संवाददाता

सिमडेगा: स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) के अंतर्गत सिमडेगा जिला प्रशासन द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में स्वच्छ ऊर्जा, पर्यावरण संरक्षण एवं सतत आजीविका को बढ़ावा देने के उद्देश्य से बोलबा एवं ठेठईटांगर प्रखंड में सामुदायिक गोबर गैस संयंत्रों की स्थापना की गई है। यह पहल आज ग्रामीण जीवन में सकारात्मक बदलाव का सशक्त उदाहरण बन चुकी है।

बोलबा प्रखंड के समसेरा पंचायत स्थित बोलबा मुखिया टोली में 30 घनमीटर क्षमता का सामुदायिक गोबर गैस संयंत्र स्थापित किया गया है। गांव के सभी 19 परिवारों के पास पशुधन उपलब्ध है तथा सभी परिवारों को संयंत्र से गैस कनेक्शन प्रदान किया गया है। वर्तमान में प्रत्येक परिवार को प्रतिदिन तीनों समय भोजन पकाने के लिए पर्याप्त मात्रा में गैस उपलब्ध हो रही है।

इस पहल से ग्रामीणों, विशेषकर महिलाओं के जीवन में उल्लेखनीय परिवर्तन आया है। पहले भोजन पकाने के लिए जंगलों से जलावन लकड़ी लानी पड़ती थी, जिससे समय, श्रम और पर्यावरण—तीनों पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता था। अब गोबर गैस के उपयोग से रसोई के धुएँ से पूरी तरह मुक्ति मिली है, जिससे महिलाओं और बच्चों के स्वास्थ्य में सुधार हुआ है। साथ ही, जलावन के लिए पेड़ों की कटाई की आवश्यकता भी समाप्त हो गई है, जिससे वन संरक्षण को बढ़ावा मिला है।

इस संयंत्र का एक अन्य महत्वपूर्ण लाभ यह है कि गैस उत्पादन के बाद बचने वाली बायो-स्लरी उच्च गुणवत्ता वाली जैविक खाद में परिवर्तित हो जाती है। किसान इस खाद का उपयोग अपने खेतों में कर रहे हैं, जिससे रासायनिक उर्वरकों पर निर्भरता कम हो रही है, मिट्टी की उर्वरता बढ़ रही है तथा टिकाऊ एवं प्राकृतिक खेती को प्रोत्साहन मिल रहा है।

संयंत्र के सफल संचालन के लिए ग्रामीण प्रतिदिन नियमित रूप से गोबर उपलब्ध कराते हैं। रख-रखाव एवं संचालन हेतु ग्रामसभा में निर्णय लेकर प्रति परिवार ?30 मासिक योगदान निर्धारित किया गया है। इसके संचालन एवं निगरानी की जिम्मेदारी कमल आजीविका स्वयं सहायता समूह, सीता आजीविका स्वयं सहायता समूह एवं जीवन आजीविका स्वयं सहायता समूह को सौंपी गई है। निर्माण एजेंसी द्वारा भी आगामी तीन वर्षों तक तकनीकी संचालन एवं रख-रखाव सुनिश्चित किया जा रहा है।

ठेठईटांगर प्रखंड में भी इसी मॉडल के माध्यम से ग्रामीण परिवारों को स्वच्छ ईंधन उपलब्ध कराया जा रहा है, जिससे स्वच्छ ऊर्जा, पर्यावरण संरक्षण और जैविक खेती को बढ़ावा मिल रहा है। यह पहल ग्रामीण समुदाय के लिए ҳकचरे से संपदा (हं२३ी ३ङ्ग हीं' ३ँ)ҳ की अवधारणा को साकार कर रही है। सिमडेगा जिला प्रशासन का यह प्रयास केवल स्वच्छ ईंधन उपलब्ध कराने तक सीमित नहीं है, बल्कि स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण), पर्यावरण संरक्षण, महिला सशक्तिकरण एवं जैविक कृषि को एक साथ जोड़ते हुए सतत विकास का एक सफल मॉडल प्रस्तुत कर रहा है। आने वाले समय में इस मॉडल का विस्तार जिले की अन्य पंचायतों में भी किया जाएगा, ताकि अधिक से अधिक ग्रामीण परिवार इस अभिनव पहल का लाभ प्राप्त कर सकें।

सीरीज शुरू होने से एक दिन पहले जिम्बाब्वे ने घोषित की टीम, त्सिगा को मौका

हरारे, एजेंसी। भारत के खिलाफ होने वाली तीन मैचों की टी20 सीरीज के लिए जिम्बाब्वे टीम का एलान कर दिया गया है। दिलचस्प बात यह है कि दोनों टीमों के बीच पहला मैच गुरुवार को होगा और इससे एक दिन पहले ही टीम घोषित हुई है। 15 सदस्यीय टीम में पहली बार विकेटकीपर बल्लेबाज तफादजवा त्सिगा को शामिल किया गया है। इसके साथ ही ऑलराउंडर वेस्ली मधेवेरे और पेसर न्यूमैन न्यामहुरी की जिम्बाब्वे टी20 टीम में वापसी हुई है।

ये तीनों खिलाड़ी क्लाइव मडेंडे, टिनोटेंडा मापोसा और ताशिंगा मुसेकिवा की जगह टीम में आए हैं, जो हाल ही में बांग्लादेश के खिलाफ खेलने वाली टीम का हिस्सा थे। टी20 सीरीज का पहला मुकाबला 23 जुलाई को खेला जाना है। वहीं, दूसरा मैच 25 जुलाई और अंतिम मैच 26 जुलाई को होगा। सीरीज के सभी मुकाबलों की मेजबानी हरारे का हरारे स्पोर्ट्स क्लब मैदान करेगा।

जिम्बाब्वे की ओर से 10 टेस्ट मैच खेल चुके त्सिगा ने अब तक सफेद गेंद की क्रिकेट में अपना डेब्यू नहीं किया है। बांग्लादेश सीरीज के दौरान टेस्ट और वनडे टीम में शामिल रहे मधेवेरे जुलाई 2025 के बाद पहली बार टी20 टीम में लौटे हैं। वह अब तक जिम्बाब्वे की ओर से कुल 79 टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले खेल चुके हैं। वहीं, न्यामहुरी चोट से उबरने के बाद टीम में वापसी कर रहे हैं। चोट के चलते वह बांग्लादेश के खिलाफ हुई वनडे सीरीज में टीम का हिस्सा नहीं रहे थे। न्यामहुरी की जगह बांग्लादेश के खिलाफ वनडे सीरीज में हिस्सा लेने वाले तनाका चिवांगा टीम में अपनी जगह बनाए रखने में सफल रहे हैं।

सिकंदर रजा करेंगे अगुआई

टीम की कमान सिकंदर रजा के हाथों में सौंपी गई है। बांग्लादेश के खिलाफ रजा की अगुआई में जिम्बाब्वे का प्रदर्शन शानदार रहा था। टीम ने एकमात्र टेस्ट और वनडे सीरीज को दमदार प्रदर्शन करते हुए अपने नाम किया था। हालांकि, टी20 सीरीज में जरूर जिम्बाब्वे को 1-2 से हार का सामना करना पड़ा था। मेजबान टीम के सामने भारत की मुश्किल चुनौती होगी। हालांकि, टीम इंडिया को हाल ही में आयरलैंड और इंग्लैंड के खिलाफ करारी हार का सामना करना पड़ा है। भारत और जिम्बाब्वे की आखिरी भिड़ंत टी20 विश्व कप 2026 के सुपर 8 स्टेज में हुई थी, जहां भारत ने जिम्बाब्वे को 72 रनों से हराया था।

भारत के खिलाफ टी20 सीरीज के लिए जिम्बाब्वे टीम: सिकंदर रजा (कप्तान), ब्रायन बेनेट, रयान बर्ल, तनाका चिवांगा, बेन करन, ब्रैड इवांस, वेस्ली मधेवेरे, तदीवानाशे मारुमानी (विकेटकीपर), वेलिंगटन मसाकाद्जा, ब्लेसिंग मुजारबानी, डियोन मायर्स, रिचर्ड नगारवा, न्यूमैन न्यामहुरी, मिल्टन शुम्बा, और तफादजवा त्सिगा (विकेटकीपर)।

लगातार तीसरा स्वर्ण जीतने पर टिकीं मीराबाई चानू की निगाहें, 48 किलो वर्ग में होगा आखिरी टूर्नामेंट

नई दिल्ली, एजेंसी। टोक्यो ओलंपिक की रजत पदक विजेता और स्टार भारोत्तोलक मीराबाई चानू ग्लासगों में 26 जुलाई को इतिहास रचने उत्तरेंगी। चानू लगातार तीसरे राष्ट्रमंडल खेल में स्वर्ण जीतने उतरेंगी, जो उनका लगातार चौथा पदक होगा। फिर भी उनकी निगाहें राष्ट्रमंडल से ज्यादा एशियाई खेलों पर हैं। बर्मिंघम में तैयारी कर रहीं मीरा ने अमर उजाला को बताया कि किसी भी बड़े खेल से पहले खिलाड़ी की कोशिश उच्चस्तरीय फॉर्म पाने की रहती है, लेकिन वह ग्लासगो में ज्यादा जोर नहीं लगाएंगी। उनकी 200 किलो वजन उठाने की भी कोशिश नहीं रहेगी। वह अपनी पीक 19 सितंबर से होने वाले एशियाई खेलों में हासिल करेंगी, जहां उनकी कोशिश अपने करियर का सर्वश्रेष्ठ (205 किलोग्राम वजन) को पीछे छोड़ने की होगी।

एशियाड में 49 किलो में खेलेंगी चानू

चानू ग्लासगों में 48 किलो में खेलेंगी, जबकि एशियाड में उन्हें 49 किलो में खेलना है। चानू को मालूम है कि यह 48 किलो में उनका अंतिम टूर्नामेंट है। यह भार अब ओलंपिक से बाहर हो गया है। मीरा ने इस भार में साल 2014 में रजत, 2018 में गोल्डकोस्ट में स्वर्ण और 49 किलो में बर्मिंधम राष्ट्रमंडल खेलों में स्वर्ण पदक जीता था। चानू कहती हैं कि वह फुल लोड नहीं लेकर एशियाड के लिए अच्छी तरह रिकवरी करना चाहती हैं।

चाहकर भी नहीं बन पा रही थीं ध्वजवाहक

चानू पहली बार भारतीय दल की ध्वजवाहक बनने जा रही है। मीरा कहती हैं हैं कि उनका सपना था कि वह किसी खेल के उद्घाटन समारोह में तिरंगा उठाएं। हमेशा उद्घाटन के अगले दिन कंपटीशन रहने के चलते वह चाहकर भी ध्वजवाहक नहीं बन पाती थीं। इस बार कंपटीशन समारोह के बाद है, जिससे उन्हें यह मौका मिल गया। भारतीय टीम के कोच विजय शर्मा के मुताचिक, मीरा के सामने नाइजीरिया की रूथ असोडको और मलयेशिया की इरिन जेन हेनरी की चुनौती हैं। रूथ ने बीते वर्ष भारत में राष्ट्रमंडल चैंपियनशिप में 167 किलो से रजत और इरिन ने 161 किलो से कांस्य जीता था। ऐसे में मीरा के सामने यहां बड़ी चुनौती नहीं है।

कुलदीप ने काउंटी क्लब यॉर्कशायर से किया करार

लीड्स। भारतीय टीम के कलाई के स्पिनर कुलदीप यादव ने बुधवार को इंग्लिश काउंटी क्लब यॉर्कशायर से करार किया है। कुलदीप मौजूदा सीजन में टीम के लिए आठ मुकाबले खेलेंगे। कुलदीप पिछले कुछ समय से भारतीय प्लेइंग-11 का हिस्सा नहीं बन रहे हैं। लेकिन अब वह काउंटी क्रिकेट में खेलेंगे। कुलदीप वनडे कप के पांच मैच खेलने के साथ ही तीन लाल गेंद क्रिकेट के मुकाबले खेलेंगे।

यॉर्कशायर क्लब ने अपनी वेबसाइट पर जानकारी देते हुए कहा, यॉर्कशायर काउंटी क्रिकेट क्लब को भारतीय स्पिनर कुलदीप यादव को विदेशी खिलाड़ी के तौर पर साइन करने की घोषणा करते हुए खुशी हो रही है। 31 साल के कुलदीप वन डे क' के पांच मैचों के लिए उपलब्ध रहेंगे और इसके बाद सितंबर में काउंटी चैंपियनशिप के आखिरी चार में से तीन मैचों के लिए हेडिंग्ले लौटेंगे।

यॉर्कशायर से जुड़ने पर उत्सुक कुलदीप

यॉर्कशायर से जुड़ने पर कुलदीप ने कहा, यॉर्कशायर से जुड़कर मुझे बहुत खुशी हो रही है और मैं इस मौके के लिए आभारी हूं। यॉर्कशायर के गौरवशाली इतिहास वाले क्लब का प्रतिनिधित्व करना मेरे लिए सचमुच सम्मान की बात होगी। मुझे हमेशा से इंग्लिश कंडिशन्स में खेलने की चुनौती पसंद रही है और मैनेजमेंट से बात करने के बाद मैं टीम से जुड़ने के लिए बहुत उत्साहित हो गया हूं।

अनुष्का के साथ वृंदावन पहुंचे कोहली, प्रेमानंद महाराज के किए दर्शन, कीचड़ में नंगे पैर चले

वृंदावन। भारतीय टीम के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली ने इंग्लैंड के खिलाफ वनडे सीरीज के बाद प्रेमानंद महाराज के दर्शन किए। कोहली बुधवार को पत्नी अनुष्का शर्मा के साथ वृंदावन पहुंचे जहां दोनों ने प्रेमानंद महाराज के दर्शन किए। कोहली इससे पहले आईपीएल 2026 खत्म होने के बाद भी प्रेमानंद महाराज का आशीर्वाद लेने पहुंचे थे। मालूम हो कि आरसीबी ने इस सीजन खिताब अपने नाम किया था। 29 जुलाई को गुरू पूर्णिमा है और इससे पहले ही कोहली ने अनुष्का संग प्रेमानंद महाराज के दर्शन किए हैं।

कोहली और अनुष्का को श्री हित राधा केली कुंज आश्रम में नंगे पैर घूमते हुए देखा गया और उनके इस दौरे के वीडियो तेजी

से सोशल मीडिया पर वायरल हो गए। ऑनलाइन वायरल हो रहे कई वीडियो में इन दोनों को कड़ी सुरक्षा के बीच आश्रम पहुंचते हुए देखा जा सकता है। अनुष्का और विराट दोनों ने ही फेस मास्क पहनकर अपनी पहचान छिपाने की कोशिश की। आश्रम से बाहर निकलते समय विराट और अनुष्का ने हाथ में प्रसाद लिया हुआ था और वे कीचड़ भरे रास्तों पर नंगे पैर चल रहे थे।

प्रेमानंद महाराज के दर्शन लिए अनुष्का ने सिंपल सफेद सलवार-सूट पहना, जबकि विराट टी-शर्ट और पैंट में कैजुअल लुक में नजर आए। प्रेमानंद महाराज का आशीर्वाद लेने से पहले, यह दोनों आश्रम परिसर में घूमते हुए दिखे। कोहली और अनुष्का की तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हो रही हैं।

रोहित ने लगाई लंबी छलांग नंबर-1 की दौड़ हुई रोमांचक

नई दिल्ली, एजेंसी। इंग्लैंड दौरे पर लॉर्ड्स में खेली गई शानदार 138 रन की पारी का इनाम भारतीय कप्तान रोहित शर्मा को आईसीसी वनडे बल्लेबाजों की ताजा रैंकिंग में मिला है। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट काउंसिल (आईसीसी) द्वारा जारी साप्ताहिक रैंकिंग में रोहित 14 रेटिंग अंक की बढ़त के साथ चौथे स्थान पर पहुंच गए हैं और अब वह शीर्ष स्थान की दौड़ में मजबूती से शामिल हो गए हैं।

डेरिल मिचेल का दबदबा

फिलहाल न्यूजीलैंड के डेरिल मिचेल 802 रेटिंग अंकों के साथ नंबर-1 बल्लेबाज बने हुए हैं। भारत के शुभमन गिल 801 अंकों के साथ महज एक अंक पीछे दूसरे स्थान पर हैं, जबकि विराट कोहली 767 अंकों के साथ तीसरे नंबर पर कायम हैं। रोहित शर्मा 758 अंकों के साथ चौथे स्थान पर पहुंच गए हैं।

ऐतिहासिक शतक का मिला इनाम

रोहित शर्मा ने इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे और निर्णायक वनडे में 110 गेंदों पर 138 रन की विस्फोटक पारी खेली थी। इस दौरान उन्होंने 17 चौके और पांच छक्के लगाए। खास बात यह रही कि वह लॉर्ड्स के ऐतिहासिक मैदान पर वनडे शतक लगाने वाले पहले भारतीय बल्लेबाज बने। भारत को 388 रन के विशाल लक्ष्य का पीछा करना था। हालांकि रोहित की शानदार पारी के बावजूद टीम इंडिया 27 रन से मुकाबला हार गई और तीन मैचों की सीरीज 1-2 से गंवा बैठी।

संन्यास की अटकलों पर रोहित का जवाब

सीरीज के निर्णायक मुकाबले से पहले रोहित शर्मा के वनडे भविष्य को लेकर कई तरह की अटकलें लगाई जा रही थीं। लेकिन उन्होंने अपने बल्ले से सभी सवालों का जवाब दिया। मैच के बाद रोहित ने कहा, 'जब से मैंने डेब्यू किया है, तब से मेरे बारे में बातें होती रही हैं और जब तक मैं खेलूंगा, होती रहेंगी। मेरे लिए सबसे अहम बात मैदान पर प्रदर्शन करना और टीम की सफलता में योगदान देना है। अगर शोर नहीं होगा तो मजा भी नहीं आएगा।'

इंग्लैंड को भी हुआ फायदा

भारत-इंग्लैंड वनडे सीरीज के बाद इंग्लैंड के कई खिलाड़ियों की रैंकिंग में भी सुधार हुआ है। जो रूट 249 रन बनाने के बाद चार स्थान की छलांग लगाकर आठवें नंबर पर पहुंच गए। बेन डकेट 11 स्थान ऊपर चढ़कर संयुक्त रूप से 19वें स्थान पर पहुंच गए। जैकब बेथेल पांच स्थान की बढ़त के साथ 64वें स्थान पर पहुंच गए। वहीं गेंदबाजों की रैंकिंग में इंग्लैंड के तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर तीसरे स्थान पर पहुंच गए हैं। उनसे ऊपर अफगानिस्तान के राशिद खान पहले और पाकिस्तान के अबरार अहमद दूसरे स्थान पर हैं।

भारत के लिए सकारात्मक संकेत

ताजा आईसीसी वनडे बल्लेबाज रैंकिंग में भारत के तीन बल्लेबाज शुभमन गिल, विराट कोहली और रोहित शर्मा टॉप-4 में शामिल हैं। इससे साफ है कि भारतीय बल्लेबाजी इस समय विश्व क्रिकेट में सबसे मजबूत इकाइयों में से एक बनी हुई है। खास तौर पर गिल और रोहित की हालिया फॉर्म ने नंबर-1 रैंकिंग की जंग को बेहद रोमांचक बना दिया है।

इंग्लैंड में नहीं चला बल्ला, जिम्बाब्वे के खिलाफ दम दिखाने के लिए तैयार वैभव, आत्मविश्वास बरकरार

हरारे। भारतीय बल्लेबाजी के उभरते युवा सितारे वैभव सूर्यवंशी ने स्वीकार किया है कि पिछले चार महीनों में उनके करियर में कई उतार-चढ़ाव आए हैं। हालांकि, जिम्बाब्वे के खिलाफ गुरुवार से शुरू हो रही टी20 सीरीज से पहले वैभव का आत्मविश्वास पूरी तरह से बरकरार है। भारत और जिम्बाब्वे के बीच तीन मैचों की टी20 सीरीज होनी है जिसका पहला मैच गुरुवार को हरारे में खेला जाएगा।

टीम में बनाई जगह

15 वर्षीय सूर्यवंशी ने आईपीएल में अपने शानदार प्रदर्शन के दम पर भारत के आयरलैंड और इंग्लैंड दौरे की टी20 टीम में जगह बनाई थी। बेलफास्ट में आयरलैंड के खिलाफ दो मैचों की सीरीज में उन्हें खेलने का मौका नहीं मिला, लेकिन इंग्लैंड के खिलाफ मैनचेस्टर में दूसरे टी20 में उन्होंने अपना अंतरराष्ट्रीय डेब्यू किया। इसके साथ ही वह सचिन तेंदुलकर के लंबे समय से चले आ रहे रिकॉर्ड को तोड़कर भारत के लिए डेब्यू करने वाले सबसे युवा अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर बन गए।इसके बाद वैभव ने अगले तीन मैच खेले, लेकिन वह केवल मामूली स्कोर ही बना सके। पांचवें और अंतिम टी20 में संजू सैमसन की वापसी के बाद उन्हें प्लेइंग इलेवन से बाहर कर दिया गया। भारत यह सीरीज 0-4 से हार गया। महज तीन पारियों के बाद युवा सलामी बल्लेबाज को बाहर करने के टीम प्रबंधन के फैसले पर कई पूर्व क्रिकेटरों ने सवाल उठाए और आलोचना की। अंतिम मैच से बाहर किए जाने के बाद यह युवा खिलाड़ी भावुक नजर आया था। कम उम्र में ऐसी निराशाओं का सामना करने पर सूर्यवंशी ने बताया कि आसपास के लोगों से मिले समर्थन ने उन्हें आगे बढ़ने और ध्यान केंद्रित करने में मदद की।

प्रक्रिया का पालन जरूरी

सूर्यवंशी ने बीसीसीआई डॉट टीवी से कहा, हां, पिछले चार महीनों में कई उतार-चढ़ाव आए हैं। यह क्रिकेट का हिस्सा है और ऐसा होता रहेगा। लेकिन मुझे प्रक्रिया का पालन करना है और टीम के लिए अपना 100 प्रतिशत देना है। यह एक स्वाभाविक बात है कि मुझे जिस मार्गदर्शन या अभ्यास की आवश्यकता है, कोच मुझे वह उपलब्ध करा रहे हैं। बहुत अच्छा महसूस कर रहा हूं और आत्मविश्वास भी है।फरवरी में भारत के सफल अंडर-19 विश्व कप अभियान में सूर्यवंशी की अहम भूमिका रही थी। इसी मैदान पर इंग्लैंड के खिलाफ फाइनल में उन्होंने महज 80 गेंदों में 175 रनों की तूफानी पारी खेलकर भारत को चैंपियन बनाया था। इस मैदान की यादों को साझा करते हुए उन्होंने कहा, यह मेरे लिए एक बहुत ही यादगार मैदान है। सिर्फ चार महीने पहले हमने यहां अंडर-19 विश्व कप का फाइनल खेला और जीता था। भारत का प्रतिनिधित्व करना हर किसी का सपना होता है और यह एक बहुत खास पल है।

मेला क्षेत्र में सेवाभाव से देवतुल्य श्रद्धालुओं का करें हर संभव सहयोग : नगर आयुक्त

बिभा संवाददाता

देवघर : राजकीय श्रावणी मेला, 2026 के दौरान देवघर आने वाले श्रद्धालुओं की सुविधा, सुरक्षा और हर संभव सहयोग को लेकर जिला प्रशासन पूरी तरह से तत्पर है। इसी क्रम में उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी सौरभ कुमार भुवानिया के निदेर्शानुसार बुधवार को सूचना भवन सभागार में नगर आयुक्त देवघर सुलोचना मीना व अनुमंडल पदाधिकारी, देवघर रवि कुमार की अध्यक्षता में एक महत्वपूर्ण ब्रीफिंग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस ब्रीफिंग के माध्यम से मेला क्षेत्र में अधिष्ठापित केंद्रों में ऑडीशन से आये सभी नव-चयनित सूचना सह सहायता कर्मियों (उद्घोषक) एवं मातृत्व विश्राम गृह में सहयोगी कर्मी को उनके कार्यों और दायित्वों को लेकर विस्तृत जानकारी दी गई।

ब्रीफिंग के दौरान नव-चयनित कर्मियों को संबोधित करते हुए नगर आयुक्त सुश्री सुलोचना मीना ने कहा कि आप सभी सूचना सह सहायता कर्मियों का कार्य सिर्फ बिछड़े हुए कांवरिया बंधुओं को उनके परिजनों से मिलाना मात्र नहीं है, बल्कि आपको पूरे सेवाभाव और कर्तव्यनिष्ठा के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करना है। उन्होंने कर्मियों का हौसला बढ़ाते हुए कहा कि मेला क्षेत्र में आने वाले श्रद्धालु हमारी प्राथमिकता हैं, और उनके चेहरे पर संतोष देखना ही जिला प्रशासन का मुख्य उद्देश्य है। आगे उन्होंने जानकारी दी कि इस वर्ष श्रावणी मेले में श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए आधुनिक तकनीकों का बड़े पैमाने पर सहारा लिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि इस वर्ष न केवल देवघर के सम्पूर्ण मेला क्षेत्र में फैले सभी सूचना सह सहायता केंद्रों को आपस में जोड़ा जाएगा, बल्कि पूरे सूचना तंत्र को तकनीकी रूप से पहले से कहीं अधिक बेहतर और हाईटेक बनाने का प्रयास किया गया है, ताकि भीड़ में बिछड़े हुए बम भाइयों के पते और उनके परिजनों की सटीक जानकारी ढूंढने तथा उनसे तुरंत संपर्क स्थापित करने में काफी सहूलियत होगी।

इसके अलावा अनुमंडल पदाधिकारी रवि कुमार ने ब्रीफिंग के दौरान कहा कि इतने बड़े मेले में भीड़ नियंत्रण, अपनों से बिछड़े लोगों को मिलाने और आपातकालीन सूचनाओं के त्वरित प्रसार में सूचना सह सहायता कर्मियों की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण होती है। उन्होंने सभी कर्मियों को मुस्तैदी और पूरी जिम्मेदारी के साथ अपने कर्तव्यों का निर्वहन करने की हिदायत दी। साथ ही उन्होंने कहा कि श्रावणी मेले में देश-विदेश से आने वाले श्रद्धालुओं को सही और सटीक जानकारी देना सूचना कर्मियों की मुख्य जिम्मेदारी है। उन्होंने सभी उद्घोषकों को निर्देश दिया कि वे अत्यंत शालीनता और मधुर व्यवहार के साथ श्रद्धालुओं का मार्गदर्शन करें ताकि उन्हें मेला क्षेत्र में किसी भी प्रकार की असुविधा न हो। अनुमंडल पदाधिकारी ने मातृत्व विश्राम गृह में लगने वाली महिला सहयोगी कर्मी का भूमिका सबसे महत्वपूर्ण बताया और कहा यह बहुत बड़ी जिम्मेवारी है जिसमें कोताही का कोई गुंजाईश नहीं है। अंत में उन्होंने सभी उद्घोषकों को पूरी लगन के साथ मेले को सफल और सुगम बनाने में अपना योगदान देने के निर्देश दिए साथ में यह भी कहा की अपने ड्यूटी पर तय समय से आधा घंटा पूर्व पहुंचेंगे तथा अपनी उपस्थिति व्हाट्सप्प ग्रुप एवं हाजरी बही में दर्ज कराएँगे।

ब्रीफिंग के दौरान जिला जनसंपर्क पदाधिकारी श्री राहुल कुमार भारती ने जानकारी दी कि राजकीय श्रावणी मेला के दौरान श्रद्धालुओं की सुविधा हेतु सम्पूर्ण मेला क्षेत्र में 34 सूचना सह सहायता केन्द्र एवं 04 टोटो चौबिसों घंटे कार्यरत रहेंगे, ताकि किसी भी स्थिति में श्रद्धालुओं को त्वरित सविधा मुहैया करायी जा सके। इसके अलावा मेला के दौरान बाबा नगरी आने वाले महिला श्रद्धालुओं के साथ बच्चों के सुविधा एवं स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए 10 मातृत्व विश्राम गृह का निर्माण कराया गया है। साथ ही मातृत्व विश्राम गृह में सैनिटरी पैड, बच्चों के डायपर, बिस्कीट, दूध उपलब्ध कराया जाएगा एवं महिला कर्मियों की प्रतिनियुक्ति भी इन केन्द्रों पर की जायेगी। जहाँ टोटो नहीं जा सकेगी वहां पर पहुँच के लिए दो बायकर्स मुस्तैद रहेंगे। सर्राफ स्कूल में केंद्रीय सूचना केंद्र संचालित रहेगा जहाँ से काँवरिया को विशेष सहायता के तहत उनके घर तक भेजवाने का महत्वपूर्ण जिम्मेवारी प्रतिनियुक्त दंडाधिकारी एवं उनके सहयोगी टीम की होगी।

इस दौरान उपरोक्त के अलावा सहायक जनसंपर्क पदाधिकारी रोहित कुमार विद्यार्थी, संबंधित विभाग के कर्मी एवं सभी सूचना सह सहायता कर्मी उपस्थित थे।

जसीडीह स्टेशन के पास खाद्य दुकानों पर प्रशासन का छापा, 35 किलो मिलावटी पनीर कराया नष्ट

बिभा संवाददाता

देवघर : उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी श्री सौरभ कुमार भुवानिया के निदेर्शानुसार आज जसीडीह रेलवे स्टेशन के आसपास के विभिन्न खाद्य प्रतिष्ठानों का औचक निरीक्षण किया गया। इस छापेमारी अभियान का मुख्य उद्देश्य त्योहारों और आम दिनों में उपभोक्ताओं को शुद्ध एवं सुरक्षित खाद्य पदार्थ उपलब्ध कराना है।निरीक्षण के दौरान 'शांति कृष्ण दरबार' नामक प्रतिष्ठान में बेचे जा रहे पनीर पर संदेह होने पर खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम द्वारा 'ऑन द स्पॉट' (मौके पर) जांच की गई। जांच में पनीर के भीतर भारी मात्रा में स्टार्च मिले होने की पुष्टि हुई। मिलावट की पुष्टि होते ही टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए लगभग 25 किलोग्राम मिलावटी पनीर को मौके पर ही नष्ट करवा दिया गया। दुकानदार से कड़ाई से पूछताछ करने पर उसने स्वीकार किया कि वह इस मिलावटी पनीर की आपूर्ति रेलवे के माध्यम से कराता है। उसने बताया कि यह खेप बाढ़ (बढ़ैया) के निवासी

राजदेव यादव नामक व्यापारी द्वारा सप्लाई की जाती है।

इसके अलावा अभियान के तहत आगे की कार्रवाई करते हुए 'अमन एजेंसी' में भी औचक जांच की गई। यहाँ भी पनीर की गुणवत्ता मानक के अनुरूप नहीं पाई गई, जिसके बाद प्रतिष्ठान से लगभग 8 से 10 किलोग्राम मिलावटी पनीर को जब्त कर नष्ट करा दिया गया। विभाग द्वारा संबंधित दुकानदारों को सख्त चेतावनी दी गई है कि आम लोगों के स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ करने वाले किसी भी मिलावटखोर को बख्शा नहीं जाएगा। इस मामले में संलिप्त सप्लायर और दुकानदारों के खिलाफ खाद्य सुरक्षा अधिनियम के तहत सख्त कानूनी कार्रवाई की जा रही है। साथ ही विभाग द्वारा आने वाले दिनों में भी इस तरह का सघन जांच अभियान जारी रहेगा।

संक्षिप्त खबरें

भारतीय महिला टीम ने उज्बेकिस्तान को 16-0 से रौंदा, झारखंड की संदीपा बनीं 'प्लेयर ऑफ द मैच'

रांची (बिभा): मस्कट में खेली जा रही यूथ हॉकी5 एशियन चैंपियनशिप 2026 में भारतीय महिला हॉकी टीम का विजय रथ लगातार जारी है। भारत ने अपने आक्रामक खेल के दम पर

उज्बेकिस्तान को 16-0 के भारी अंतर से मात दी। इस एकतरफा मुकाबले में भारतीय टीम ने न केवल गोलों की बरसात की, बल्कि मैच में एक भी गोल न खाकर शानदार क्लीन शीट भी बरकरार रखी। इस जीत के साथ भारत ने टूर्नामेंट के एलीट पूल में अपनी स्थिति और भी मजबूत कर ली है। इस ऐतिहासिक जीत में झारखंड की पांच युवा महिला खिलाड़ियों ने भारतीय टीम में शामिल होकर देश और राज्य का नाम रोशन किया। झारखंड की संदीपा कुमारी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए मैच के 2वें, 6वें और 20वें मिनट में बेहतरीन गोल दागे और 'प्लेयर ऑफ द मैच' का खिताब अपने नाम किया। भारतीय महिला टीम की इस धमाकेदार जीत पर हॉकी झारखंड की ओर से पूरी टीम को हार्दिक बधाई दी गई है। विशेष रूप से राज्य का नाम रोशन करने वाली झारखंड की पांचों बेटियों–संदीपा कुमारी, श्रुति कुमारी, पुष्पा मांझी, नीलम टोपनो और खिली कुमारी–को ढेर सारी शुभकामनाएं दी गईं।

द्वितीय राज्य स्तरीय लिटिल चैंप्स फुटबॉल प्रतियोगिता का आगाज आज से

रांची(बिभा) : स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग, झारखंड सरकार के अंतर्गत झारखंड शिक्षा परियोजना परिषद, रांची द्वारा आयोजित द्वितीय राज्य स्तरीय लिटिल चैंप्स फुटबॉल प्रतियोगिता का आयोजन 23 से 25 जुलाई, 2026 तक खेलगांव, रांची के प्रैक्टिस मैदान में होगा। प्रतियोगिता में राज्य के सभी 24 जिलों की विजेता बालक एवं बालिका टीमें भाग लेंगी।बुधवार दोपहर से ही नन्हें मुन्हे फुटबॉल खिलाड़ियों का खेलगांव रांची में आना शुरू हो गया था। वर्ष 2025 से शुरू की गई इस प्रतियोगिता का उद्देश्य कक्षा 3 से 5 तक के 8 से 12 वर्ष (अंडर-12) आयु वर्ग के सरकारी विद्यालयों के छात्र-छात्राओं में फुटबॉल प्रतिभा को प्रारंभिक स्तर पर पहचानना और उसे प्रोत्साहित करना है। प्रत्येक जिले से 12-12 खिलाड़ियों की बालक एवं बालिका टीम सहित कुल 576 खिलाड़ी (288 बालक एवं 288 बालिका) प्रतियोगिता में अपना कौशल प्रदर्शित करेंगे। राज्य कार्यक्रम पदाधिकारी धीरसेन ए. सोरेंग ने बताया कि प्रतियोगिता की सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। खिलाड़ियों के आवासन, भोजन, चिकित्सा एवं सुरक्षा की समुचित व्यवस्था की गई है। उन्होंने कहा कि यह प्रतियोगिता झारखंड में फुटबॉल की मजबूत आधारशिला तैयार करने और भविष्य के प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को मंच प्रदान करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है।

पलामू के बेतला नेशनल पार्क के टाइगर फाउंडेशन की वार्षिक बैठक संपन्न

बिभा संवाददाता

पलामू: पीटीआर के क्षेत्र में बाघ और गौर के पुनर्वास कार्यक्रम का विस्तार किया जाएगा, जबकि पलामू टाइगर रिजर्व से छह महीने में गांव का रिलोकेशन होगा. दरअसल, पलामू टाइगर रिजर्व के बेतला नेशनल पार्क के टाइगर फाउंडेशन की वार्षिक बैठक बुधवार को हुई.

टाइगर फाउंडेशन के अध्यक्ष मुख्यमंत्री होते हैं. इस बैठक के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के प्रतिनिधि के रूप में पर्यटन मंत्री सुदिव्य सोनू ने भाग लिया और बैठक की अध्यक्षता की. टाइगर फाउंडेशन की बैठक में कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए. इस बैठक में बाघ और गौर के पुनर्वास कार्यक्रम की समीक्षा की गई और कई महत्वपूर्ण बिंदुओं पर निर्णय लिया गया है.

पलामू टाइगर रिजर्व ने दो बाघिन और एक बाघ बाहर से लाने का प्रस्ताव केंद्र सरकार को भेजा था, जिसे सैद्धांतिक रूप से मंजूरी मिल गई है. टाइगर फाउंडेशन की बैठक में कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए हैं और अगले छह महीने में इलाके से गांव का रिलोकेशन कार्य पूरा कर लेने का निर्णय लिया गया है. इस बैठक में पलामू किले के जीर्णोद्धार पर कई महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया जबकि हाथी-मानव संघर्ष को कम करने के लिए उठा कदमों की भी सराहना की गई.

बैठक के बाद मंत्री सुदिव्य सोनू ने कहा कि टाइगर फाउंडेशन की यह सालाना बैठक थी. इस बैठक में पिछले वर्ष की आय व्यय की समीक्षा हुई है और वन्य जीवों के संरक्षण की योजनाओं पर चर्चा की गई है. पर्यटन मंत्री ने कहा कि बैठक में मुख्य रूप से दो बिंदुओं पर विचार किया गया, जिसमें वाटरशेड और ग्रासलैंड का विस्तार करना था. वाटरशेड और ग्रासलैंड के लिए अतिरिक्त बजट की मंजूरी दी गई है.

वहीं गांव के रिलोकेशन से संबंधित मामले छह महीने में पूरे कर लिए जाएंगे. पलामू टाइगर रिजर्व का भविष्य उज्ज्वल है और आने वाले दिनों में ग्रास लैंड भी बढ़ेगा.

झारखंड में स्लॉटर हाउस नियमावली पर सरकार ने मांगा एक माह का समय, हाई कोर्ट में 20 अगस्त को होगी अगली सुनवाई

बिभा संवाददाता

रांची। झारखंड उच्च न्यायालय ने राजधानी रांची सहित राज्यभर में दुकानों पर खुलेआम कटे हुए बकरे और चिकन के प्रदर्शन एवं बिक्री के खिलाफ दायर जनहित याचिका पर बुधवार को सुनवाई की। इस दौरान राज्य सरकार ने स्लॉटर हाउस (वधशाला) के संचालन के लिए नियमावली (रूल्स एंड रेगुलेशंस) तैयार करने के लिए एक माह का समय मांगा। अदालत ने सरकार का पक्ष सुनने के बाद मामले की अगली सुनवाई के लिए 20 अगस्त की तिथि निर्धारित की है।

मुख्य न्यायाधीश एम.एस. सोनक और न्यायमूर्ति राजेश शंकर की खंडपीठ के समक्ष राज्य सरकार की ओर से बताया गया कि स्लॉटर हाउस के लिए नियमावली का मसौदा तैयार कर वित्त विभाग को भेज दिया गया है। वित्त विभाग से मंजूरी मिलने के बाद इसे कैबिनेट की स्वीकृति के लिए प्रस्तुत किया जाएगा। सरकार ने इस पूरी प्रक्रिया को पूरा करने के लिए न्यायालय से एक माह का समय देने का आग्रह किया।

सरकार की दलील पर विचार करने के बाद खंडपीठ ने मामले की अगली सुनवाई 20 अगस्त को निर्धारित की। अदालत ने संकेत दिया कि अगली सुनवाई के दौरान नियमावली तैयार करने की दिशा में हुई प्रगति की भी समीक्षा की जाएगी।

जेपीएससी की 14वीं पीटी परीक्षा रद्द कर, सीबीआई से जांच कराए सरकार : आजसू

बिभा संवाददाता

रांची। आजसू पार्टी ने 14 वीं जेपीएससी संयुक्त सिविल सेवा प्रारंभिक परीक्षा (पीटी) को रदद कर इसकी सीबीआइ से जांच कराने की मांग की है।

पार्टी के हरमू स्थित कार्यालय में प्रेस वार्ता में मुख्य प्रवक्ता देवशरण भगत और केंद्रीय महासचिव लंबोदर महतो ने कहा कि राज्य सरकार पीटी परीक्षा में हुई गड़बड़ी की लीपापोती का प्रयास बंद करे।

उन्होंने कहा कि जेपीएससी की ओर से आयोजित की जा रही प्रतियोगी परीक्षाओं में घपला करने के लिए ही ब्लैकलिस्टेड कंपनी की सेवाएं ली जा रही थीं। इस प्रकरण में राज्य की छवि पर एक और दाग लग गया है।

लम्बोदर महतो ने कहा कि जिस निजी एजेंसी टीडीपीएल के संबंध में कई राज्यों में कार्रवाई और प्रतिबंध की बातें सामने आती रही हैं, उसी एजेंसी से परीक्षा कराना गंभीर चिंता का विषय है। उन्होंने आरोप लगाया कि परीक्षा संचालन में निजी एजेंसी की भूमिका, आयोग के अध्यक्ष का इस्तीफा और जेपीएससी कार्यालय में सीआईडी की छापेमारी पूरे प्रकरण को और अधिक संदेहास्पद बनाती है।

उन्होंने कहा कि यह बात चर्चा में है कि 50 सामान्य सीटों के लिए जिन 1100 अभ्यार्थियों को चुना गया है उनमें से 400 सिर्फ हरियाणाझ्यूपी के हैं। उन्होंने कहा कि परीक्षा से संबंधित ओएमआर शीट सहित कई मुद्दों पर अब तक स्पष्ट जवाब नहीं दिया गया है।

केंद्रीय प्रवक्ता डॉ देवशरण भगत ने कहा कि सरकार, आयोग और परीक्षा एजेंसी की भूमिका पर गंभीर प्रश्न उठ रहे हैं, जिनका जवाब झारखंड के युवाओं को मिलना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि यदि भर्ती प्रक्रिया में किसी भी प्रकार की वित्तीय या प्रशासनिक अनियमितता हुई हैं तो उसकी निष्पक्ष जांच जरूरी है। साथ ही उन्होंने यह सवाल भी उठाया कि झारखंडी युवाओं के हितों की बात करने वाली सरकार के कार्यकाल में परीक्षा परिणाम को लेकर इतनी व्यापक शंकाएं क्यों उत्पन्न हुईं।

उन्होंने मांग की कि पूरे मामले की जांच सीबीआई और वित्तीय अनियमितताओं के पहलुओं की जांच सक्षम केंद्रीय एजेंसियों से कराई जाए, ताकि सत्य सामने आए और यदि किसी स्तर पर भ्रष्टाचार हुआ है तो दोषियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई सुनिश्चित हो सके।

आजसू ने मांग की कि 14 वीं जेपीएससी परीक्षा तत्काल रद्द की जाए और झारखंड के युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ करने वालों को कानून के दायरे में लाया जाए। पार्टी ने कहा कि यदि सरकार इस मामले में जल्द निर्णय नहीं लेती है तो आजसू पार्टी युवाओं के न्याय के लिए लोकतांत्रिक आंदोलन को और तेज करेगी।

दुमका: जिला उद्योग केंद्र में आईईसी जागरूकता सह पंजीकरण शिविर आयोजित

बिभा संवाददाता

दुमका : राइजिंग एंड एक्सेलेरेटिंग एमएसएमई परफॉर्मेंस योजना के अंतर्गत उद्योग विभाग, झारखंड सरकार के तत्वावधान में जिला उद्योग केंद्र, दुमका के सभागार में बुधवार को आयातक-निर्यातक कोड विषय पर एक दिवसीय जागरूकता सह पंजीकरण शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य जिले के उद्यमियों को आयात-निर्यात से संबंधित प्रक्रियाओं, आयातक-निर्यातक कोड (आईईसी) के महत्व, पंजीकरण प्रक्रिया तथा वैश्विक बाजार में व्यापार की संभावनाओं से अवगत कराना था।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिला उद्योग केंद्र, दुमका के महाप्रबंधक दास कुमार एक्का ने कहा कि वर्तमान समय में स्थानीय उत्पादों को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय बाजार तक पहुंचाने के लिए आयातक-निर्यातक कोड (आईईसी) अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने उद्यमियों से इस सुविधा का अधिकतम लाभ उठाते हुए अपने व्यवसाय का विस्तार करने तथा आत्मनिर्भर भारत एवं विकसित झारखंड के निर्माण में सक्रिय भागीदारी निभाने का आह्वान किया।

शिविर में स्टेट टैक्स ऑफिसर प्रदीप कुमार मेहरा ने निर्यात से संबंधित कर प्रावधानों, जीएसटी अनुपालन एवं व्यापारिक प्रक्रियाओं की विस्तृत जानकारी दी तथा प्रतिभागियों की जिज्ञासाओं का समाधान किया।

इंडिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक के शाखा प्रबंधक अजीत कुमार ने बैंकिंग सेवाओं, डिजिटल भुगतान, वित्तीय समावेशन तथा बैंकिंग सहायता के विभिन्न माध्यमों की जानकारी देते हुए उद्यमियों को डिजिटल वित्तीय सेवाओं के उपयोग के लिए प्रेरित किया।

इज ऑफ डूइंग बिजनेस प्रबंधक मनोज कुमार प्रमाणिक ने आयातक-निर्यातक कोड प्राप्त करने की ऑनलाइन प्रक्रिया, आवश्यक दस्तावेज, आवेदन की चरणबद्ध प्रक्रिया तथा डीजीएफटी पोर्टल के माध्यम से पंजीकरण की विस्तृत जानकारी साझा की। उन्होंने उद्यमियों को निर्यात व्यवसाय से जुड़ी विभिन्न सरकारी योजनाओं एवं प्रोत्साहन सुविधाओं का लाभ उठाने के लिए भी प्रेरित किया। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित उद्यमियों को आयात-निर्यात व्यवसाय की संभावनाओं, आवश्यक औपचारिकताओं एवं सरकारी सहायता तंत्र से संबंधित विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। साथ ही प्रतिभागियों की जिज्ञासाओं का समाधान करते हुए उन्हें निर्यात व्यवसाय प्रारंभ करने के लिए आवश्यक मार्गदर्शन दिया गया।

इस अवसर पर जिले के विभिन्न उद्यमियों एवं इच्छुक व्यवसायियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर कार्यक्रम का लाभ उठाया।

पटरियों के प्रहरी: किस प्रकार पूर्व रेलवे एक-एक फाटक के माध्यम से यात्री सुरक्षा में क्रांतिकारी बदलाव ला रहा है

बिहान भारत

कोलकाता: प्रतिदिन लाखों यात्री ट्रेन में सफर करते हैं या रेलवे समपार फाटकों को पार करते हैं और अपने विश्वास, अपने सपनों तथा अपने जीवन को पूर्व रेलवे के भरोसे छोड़ते हैं। इस महान जिम्मेदारी को समझते हुए, पूर्व रेलवे प्रत्येक यात्रा को सुरक्षित और निर्बाध बनाने के लिए पूर्णतः प्रतिबद्ध है। पूर्व रेलवे के महाप्रबंधक श्री मिलिंद देऊस्कर के दूरदर्शी एवं गतिशील नेतृत्व में यात्री सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी गई है। प्रत्येक यात्री, राहगीर और आम नागरिक की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए श्री देऊस्कर ने सियालदह, हावड़ा, आसनसोल और मालदा–पूर्व रेलवे के चारों प्रमुख मंडलों में व्यापक आधारभूत संरचना आधुनिकीकरण अभियान का नेतृत्व किया है। सुनियोजित रणनीति और सतत क्रियान्वयन के माध्यम से पूर्व रेलवे अपने पूरे नेटवर्क में रेलवे समपार फाटकों का तेजी से आधुनिकीकरण कर रहा है, ताकि सभी के लिए सुरक्षित, सुचारु और दुर्घटनामुक्त आवागमन सुनिश्चित किया जा सके।

इस विशाल अभियान को समझने के लिए यह जानना आवश्यक है कि रेलवे फाटक कैसे कार्य करते हैं और सुरक्षा तकनीक यात्रियों के लिए इतनी महत्वपूर्ण क्यों है। पारंपरिक गैर-अंतःसंलग्न समपार फाटक पर सुरक्षा पूरी तरह स्टेशन कर्मचारियों और फाटक कर्मियों के बीच टेलीफोन के माध्यम से होने वाले मैनुअल संचार पर निर्भर करती है। यद्यपि फाटक कर्मी पूरी निष्ठा से अपना दायित्व निभाते हैं, फिर भी

केवल मानवीय संचार पर निर्भर रहने से त्रुटि या विलंब की संभावना बनी रहती है। इसी जोखिम को समाप्त करने के लिए पूर्व रेलवे तेजी से इन फाटकों को आधुनिक अंतःसंलग्न समपार फाटकों में परिवर्तित कर रहा है।

इंटरलॉक्ड फाटक में फाटक की बैरियर प्रणाली इलेक्ट्रॉनिक रूप से रेलवे की सिग्नलिंग प्रणाली से जुड़ी होती है। जब तक फाटक पूरी तरह बंद, लॉक और सुरक्षित नहीं हो जाता, तब तक ट्रेन को हरी झंडी (ग्रीन सिग्नल) नहीं मिल सकती। यदि फाटक एक इंच भी खुला रह जाए तो रेलवे सिग्नल स्वतः लाल बना रहता है, जिससे ट्रेन सुरक्षित रूप से रुक जाती है और मानवीय भूल की संभावना पूरी तरह समाप्त हो जाती है।

यात्रा को और अधिक सुरक्षित एवं सुविधाजनक बनाने के लिए पूर्व रेलवे रोड अंडर ब्रिज तथा सीमित ऊँचाई वाले सबवे का भी निर्माण कर रहा है। इन अंडरपासों के माध्यम से सड़क वाहन, एम्बुलेंस और पैदल यात्री रेलवे लाइन के नीचे से सुरक्षित रूप से गुजर सकते हैं, जिससे उन्हें बंद फाटक पर प्रतीक्षा नहीं करनी पड़ती और न ही सक्रिय रेलवे ट्रैक पार करना पड़ता है।

इस जीवनरक्षक परिवर्तन की व्यापकता और गति का स्पष्ट प्रमाण मंडलवार उपलब्ध आंकड़ों से मिलता है। सियालदह मंडल में कुल 379 मानवयुक्त समपार फाटकों में से 368 फाटक इंटरलॉक्ड हो चुके हैं, जबकि केवल 11 गैर-अंतःसंलग्न फाटक शेष हैं। हावड़ा मंडल में कुल 301 मानवयुक्त समपार फाटकों में से 267 इंटरलॉक्ड हैं और 34 गैर-अंतःसंलग्न हैं। आसनसोल मंडल में कुल 127 मानवयुक्त समपार फाटकों में से 93 इंटरलॉक्ड तथा 34 गैर-अंतःसंलग्न हैं। मालदा मंडल में कुल 99 मानवयुक्त समपार फाटकों में से 79 इंटरलॉक्ड हैं, जबकि 20 गैर-अंतःसंलग्न फाटक शेष हैं।

चारों मंडलों को मिलाकर पूर्व रेलवे में कुल 906 मानवयुक्त समपार फाटक हैं, जिनमें से 807 फाटक पूर्णतः इंटरलॉक्ड किए जा चुके हैं। पूरे जोन में अब केवल 99 गैर-अंतःसंलग्न समपार फाटक शेष हैं।

फाटकों के इंटरलॉकिंग कार्य के साथ-साथ, समपार फाटकों को पूरी तरह समाप्त करने के उद्देश्य से अंडरपास निर्माण में भी पूर्व रेलवे ने उल्लेखनीय सफलता प्राप्त की है। मंडलवार उपलब्धियों के अनुसार सियालदह मंडल में 119, हावड़ा मंडल में 244, आसनसोल मंडल में 104 तथा मालदा मंडल में 112 रेलवे रोड अंडर ब्रिज /सीमित ऊँचाई वाले सबवे का निर्माण पूरा किया जा चुका है। इस प्रकार पूरे पूर्व रेलवे में अब तक कुल 579 रोड अंडर ब्रिज एवं सीमित ऊँचाई वाले सबवे निर्मित किए जा चुके हैं।

807 इंटरलॉक्ड समपार फाटक और 579 संचालित अंडरपासों के साथ पूर्व रेलवे का अधिकांश नेटवर्क अब आधुनिक सुरक्षा तकनीक से सुरक्षित हो चुका है। शेष 99 गैर-अंतःसंलग्न फाटकों पर भी युद्धस्तर पर कार्य तेजी से जारी है।

यात्री सुरक्षा के प्रति पूर्व रेलवे की अटूट प्रतिबद्धता को दोहराते हुए पूर्व रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी शिबराम माझि ने कहा -यात्री सुरक्षा हमारी सर्वोच्च और अटल प्राथमिकता है।

बिहान भारत की ओर से स्वात्वाधिकारी प्रकाशक एवं मुद्रक **संजय कुमार** के लिए वाटिका अपार्टमेंट,भोसले गली,हरिहर सिंह रोड,बरियातू,रांची-834009(झारखंड) दूरभाषः 7761060594, 7004767601 से प्रकाशित तथा शिवा साई पब्लिकेशन प्रा.लि. (एसएच प्रिंटर प्रा.लि.), काठीटांड रातु, नियर टेंडर बगीचा, एचपी पेट्रोल पंप, रातु, रांची - 835222 झारखंड से मुद्रित। समस्त दीवानी विवाद, न्यायोचित कार्रवाई एवं दंडित परिवादो के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। **संपादक : कविता साहू**(*पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार)। **प्रबंध संपादक : बीरेन्द्र महली** ।
Email-bihanbharat@gmail.com, bihanbharatranchinews@gmail.com